स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, सोमवार
8 सितंबर, 2025
अश्विन मास कृष्ण पक्ष 1
सं. 2082 वि.
वर्ष 79, अंक - 23 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

सलमान खान ने भी कस दिया ट्रंप पर तंज, कहा 'ट्रबल' फैलाने वाले को चाहिए पीस प्राइज

भाजपा की कार्यशाला में अंतिम पंक्ति में बैठे मोदी

जीएसटी सुधारों के लिए किया गया सम्मानित | सांसदों की कार्यकुशलता बढ़ाने के तरीकों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। इस बीच नई दिल्ली में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संसद परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम कार्यकर्ता की तरह सबसे पीछे की सीट पर बैठे दिखाई दिए। कार्यशाला के दौरान जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने एक्स पर पीएम मोदी की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें प्रधानमंत्री सबसे अंतिम पंक्ति में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की कार्यशाला में पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधार से जुड़ा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद सांसदों ने जीएसटी सुधारों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया। सांसदों ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। दरअसल, जीएसटी में हुए सुधार से लोगों पर कर का बोझ कम होगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भाजपा और उसके सहयोगी दलों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें नवंबर में होने वाले बिहार चुनावों में बढ़त मिलेगी। दो दिनों तक चलने वाली यह कार्यशाला में कई सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन सत्रों में पार्टी के इतिहास और विकास पर चर्चा के साथ सांसदों के लिए कार्यकुशलता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा होगी।

जीएसटी के फायदे बताने उतरेगी भाजपा नेताओं की टीम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीएसटी की चार दरों को केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत में समेट दिया है। इससे देश के हर आम परिवार को 10 से 15 हजार रुपये प्रति वर्ष की बचत हो सकती है। जीएसटी की दरों में कमी का अर्थव्यवस्था और आम आदमी के जीवन पर क्या असर पड़ सकता है, यह बताने के लिए भाजपा जल्द ही अपने शीर्ष नेताओं को जमीन पर उतार सकती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा के संगठन के पदाधिकारी, सांसद-विधायक और राज्य सरकारों में मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री प्रेस कांफ्रेंस और अन्य कार्यक्रम कर लोगों को जीएसटी दरों में होने वाली कमी के लाभ बताएंगे। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से एक पखवाड़े का सेवा कार्यक्रम भी मनाने जा रही है। इसमें केंद्र सरकार के कार्यों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। इस योजना में जगह-जगह कार्यक्रम कर लोगों को केंद्र सरकार के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। अब इन कार्यक्रमों के साथ-साथ भाजपा नेता लोगों को जीएसटी दरों में कमी के बारे में भी जानकारी देंगे। केंद्र सरकार के स्तर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव अपने-अपने स्तर पर जीएसटी दरों में कमी के लाभ गिना चुके हैं। अब अपने विभागों के अनुसार अन्य मंत्री भी जीएसटी दरों के बारे में जानकारी देंगे। इसमें कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने मंत्रालय से संबंधित जानकारी देंगे। जीएसटी दरों में कमी का कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, एमएसएमई और अन्य सेक्टरों पर क्या असर पड़ेगा, इसकी विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

यूपी में मुसीबत बना नदियों का बढ़ा जलस्तर

■ कई जिलों में बिगड़े हालात
■ बाढ़ से बेहाल लोगों की बढ़ीं मुसीबतें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना व अन्य नदियों का बढ़ा जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। अलीगढ़, बरेली, हाथरस, मथुरा व अन्य कई जिलों में पानी आबादी में घुस गया है। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद कर रहा है। शाहजहांपुर में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बरेली मोड़ ओवरब्रिज के नीचे से लेकर मौजमपुर गांव तक करीब डेढ़ किमी दूरी तक पानी करीब दो फुट और तेज बहाव से बह रहा है। इससे वाहनों के आवागमन में दिक्कत हो रही है। शाम को बहाव और तेज हो गया। इससे दो पहिया वाहन और हल्के वाहन ऑटो और टेंपो का संचालन बंद हो गया। इसकी वजह से राहगीरों को काफी परेशानी हुई। लोगों को पानी से पैदल निकलना पड़ा। एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने बताया कि दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर पानी के बहाव को देखते हुए टीमों को सतर्क कर दिया गया है। पीएसी की फ्लड यूनिट को हाईवे पर लगाया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और हर संभव मदद के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आईटीआई में नव-चयनित अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये

योगी का विपक्ष पर करारा हमला

■ यूपी के युवाओं को अब पहचान का संकट नहीं

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले राज्य के युवाओं के सामने 'पहचान का संकट' था और राज्य को 'बीमारू' राज्य करार दिया जाता था। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में राज्य द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के लिए नव-चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा, जब आप अपने स्कूलों और पॉलिटेक्निक में थे तो आपने अनुभव किया होगा कि उत्तर प्रदेश के साथ दो चीजें जुड़ी हुई थीं। पहली, जब उत्तर प्रदेश के युवा राज्य से बाहर जाते थे तो लोग उन्हें हीन नजरों से देखते थे। उन्हें पहचान के संकट का सामना करना पड़ता था। परिणामस्वरूप उनके मन में हीन भावना विकसित हो जाती थी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, हम पर बीमारू राज्य का ठप्पा लगा दिया गया... इसका मतलब था देश के विकास में बाधा। एक बड़ा राज्य जो संसाधनों से भरपूर है, एक ऐसा राज्य जहां भगवान भी किसी न किसी अवतार में आए, ऐसा राज्य बीमारू हो गया और उसे पहचान के संकट का सामना करना पड़ा? उन्होंने कहा कि बीमारू शब्द का प्रयोग जनसांख्यिकीविद् आशीष बोस ने 1980 के दशक के मध्य में किया था। यह नाम देश के कुछ सबसे गरीब राज्यों - बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के नामों के पहले अक्षरों से बना था। आदित्यनाथ ने दावा किया कि पहले जब त्योहारों के समय उत्साह का माहौल दिखना चाहिए था उस समय लोगों के मन में डर होता था कि पता नहीं कब दंगे हो जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले आठ वर्षों में हम उस राज्य को सातवीं और आठवीं अर्थव्यवस्था से देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सफल रहे हैं। हम 'बीमारू' राज्य के ठप्पे को उखाड़ फेंकने में सफल रहे हैं और आज हमने उत्तर प्रदेश को भारत के विकास के इंजन के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा राज्य की 25 करोड़ जनता, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ है।

बच्ची की गवाही ही सजा के लिए काफी

■ दुष्कर्म मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2017 में 10-वर्षीय एक बच्ची के साथ बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति की 12 साल की जेल की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है तथा केवल इसी आधार पर दोषसिद्धि भी हो सकती है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने मामले में दोषी करार दिये गए टोनी नाम के व्यक्ति की अपील तीन सितंबर को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायाधीश ने कहा, 'कानून की स्थापित स्थिति यह है कि भले ही पीड़िता घटना की एकमात्र गवाह हो, अगर उसकी गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद पाई जाती है, तो दोषसिद्धि बरकरार रखी जा सकती है। अगर पीड़ित बच्ची की गवाही विश्वसनीय है, तो दोषसिद्धि उसी के आधार पर हो सकती है।'

प्राथमिकी के अनुसार, दोषी व्यक्ति बच्ची के स्कूल के पास फर्नीचर की एक दुकान में काम करता था तथा पीड़िता को चाउमीन और कचौड़ी जैसी खाने की चीज़ों का लालच देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था। इसके अलावा, व्यक्ति ने धमकी दी थी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो वह उसे 'नाले में डुबो देगा या लकड़ी की तरह टुकड़े-टुकड़े कर देगा।' न्यायाधीश ने कहा कि बच्ची का बयान एक समान और विश्वसनीय रहा तथा व्यक्ति जिरह के दौरान उसकी गवाही को झुठला नहीं सका।

भाजपा सांसद ने निशिकांत को बताया अहंकारी

■ बोले- मैं उनकी 'सरकार' का हिस्सा नहीं

नई दिल्ली। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने साथी सांसद निशिकांत दुबे के ऊपर बड़ा हमला किया है। उन्होंने निशिकांत दुबे को अहंकारी बताया है। रूडी ने यहां तक कहा कि संसद के अंदर सरकार से इतर निशिकांत दुबे खुद में सरकार हैं। लेकिन मैं उनकी सरकार का हिस्सा नहीं हूं। मैं इंडिपेंडेंट हूं। रूडी ने ये बातें न्यूजलॉण्ड्री के वीडियो इंटरव्यू में कही। इस इंटरव्यू में रूडी से दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब चुनाव को लेकर सवाल पूछे गए थे। सवाल के जवाब में भाजपा सांसद ने कहा कि निशिकांत दुबे अकेले दम पर ही संसद चलाना चाहते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब चुनाव में निशिकांत दुबे रूडी के सामने खड़े भाजपा के ही संजीव बालियान का प्रचार कर रहे थे। वीडियो इंटरव्यू में राजीव प्रताप रूडी से दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव को लेकर सवाल पूछा जा रहा था। इसमें उनसे पूछा गया कि इस चुनाव में उनकी पार्टी ही उनके खिलाफ थी। आगे पूछा गया कि क्या ऐसा भी था कि गृहमंत्री अमित शाह ने उनके खिलाफ प्रचार किया? इसके जवाब में राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह गलत सूचना एक व्यक्ति द्वारा फैलाई गई, जो सोचते हैं कि वह बतौर सांसद संसद को नियंत्रित करते हैं।

मां वैष्णो देवी यात्रा 13वें दिन भी रही स्थगित

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा आज लगातार 13वें दिन भी स्थगित रही। पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण त्रिकुटा पर्वत क्षेत्र में भूस्खलन और रास्तों में रुकावटें आ गई हैं, जिससे तीर्थ यात्रा मार्ग असुरक्षित हो गया है। प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा को फिलहाल रोके रखने का फैसला लिया गया है। मौसम की स्थिति और मार्ग की बहाली के बाद ही यात्रा को दोबारा शुरू किया जाएगा। भारी बारिश की वजह से कई जगहों पर रास्ते क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और मलबा हटाने का काम लगातार जारी है। प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर तैनात हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे आधिकारिक सूचना के बिना यात्रा की योजना न बनाएं और अपडेट के लिए आधिकारिक वेबसाइट या स्थानीय प्रशासन से संपर्क में रहें।

वोट चोरी के आरोपियों को बचा रहा चुनाव आयोग?

■ कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। वोट चोरी के आरोपों को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट है। विपक्षी इंडिया गठबंधन लगातार रूप से इसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। ऐसे में एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग जरूरी जानकारी साझा नहीं कर रहा, जिससे कथित वोट चोरी के आरोपियों को बचाया जा रहा है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-7 के जरिए मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तब हजारों वोटरों की लिस्ट से गायब होने की बात उजागर की थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि फरवरी 2023 में इस मामले पर केस दर्ज हुआ था और जांच में 5,994 फर्जी फॉर्म-7 सामने आए, जो बड़े पैमाने पर वोटर फ्रॉड का सबूत थे।

गंगा में डूबने से तीन किशोरों की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के बम्हरौली के रसूलपुर घाट पर तीन नाबालिग दोस्तों की गंगा में डूबने से मौत हो गई। धूमनगंज के मुंडेरा से तीनों दोस्त पिछले 24 घंटे से लापता थे। एनडीआरएफ और जल पुलिस ने करीब चार घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाकर तीनों के शवों को बाहर निकाला। धूमनगंज थाना क्षेत्र के चक मुंडेरा निवासी नमन लूथरा (17), मनीष (13) और शौर्य पाल (14) तीनों दोस्त थे। शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे तीनों घर से बिना बताए लापता हो गए। परिजनों की काफी खोजबीन के बाद भी तीनों का कुछ पता नहीं चल सका। देर रात तक तीनों के परिजन तलाश में लगे रहे। अगली सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि रसूलपुर घाट के पास कुछ बच्चों के कपड़े और चप्पल पड़े हुए हैं। सूचना पर परिजन पहुंचे तो कपड़े और चप्पल से पहचान की गई।

अब गांवों में भी पैर फैला रहा है कैंसर का खतरा

■ रिपोर्ट में सामने आए डराने वाले आंकड़े

नई दिल्ली। भारत में कैंसर का खतरा तेजी से बढ़ रहा है और सभी उम्र के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। यह भी साफ है कि कैंसर अब किसी एक आयु वर्ग या भौगोलिक क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। पहले इसे शहरों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब गांवों में भी ये तेजी से बढ़ता जा रहा है। पुरुष हों या महिलाएं, यहां तक कि बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि शहरी जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण, जंक फूड्स की आदत, धूम्रपान-तनाव जैसे कारक तो कैंसर बढ़ा ही रहे हैं, इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी, समय पर बीमारी का निदान और इलाज न मिलना और गलत धारणाएं भी जोखिम बढ़ा रही हैं। महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर जैसे खतरे बढ़ रहे हैं, जबकि पुरुषों में फेफड़े, मुंह और प्रोस्टेट से जुड़े कैंसर ज्यादा देखे जा रहे हैं। बच्चों में भी ल्यूकेमिया जैसे खतरनाक कैंसर विशेषज्ञों की चिंता बढ़ाते जा रहे हैं। देश में बढ़ते कैंसर के खतरे को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट काफी डराने वाली है। इसमें कहा गया है कि गांवों में एक लाख की आबादी पर औसतन 93 पुरुष कैंसर का शिकार पाए जा रहे हैं।

जिस तरह से हमारी दिनचर्या और खानपान में गड़बड़ी देखी जा रही है, ये कैंसर के खतरे को और भी बढ़ाने वाली हो सकती है। भारत में, हर एक लाख लोगों में से लगभग 100 लोग कैंसर से पीड़ित पाए जा रहे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में भारत में कैंसर के अनुमानित 14.6 लाख नए मामले सामने आए। जब इसके कारणों को समझने के लिए प्रयास शुरू किया गया तो पता चला कि इसके प्रमुख जोखिम कारकों में तंबाकू-धूम्रपान के सेवन की आदत शीर्ष पर थी जिससे मुंह-फेफड़े और ग्रासनली का कैंसर होता है।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में लोगों से जबरन वसूली करने के आरोप में अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' से जुड़े एक उग्रवादी को शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के हाओरेइबी क्षेत्र में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया जो दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आम जनता से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। इसके अलावा, प्रतिबंधित संगठन 'केसीपी' (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को शनिवार को थौबल जिला अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया गया।

इसके अलावा शुक्रवार को थौबल जिले के विभिन्न हिस्सों से मुखौटा बैंक खाते संचालित करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

जापान के पीएम इशिबा ने दिया इस्तीफा

■ राजनीतिक संकट गहराया

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इशिबा ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में फूट से बचने के लिए यह कदम उठाया। जापानी मीडिया एनएचके ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गई थी। इसके लिए इशिबा ने हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफे पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि चुनावी हार के बाद एलडीपी में इशिबा को हटाओ आंदोलन जोर पकड़ गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे, जिसके बाद से पार्टी के भीतर विरोध और तेज हो गया था। बता दें कि ऊपरी सदन के चुनाव परिणामों ने शिगेरू इशिबा की पार्टी पर उनकी पकड़ को कमजोर कर दिया था। इसके बावजूद उन्होंने कहा था कि वह अपने पद पर बने रहेंगे। उस समय जापान और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही थी।

"मानवता का आज हो रहा धरती पर अपमान"

नवकांत ठाकुर

नज़र और नज़रिया

रंजना वर्मा लिखती हैं कि– **'मानवता का आज हो रहा धरती पर अपमान / किन्तु किसे हो पाया है इस सच्चाई का ज्ञान / होता नहीं स्वर्ण मृग फिर भी लालच के वश लोग / करा रहे हैं गली गली में नित अपना अपमान।'** वाकई मौजूदा हालात ऐसे हैं जिसमें इंसानियत और सकारात्मकता को तवज्जो देना कतई जरूरी नहीं समझा जा रहा है। लिहाजा जब समाज में सकारात्मक पहलों की अनदेखी और नकारात्मक बातों की चर्चा अधिक होगी तो इसे मानवता का अपमान ही माना जाएगा। मौजूदा हालात ऐसे हैं जिसमें अच्छाई और सकारात्मकता की एक खबर कहीं से आई नहीं कि बुराई और नकारात्मकता वाली खबरों की बाढ़ उसे हाशिए पर धकेल कर मुख्य धारा की चर्चा से बाहर कर देती है। जबकि किसी भी सभ्य और सुसंस्कृत समाज में अपेक्षित तो यह होना चाहिए कि चर्चा उन अच्छाइयों की हो जिससे सामाजिक एकता, नैतिकता और शुचिता के मूल्यों को ताकत मिले। लेकिन इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि इन दिनों खबरों की सुर्खियों में ऐसे मसले छाए हुए हैं जो आपसी नफरत, कटुता और अविश्वास में इजाफे की वजह बन रहे हैं।

वह भी तब जबकि बाढ़ की विभीषिका के बीच इंसानियत और हिंदुस्तानियत की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। दिल्ली स्थित सोनिया विहार में तकरीबन दो हजार की मुस्लिम आबादी के बीच सिर्फ पांच–छह हिंदुओं के घर वाले बदरपुर गांव में जब सैलाब आया तो स्थानीय बुजुर्ग महावीर ताऊ ने ना सिर्फ अपने ऊंचाई वाले आहाते में सैकड़ों स्थानीय मुसलमानों के लिए रहने खाने का इंतजाम किया बल्कि बच्चों के लिए दूध और बीमारों के लिए दवा की व्यवस्था भी की। इसी प्रकार हरियाणा के मेवात में छोटी-सी झोपड़ी में रहने वाली 80 साल की बुजुर्ग हाजरा बीबी ने ना सिर्फ अपने बल्कि अपनी मां की आखिरी निशानी वाले गहने–झुमके भी बेच दिए ताकि पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद हो सके। यहां तक कि मरकज, जमीयत और आरएसएस से लेकर तमाम उन संस्थाओं ने भी मानवता की सेवा के लिए यथासंभव धन, सामान और सेवा उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है जिन पर अक्सर समाजिक समरसता को कमजोर करने और आपसी भाईचारे में दरार डालने का इल्जाम लगता रहता है।

बेहतर होता कि मुख्य धारा के विमर्श में ऐसी सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता दी जाती ताकि दूसरों को भी इससे प्रेरणा मिले। लेकिन दुर्भाग्य से चर्चा हो रही है नोएडा के अश्विनी कुमार द्वारा फिरोज को फंसाने और बदनाम करने के लिए उसके नाम से मुम्बई पुलिस को आतंकी हमले की धमकी दिए जाने की। संघ प्रमुख द्वारा आपसी विवादों को सुलझाने के लिए बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़ने के प्रस्ताव का स्वागत करने के बाद जमीयत के पीछे हट जाने की। श्रीनगर के हजरतबल दरगाह के शिलापट्ट पर अंकित राष्ट्रीय चिन्ह को कुछ कट्टरपंथी अलगाववादियों द्वारा तोड़े जाने की। वगैरह, वगैरह। हालांकि ऐसी कड़वी–कसैली खबरों के केंद्र में चंद गिने–चुने मुट्ठी भर लोग ही हैं लेकिन दुर्भाग्यवश इनकी करतूतों की कालिख राष्ट्रीय विमर्श पर हावी हो जाती है और अच्छाईयों की चर्चा हाशिए पर दम तोड़ देती है। ऐसे में आवश्यक है कि नकारात्मकताओं और निराशाओं के बजाय अच्छाइयों और सकारात्मकता की उन प्रेरणादायक पहलों को प्रमुखता से समाज के बीच प्रचारित-प्रसारित किया जाए जिसके लिए दुष्यंत कुमार कहते हैं कि– **"इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है / नाव जर्जर ही सही लहरों से टकराती तो है / एक चिंगारी कही से ढूँढ लाओ दोस्तों / इस दिए में तेल से भीगी हुई बाती तो है।"** **'जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।'**

स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

हर अच्छे कार्य में समस्याएं आती हैं, समाधान खोजकर ही आगे बढ़ना है

शिक्षक, स्टाफ और विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की असली शक्ति : आनंदीबेन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में रविवार को राजभवन में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क-2025 में राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा प्राप्त उत्कृष्ट रैंकिंग के उपलक्ष्य में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी कुलपतियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान कार्यों, नवाचार और सभी के परिश्रम व समर्पण का सजीव प्रमाण है। यह प्रदर्शन न केवल प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य को नई ऊँचाइयां प्रदान करता है, बल्कि विश्वविद्यालयों की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएं और गतिविधियां ही छुपी हुई प्रतिभाओं व कौशल को सामने लाती हैं और इन्हीं से नवाचार के अवसर उत्पन्न होते हैं। आज के युवा 21वीं सदी के युवा हैं, जिनके पास नए-नए विचार हैं। इसलिए विश्वविद्यालयों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित हों, जहां प्रत्येक को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिले। इसी संदर्भ में उन्होंने राजभवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उल्लेख किया, जहां प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजभवन में 22 बच्चों को बांसुरी वादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उन्हें 26 जनवरी की परेड में प्रस्तुति हेतु तैयार किया जा रहा है। इसी प्रकार विश्वविद्यालयों को भी कौशल और नवाचार की दिशा में नए प्रयास करने चाहिए। राजभवन में मॉडल विद्यालय बनाया जा रहा है। राजभवन के अधिकारी और कर्मचारियों ने अभियान चलाकर आसपास की बस्तियों से 75 नए बच्चों का नामांकन कराया और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम-से-कम पांच विभागों के बीच आंतरिक प्रतियोगिताएँ आयोजित हों। इनमें जो सर्वोत्तम कौशल और नवाचार सामने आए, उसे आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल पढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भर बनाना ही विश्वविद्यालयों की प्रमुख जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों के साथ ओपन डिस्कशन कर उनके विचारों को विश्वविद्यालय की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पास अपार कौशल होता है इसका लाभ विश्वविद्यालयों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को उनसे संबंद्ध महाविद्यालयों को नैक रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना करना चाहिए। कुलसचिव, रजिस्ट्रार और परीक्षा नियंत्रक जैसे दायित्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी है कि वे प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पारदर्शी, संवेदनशील और प्रभावी बनाते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति में सक्रिय योगदान दें। शोध और फंडिंग के विषय पर कहा कि इस दिशा में राजभवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और नीति आयोग के साथ बैठकें हुई हैं, जिससे काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि जब भी किसी प्रोजेक्ट को अस्वीकृत किया जाए तो उसके कारणों को अवश्य साझा किया जाना चाहिए, ताकि विश्वविद्यालय उससे सीख लेकर भविष्य में सुधार कर सकें। साथ ही, जो शोध और प्रोजेक्ट्स उत्कृष्ट हों, उन्हें हरसंभव आगे बढ़ाना चाहिए।

यूनाइटेड मोर्चा की बैठक संपन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समतावादी यूनाइटेड मोर्चा यूपी की मासिक बैठक 6 सितंबर को कोल्डल अपार्टमेंट जापलिंग रोड लखनऊ में एके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चे के संरक्षक विजय कुमार लाल श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज एक प्रबुद्ध समाज है। कायस्थ समाज हमेशा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ रहा है। कायस्थ समाज सामाजिक समानता में विश्वास करता है। कायस्थ समाज के देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद देश के पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री, लोकनायक जय प्रकाश नारायण पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी विचारक डा. संपूर्णानंददेश के गौरव है। श्रीवास्तव ने कहा कि लोकनायक जेपी की संपूर्ण क्रांति की विचार धारा से ही देश में सामाजिक समानता और आर्थिक समानता लाई जा सकती है। मोर्चा पूरे प्रदेश में भारत रत्न डा. राजेंद्र प्रसाद शास्त्री और लोकनायक की जयंती मनाएगा। श्रीवास्तव ने कहा कि देश और प्रदेश में कायस्थ समाज को एकजुट होकर देश में सत्यम शिवम सुंदरम समाज बनाने के लिए आगे आना चाहिए। समाजिक कुरीतियों के खिलाफ मुखर होना चाहिए।

मेगाप्रॉथेसिस सर्जरी से महिला के घुटने का प्रत्यारोपण

एसपीजीआई एपेक्स ट्रामा सेंटर में हुई जटिल सर्जरी

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। एसपीजीआई एपेक्स ट्रामा सेंटर में पहली बार मेगाप्रॉथेसिस सर्जरी करके 45 वर्षीय महिला के घुटने का प्रत्यारोपण किया गया। यह सर्जरी बेहद जटिल थी लेकिन डॉक्टरों की लगन और अनुभव ने यह कर दिखाया। अब महिला स्वस्थ है। पीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में हड्डी रोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार ने बताया कि फतेहपुर की 45 वर्ष की संगीता देवी जब संस्थान आईं थी तो उनका दाहिना घुटना काफी क्षतिग्रस्त था। संगीता देवी के अनुसार उन्हें लगभग चार साल पहले दोनों पैरों में दर्द एवं खिंचाव की शिकायत हुई थी। एमआरआई जांच में स्पाइन ट्यूमर की पुष्टि हुई थी। कानपुर के एक निजी अस्पताल में इसकी सर्जरी हो गई थी। कुछ समय आराम रहने के बाद उन्हें समस्या होने लगी। जांच करने पर दोबारा ट्यूमर होने की बात पता चली। एक बार फिर से उनकी सर्जरी करने पड़ी। सर्जरी के बाद उनके बाएं पैर में ताकत वापस आ गई, लेकिन दाहिने पैर में कमजोरी और सुन्नपन की समस्या शुरू हो गई। चलने पर मोच आ जाती और दाहिने पैर में सूजन रहने लगी। जांच में पता चला कि उनके दाहिने घुटने की हड्डी अपनी जगह से उतर गई है एवं पूरे दाहिने पैर में खून का जमाव हो गया है। हड्डी उतरने की वजह से सामान्य इंप्लांट लगाना संभव नहीं था। ऐसे में वे एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। यहां डॉ. अमित ने रेडियोडायग्नोसिस विभाग के एडीशनल प्रोफेसर डॉ.अनिल सिंह की मदद से पहले उनके पैर के खून के जमाव को अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रोसीजर माध्यम से निकाला। इसके बाद खून के जमाव का इलाज किया गया। छह महीने बाद उन्हें कृत्रिम घुटना प्रत्यारोपित किया गया। मरीज की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हो चुकी थी। इस वजह से रीढ़ में एनेस्थीसिया देना भी एक बड़ी चुनौती थी। एनेस्थीसिया विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. वंश ने अल्ट्रासाउंड की मदद से एनेस्थीसिया दिया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमन ने सफल घुटना प्रत्यारोपण के लिए पूरी टीम को बधाई दी। एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख प्रोफेसर अरुण कुमार श्रीवास्तव ने इस बड़ी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

खबर एक नज़र

ओबरा और अनपरा परियोजनाएं उत्पादन निगम को देने की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि ओबरा और अनपरा में लग रही नई बिजली इकाइयों को ज्वाइंट वेंचर के स्थान पर प्रदेश के व्यापक हित में राज्य विद्युत उत्पादन निगम को दिया जाए। समिति ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गत सप्ताह लिए गए कैबिनेट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने अमरकंटक बिजली घर में जॉइंट वेंचर समाप्त कर नई बनने वाली इकाई मध्य प्रदेश के उत्पादन निगम को देने का निर्णय लिया है। संघर्ष समिति ने कहा है कि मध्य प्रदेश की कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय तकनीकी दृष्टि से सर्वथा उपयुक्त और उचित है। उत्तर प्रदेश में भी जॉइंट वेंचर समाप्त कर राज्य के उत्पादन निगम को ओबरा डी और अनपरा ई परियोजनाओं को सौंपा जाये तो बिजली की उत्पादन लागत 35 से 40 पैसे प्रति यूनिट तक कम हो जाएगी। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने रविवार को यहां बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने 28 मार्च 2023 को यह निर्णय लिया था कि अमरकंटक ताप बिजली घर में 660 मेगावाट की नई बिजली इकाई ज्वाइंट वेंचर में एसईसीएल (कोल इंडिया लिमिटेड) के साथ लगाई जाएगी। संघर्ष समिति ने मध्य प्रदेश सरकार के आदेश की प्रति जारी करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के बिजली कर्मचारियों की संघर्ष समिति ने इसका विरोध किया था और अंततः ढाई साल के बाद मध्य प्रदेश की कैबिनेट ने अपने ही निर्णय को संशोधित करते हुए अब यह निर्णय लिया है कि अमरकंटक ताप बिजली घर की नई इकाई ज्वाइंट वेंचर में नहीं लगाई जाएगी और इसे मध्य प्रदेश का विद्युत उत्पादन निगम लगाएगा। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने 27 जुलाई 2023 को यह निर्णय लिया था कि 2म800 ओबरा डी और 2म800 अनपरा ई ताप बिजली परियोजनाओं को ज्वाइंट वेंचर में एनटीपीसी के साथ लगाया जाएगा। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में एक बात समान थी कि राज्य के उत्पादन गृह में पहले से चल रही इकाइयों के साथ ज्वाइंट वेंचर को अनुमति दी गई थी जो विवाद का मुख्य कारण है। राज्य के उत्पादन निगम की चल रही इकाइयों के साथ ज्वाइंट वेंचर में नई परियोजना लगाने का निर्णय पूरे देश में और कहीं नहीं लिया गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने जिन बातों की आशंका व्यक्त करते हुए ज्वाइंट वेंचर को निरस्त करने का निर्णय ढाई साल के बाद लिया गया, लगभग वही परिस्थितियां उत्तर प्रदेश में ओबरा और अनपरा में है। इन स्थितियों को देखते हुए प्रदेश को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को तत्काल ज्वाइंट वेंचर निरस्त करने का निर्णय लेना चाहिए अन्यथा विलंब होने से और अधिक नुकसान होने की संभावना है।

भाजपा की गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान : अखिलेश

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसान, नौजवान, मजदूर, कारोबार विरोधी है। भाजपा की गलत नीतियों के कारण हर वर्ग परेशान और तबाह हो गया है। भाजपा सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, नौजवानों की नौकरी, रोजगार और महंगाई को लेकर जनता से झूठ बोला। सरकार ने कहा था कि जीएसटी लागू होने से कारोबार आसान होगा लेकिन जीएसटी दुनिया का इकलौता ऐसा कानून है जिसमें सबसे ज्यादा संशोधन हुए है। जीएसटी में तमाम संशोधनों के बाद भी फिर बदलाव करना पड़ा। मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब सवाल यह है कि जीएसटी लागू होने से लेकर अब तक सरकार ने किसको मुनाफा कमवाया। सरकार की गलत नीतियों से महंगाई बढ़ी। हर चीज के दाम बढ़े। वर्षों तक जनता से वसूली हुई। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। जीएसटी का स्लैब कम होने से भी महंगाई कम नहीं होगी। क्योंकि जिनको मुनाफाखोरी की आदत पड़ गयी है वे कीमतें कम नहीं करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के नेता अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर नहीं बोल रहे हैं। ऐसा लग रहा है भाजपा नेताओं के मुंह पर भी अमेरिका का टैरिफ लग गया है। अमेरिका के टैरिफ लगाने से भदोही का कारपेट, मुरादाबाद का ब्रास का एक्सपोर्ट, मेरठ, सहारनपुर और अन्य जगहों से जो निर्यात होता था उसका नुकसान होना शुरू हो गया है। इससे कारीगर बेरोजगार होंगे, अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

पीजीआई में दिमाग के आपरेशन की जटिलताएं बताईं

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। पीजीआई के न्यूरोसर्जरी विभाग में दो दिवसीय न्यूरो मॉनिटिरिंग मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान दिमाग के आपरेशन के हर पहलू को आसान तरीके से बताया गया। साथ ही आपरेशन के दौरान और बाद में उत्पन्न होने वाली जटिलताओं को भी बताया गया। न्यूरोमॉनिटरिंग के विशेषज्ञ मुम्बई के डॉ. अली असगर मोयैदी, दिल्ली के डॉ. सचिन बोरकर व डॉ. अशोक जरयाल और हैदराबाद के डॉ. विश्वनाथ ने डॉक्टरों को न्यूरो मॉनिटिरिंग से दिमाग के जटिल ऑपरेशन की बारीकियां बतायीं। पीजीआई के न्यूरो सर्जन डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव और डॉ. अनंत मेहरोत्रा ने संस्थान में किए जा रहे न्यूरोमोनिटरिंग कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यूरोसर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. अवधेश कुमार जायसवाल और आयोजन सचिव डॉ. कुंतल कांति दास और डॉ. सौमेन कांजीलाल रहे।

तैराकी में सीएमएस छात्र ने जीते मेडल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्र अयान यादव ने द्रविण पादुकोण एकेडमी, बंगलुरू में आयोजित सीआईएससीई नेशनल स्विमिंग चैम्पियनशिप में दो सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस नेशनल चैम्पियनशिप में अयान ने 100मी ब्रेस्टस्ट्रोक एवं 200मी ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धाओं में यह उपलब्धि अपने नाम की है।

वेतन, पेंशन विसंगति को लेकर जल निगम कर्मचारियों ने बुलंद की आवाज

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। जल निगम पेंशनरों व कर्मियों की प्रतिनिधि संस्था उप्र जल निगम संघर्ष समिति ने एक विस्तृत श्वेत पत्र जारी करते हुए जल निगम विभाजन को त्रासदपूर्ण विभीषिका के रूप में मनाने की तैयारी पूर्ण कर ली है। रविवार को समिति ने यह जानकारी पत्रकारों से साझा की। संयोजक वाईएन उपाध्याय ने कहा कि 1894-95 से 1975 तक जल निगम शासकीय विभाग के रूप में स्थापित था जिसे विश्व बैंक से 1975 में मात्र 40 करोड़ ऋण लेने के निमित्त तत्कालीन शासकीय विभाग स्वायत्त शासन, अभियन्त्रण विभाग को जल निगम में परिवर्तित कर दिया गया। 1894-95 से लेकर 1975 तक 22 प्रतिशत सेन्टेज के रूप में धनराशि होती थी तथा कर्मियों का वेतन, पेंशन राजकीय कोषागार से भुगतान किया जाता था। जल निगम बनने पर वेतन, पेशन का भार सीधे जल निगम पर आ गया जिसे 22 प्रतिशत सेन्टेज से ही भुगतान किया जाने लगा। मार्च 1997 से शासन द्वारा सेन्टेज घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया, जिससे वित्तीय स्थिति क्षीण होने लगी। इसी दौरान आवास विकास परिषद, विकास प्राधिकरणों, बड़े बडे क्लोनाइजरो ने अपनी कालोनियों में पेयजल, सीवरेज एवं ड्रेनेज जैसे कार्य स्वंय करना शुरू कर दिया जिससे जल निगम के कार्यभार में कमी आयी। स्वजलधारा जैसी अनुभवहीन संस्था खड़ी कर दी गयी जो 4 वर्ष में ही समाप्त हो गयी, जिसने जल निगम के अस्तित्व पर चोट पहुँचायी। वर्ष 2000 में हैण्डपम्पों का रख-रखाव तथा 2007-08 में एकल ग्राम पाइप पेयजल का रख रखाव ग्राम पंचायतों को सौंपें जाने से वित्तीय स्थिति जर्जर हो गयी। कर्मचारी नेताओं ने मुख्यमन्त्री से अपील कि जल निगम का एकीकरण करते हुए इसे सेन्टेज रहित (शून्य सेन्टेज) घोषित कर दिया जाय तथा वेतन व पेंशन कोषागार से संबद्ध कर दिया जाये।

सिंधु समाज के मेधावी बच्चे हुए सम्मानित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय सिंधु सभा ने होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में समाज के मेधावी बच्चों का सम्मान किया। सम्मानित मेधावी छात्र कक्षा दस और बारहवीं में अच्छे नंबरों के साथ पास हुए थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंधु समाज के अशोक मोतियानी ने सभी बच्चों का हौसलाफ्जाई करते हुए कहाकि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चों को अच्छे कार्यों के लिए हमेशा उत्साहवर्धन करना चाहिए ताकि इनमें आगे बढ़ने के लिए जोश पैदा हो सके। कार्यक्रम में सिंधु समाज के प्रदेश अध्यक्ष नरेश जोतवानी ने अशोक मोतियानी को समाजहित में कार्य करने के लिए प्रथम सिंधु गौरव अवार्ड से नवाजा। सिंधु समाज की प्रदेश महिला उपाध्यक्ष पूनम लखमानी ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया वहीं कार्यक्रम का संचालन कपिल हासनी ने किया।

ऋषिकुलशाला में गरीब बच्चों ने दिखाया हुनर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पावन चिंतन धारा आश्रम का प्रकल्प ऋषिकुलशाला में अभावग्रस्त बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण की शिक्षा दी जाती है। जिसमें लगभग 1800 बच्चे प्रत्येक रविवार निशुल्क शिक्षा प्राप्त करते हैं। उमराव सिंह धर्मशाला डालीगंज में आयोजित पांचवे वार्षिकोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, गीत संगीत, प्राणायाम आसन और महापुरुषों के चरित्र की जीवनी प्रस्तुत की। इस अवसर पर धर्मशाला के निर्देशक और भारत लोक शिक्षा परिषद एकल अभियान के महामंत्री आशीष अग्रवाल ने बच्चों के प्रतिभा की सराहना करते हुए गरीब बच्चों के इस सेंटर का आभार जताया। अवध बार एसोशिएशन हाई कोर्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ शैलेंद्र शर्मा अटल ने आश्रम के संस्थापक एवं प्रोफेसर पवन सिन्हा द्वारा इस प्रकल्प की शुरुआत को महान कार्य बताया।

नर्सिंग स्क्रीनिंग परीक्षा सकुशल सम्पन्न

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी में लोहिया संस्थान की नर्सिंग स्क्रीनिंग परीक्षा 16 केन्द्रों पर सम्पन की हुई। परीक्षा में सिर्फ 60 फीसदी परीक्षा में शामिल हुए और 40 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। लोहिया संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने बताया कि देश के 133 परीक्षा केन्द्रों पर रविवार को नर्सिंग की स्क्रीनिंग परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की गई। लखनऊ में 16 केन्द्रों पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। हर केन्द्र पर संस्थान से एक नोडल अधिकारी भेजा गया था। परीक्षा सुबह नौ बजे से 11 के बीच हुई। नर्सिंग के करीब 665 पद के लिये 47500 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। रविवार परीक्षा में करीब 28500 अभ्यर्थी शामिल हुए। अन्य ने परीक्षा नहीं दी। डॉ. तिवारी ने बताया कि यूपी के अलावा हैदराबाद, गुजरात समेत कई प्रदेशों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। संस्थान में बने कंट्रोल रूम से सभी केन्द्रों की निगरानी की जा रही थी। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई है।

गांवों को स्वच्छ व सुंदर बनाने में जुटा प्रशासन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका संवर्धन हेतु प्रत्येक वित्तीय वर्ष में उन ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल श्रम करने के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं। इसके साथ ही इस योजना से जल संरक्षण संरचनाओं, ग्रामीण सड़कों और अन्य बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं जैसी उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी जोर दिया जाता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाने एवं जलभराव जैसी की समस्या के निदान हेतु महात्मा गांधी नरेगा योजना से नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में ग्राम्य विकास की योजनाओ का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। श्री मौर्य ने कहा कि गांवों की गलियां, ग्रामीणों का हाईवे की भांति हैं। योजना के अंतर्गत किये गये विकास कार्य धरातल पर दिखने भी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण के कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे गांव स्वच्छ और सुंदर रहे और ग्रामीण स्वस्थ रहें। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2017-18 से अब तक ग्रामीण संयोजकता के 5.30 लाख से अधिक कार्य पूर्ण कराये गये हैं। सरकार की मंशा, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश एवं योजना की गाइडलाइन के अनुरूप ग्राम पंचायतों के समग्र विकास हेतु मनरेगा योजना से नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण का कार्य निरंतर कराया जा रहा है।

नये वोटरों से संवाद के लिए भाजपा तैयार

17 को हर जिले में होगा 75-75 यूनिट रक्तदान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा युवा मोर्चा की रविवार को पार्टी मुख्यालय पर बैठक हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के तहत युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भी सेवा कार्यो में अपनी सहभागिता करनी है। मोर्चा द्वारा नये मतदाताओं और युवाओं से संपर्क के लिए व्यापक अभियान चलाना चाहिए। भाजपा मुख्यालय पर आयोजित बैठक में धर्मपाल सिंह ने कहा कि 17 सितम्बर को पीएम के जन्मदिवस पर सभी जिलों में रक्तदान शिविर लगाकर 75 युनिट रक्तदान करना है। नमों मैराथन या अन्य कोई भी कार्यक्रम में ऐसे नव मतदाताओं की संख्या पर ध्यान देना चाहिए। मोर्चा द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम प्रभावी हों, इसके लिए पदाधिकारियों को प्रवास कर कार्यक्रमों की सफलता के लिए रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने कहा कि कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क करेंगे। इसमें सैलिब्रिटी प्रमुख व्यवसायी, कलाकार, सांस्कृतिक प्रतीक, कवि, बड़े डाक्टर, वॉर संघों के लोगों से, पूर्व खिलाडियों से, फिटनेस क्लब, जिम, स्कूल कॉलेजों को वरीयता देना होगा। युवा मोर्चा 17 सितम्बर को सभी संगठनात्मक 98 जिलों में कम-कम से 75 युनिट ब्लड रक्तदान करेगा। दूसरे चरण में 18 सितम्बर से लेकर गांधी जयन्ती तक बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता भी रक्तदान करेंगे। 21 सितम्बर को मोर्चा महानगरों में ''नमों मैराथन'' दौड़ का आयोजन करेंगा। इन मैराथन की थींम नशामुक्त भारत होगा। इसी तरह सांसद खेल प्रतियोगिता में भी अधिक से अधिक खिलाडियों को शामिल करायेंगे। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा सेवा पखवाडा अभियान के प्रभारी की जिम्मेदारी वरूण गोयल को सौंपी गई। बैठक में मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनुभव द्विवेदी, राजेश राजभर, प्रदेश मंत्री अरूण यादव, सौरभ भूषण शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविन्दर सोम, शैलेन्द्र मौर्या, सुनील साहू, मनीष गौतम, नितिन मित्तल, पुरूसार्थ सिंह, मनीषा सिंह, सुधा पाठक सहित कई जिलों के जिलाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

मधुमक्खी पालन से स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

योगी सरकार दे रही 90 दिन का नि:शुल्क प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश सरकार किसानों की आय में वृद्धि और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित कर रही है। उद्यान तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में ऐसे अनुपूरक व्यवसायों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनमें कम भूमि और कम पूंजी की आवश्यकता होती है। मधुमक्खी पालन इन्हीं व्यवसायों में शामिल है, जिससे किसान कम समय और कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सकते हैं। मधुमक्खियाँ न केवल शहद उत्पादन में सहायक हैं, बल्कि पर-परागण से फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में किसानों को प्रेरित करने के साथ-साथ मधुमक्खी पालन हेतु 40 प्रतिशत तक अनुदान भी प्रदान कर रही है। उद्यान मंत्री ने बताया कि मधुमक्खी पालन से औद्यानिकी में स्वरोजगार का विस्तार होगा और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। किसानों को इस क्षेत्र में वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर और बस्ती तथा राजकीय उद्यान प्रयागराज में 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर तक तीन माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें पुरुष और महिलाएँ, सभी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशक डा भानु प्रकाश राम ने बताया कि प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी अपने निकटतम केन्द्र संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर बस्ती अथवा अधीक्षक, राजकीय उद्यान प्रयागराज से संपर्क कर निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन के साथ दो सभ्रांत व्यक्तियों या किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र भी आवश्यक होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 16 सितंबर निर्धारित की गई है। प्रशिक्षणार्थियों को ठहरने और भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। श्री सिंह ने कहा कि मधुमक्खी पालन ऐसा व्यवसाय है, जो किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री की पहल से किसान वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त कर आधुनिक तकनीकों के साथ शहद उत्पादन और परागण कार्य में दक्ष होंगे। इससे न केवल उनकी आय में इजाफा होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुदान और जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं और किसानों को स्वरोजगार की ओर अग्रसर कर रही है। सहारनपुर, बस्ती और प्रयागराज जिलों के किसानों व युवाओं को लाभ मिलेगा, साथ ही मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में नए उद्यम शुरू करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

काशी और अयोध्या के बाद विंध्याचल धाम बनेगा पर्यटन केन्द्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विंध्याचल धाम बड़ा पर्यटन स्थल बनकर उभर रहा है। काशी और अयोध्या की तरह ही मां विंध्यवासिनी मंदिर की लोकप्रियता दर्शनार्थियों की संख्या एक करोड़ से अधिक हो जाएगी। छह महीनों में ही 64 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए। हर महीने औसतन 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या से विंध्याचल त्रिकोण यात्रा (विंध्यवासिनी देवी मंदिर, अष्टभुजा मंदिर और काली खोह मंदिर) सहित जनपद के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी रौनक बढ़ गयी है। विंध्यवासिनी में रिकॉर्ड भीड़ के चलते अष्टभुजा मंदिर में 38 लाख से अधिक भक्त पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार विंध्याचल को पर्यटन प्रतीक के रूप में स्थापित कर रही है। विंध्याचल कॉरिडोर के साथ विभिन्न ईको-टूरिज्म परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। सरकार अष्टभुजा और काली खोह मंदिर क्षेत्र का भी कॉरिडोर शैली में पुनर्विकास कर रही है। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सड़कों, घाटों और परिवहन सुविधाओं को भी बेहतर किया जा रहा है। साथ ही यहां पर मल्टी-लेवल पार्किंग, शौचालय, भीड़ प्रबंधन क्षेत्र और यात्री सुविधाएं तैयार हो रही हैं। गंगा तट पर नए घाट और पथ का निर्माण से श्रद्धालु अनेक घाटों से होते हुए यात्रा कर सकेंगे। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि अब वे दिन नहीं रहे, जब मीरजापुर में मानसून के मौसम में ही झरनों को देखने के लिए भीड़ उमड़ती थी। वर्तमान में हर मौसम में श्रद्धालु और पर्यटक विंध्याचल पहुंच रहे हैं। यहां की पहाड़ियों और प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन योजना में शामिल किया गया है। झरने, जंगलों और ट्रैकिंग पथों को विकसित कर पर्यटकों को नया अनुभव देने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण होम-स्टे, नेचर वॉक, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजन भी पर्यटन का हिस्सा बन रहे हैं। साथ ही ट्रैकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। सलखन फॉसिल पार्क का यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल हो गया है। लगातार तीसरे वर्ष उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में देश का नंबर एक राज्य बना हुआ है।

मदिरा की रियल टाइम मॉनिटरिंग में खेल

दुकानदार स्कैन मशीन की तकनीकी खामियों का उठा रहे फायदा

राहुल वर्मा

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली राजधानी लखनऊ में मज़ाक बनकर रह गई है। यह योजना शराब की हर बोतल की बिक्री को रियल टाइम में दर्ज करने और अवैध शराब पर रोक लगाने के लिए शुरू की गई थी, मगर ज़मीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। दुकानदारों ने सिस्टम की खामियों का लाभ उठाकर इसे अपनी सहूलियत का औजार बना लिया है। सबसे बड़ी गड़बड़ी यह है कि शराब दुकानदार सुबह दुकान खोलते ही कई-कई पेटी शराब पहले से ही स्कैन कर लेते हैं। यानी जिन बोतलों की बिक्री अभी हुई ही नहीं, उन्हें पहले से सिस्टम में दर्ज कर दिया जाता है। ऐसे में जब असली बिक्री दिनभर होती है, तो उसका रिकॉर्ड ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली पर रियल टाइम में दर्ज ही नहीं होता। नतीजा यह है कि प्रणाली का पूरा उद्देश्य 'रियल टाइम मॉनिटरिंग' ध्वस्त होकर रह गया है। सूत्र बताते हैं कि भीड़ बढ़ने और डिवाइस की खराबी से बचने के लिए दुकानदार यह शॉर्टकट अपनाते हैं। स्कैनिंग मशीनें केवल 30-45 मिनट बैकअप देती हैं और बार-बार हैंग हो जाती हैं। इसी बहाने दुकानदार सुबह ही बोतलें स्कैन कर लेते हैं और दिनभर बिना किसी ट्रैकिंग के बिक्री करते हैं। इससे सिस्टम 'रियल टाइम' की जगह 'फर्जी टाइम' की गिनती करने लगा है। राजधानी में चल रही यह पूरी कहानी साबित करती है कि ट्रैक एंड ट्रेस का असली मकसद फेल हो चुका है। जब दुकानदार पहले से स्कैन करके दिनभर की बिक्री 'आंखों में धूल झोंकने' की तरह निपटा सकते हैं, तो इस प्रणाली की रियल टाइम मॉनिटरिंग का कोई मतलब ही नहीं बचता। शहर में शराब उन्मूलन के लिए कार्य करने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि यह सिस्टम अब अवैध शराब कारोबार को बढ़ावा देने का जरिया बन चुका है। अगर आबकारी विभाग के अधिकारी और निरीक्षक इसी तरह चुप्पी साधे रहे, तो आने वाले समय में ट्रैक एंड ट्रेस योजना सिर्फफाइलों तक सीमित रह जाएगी और राजस्व को होने वाला नुकसान रोकना और अवैध शराब के कारोबार को रोकना नामुमकिन हो जाएगा।

> बोतलों को पहले से स्कैन करना गलत है। बोतल तभी स्कैन करना है जब ग्राहक खरीदने आएं।
>
> **राकेश कुमार सिंह, उप आबकारी आयुक्त, लखनऊ।**

अधिकारियों की नाक के नीचे खेल

चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब जिला आबकारी अधिकारी करूणेंद्र सिंह और उनके अधीनस्थ आबकारी निरीक्षकों की आंखों के नीचे हो रहा है। राजधानी में ही खुलेआम नियमों को दरकिनार कर ट्रैक एंड ट्रेस का मखौल उड़ाया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री खुद इस योजना पर सख्त हैं, तो लखनऊ जैसे संवेदनशील जिले में ही इसकी धज्जियां क्यों उड़ाई जा रही हैं और कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

राजस्व को सीधा नुकसान

इस खामी का नतीजा यह है कि असल बिक्री की गिनती प्रणाली में दर्ज ही नहीं हो पाती। सुबह पहले से स्कैन की गई बोतलें अलग-अलग रेट पर दिनभर बेची जाती हैं और सरकार को राजस्व में करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं इस ढिलाई ने अवैध शराब कारोबार का रास्ता भी खोल दिया है।

चन्द्रग्रहण : सूतक के बाद बंद हो गये मंदिरों के कपाट

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। चंद्रग्रहण को लेकर रविवार को दोपहर बाद सूतक लगने के बाद शहर भर के मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए। जो देर रात तक बंद ही रहे। सूतक के दौरान मंदिरों में पूजा अर्चना नहीं की गई। सभी मंदिरों के पुजारी एवं महंतों ने अखंड जाप किया। मनकामेश्वर मंदिर में दोपहर में भगवान को भोग एवं आरती के बाद कपाट बंद कर दिए गए। जो चंद्रग्रहण पूरा होने पर शुद्धिकरण के बाद सोमवार को सुबह चार बजे खुलेंगे। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के मुताबिक चंद्रग्रहण रात्रि नौ बजकर 58 मिनट से शुरू हुआ। जो रात्रि एक बजकर 26 मिनट पर समाप्त पर हुआ। चंद्रग्रहण का सूतक नौ घंटे पहले तथा सूर्यग्रहण का सूतक 12 घंटे पहले लग जाता है। रविवार को चंद्रग्रहण का सूतक दोपहर 12 बजकर 56 मिनट से शुरू हो गया। सूतक के कारण दोपहर 12 बजे आरती और भोग के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। जो सोमवार आठ सितंबर को सुबह बजे आरती के बाद खुलेंगे। रविवार शाम को कपाट बंद ही रहे। घरों में भी भक्तों ने शाम की आरती एवं पूजा नहीं की। इस दौरान कीर्तन एवं अखंड जाप किया गया। इसके अलावा जो गर्भवती महिलाएं हैं उनको गेरू लगाया गया। खासतौर पर जो गर्भवती महिलाएं हैं उन्होंने बैठकर जाप किया। चंद्रग्रहण के बाद दान पुण्य के लिए अनाज, कपड़े एवं अन्य सामान निकालकर रख दिया गया। जिसे लोग सोमवार के दिन पुण्य करेंगे।

■ देर रात तक घरों में हुए भजन कीर्तन

विधानसभा में साथ- साथ, पंचायतों में दो- दो हाथ को तैयार

निषाद पार्टी का मण्डलीय सम्मेलन दस से

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सूबे में पंचायत चुनाव भले ही अभी दूर है लेकिन लगभग सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी है। क्योंकि इस चुनाव को मिशन 2027 का सेमीफाइनल टेस्ट माना जा रहा है। सहयोगी दलों ने भी इस चुनाव में अपनी ताकत दिखाने के लिए संगठन को धार देना शुरू कर दिया है। साथ ही जातीय समीकरण के आधार पर क्षेत्र को चिन्हित करने का कार्य भी लगभग पूरा हो गया है। इस चुनाव में गठबंधन को दरकिनार कर दोस्ताना मुकाबला होने की आसार बन रहे हैं। इस तरह विधानसभा में साथ साथ लेकिन पंचायत चुनाव में दो दो हाथ करने की तैयारी भी कर ली गयी है। राजग में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी की इन दिनों खास चर्चा हो रही है। क्योंकि पार्टी मुखिया एवं प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ संजय निषाद ने दल के स्थापना दिवस पर दो टूक कहा कि यदि हमसे फायदा नहीं तो गठबंधन तोड़ लें। इसके बाद उनके पास भाजपा नेताओं के फोन घनघनाने लगे। अगले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी उनसे मुलाकात किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अमित निषाद ने बताया कि भाजपा के कुछ छुटभैया नेताओं के बयान से आहत हूं। इसे रोकने की मांग हमने भाजपा नेताओं एवं मुख्यमंत्री से किया है। पूर्व की तरह इस बार भी पंचायत चुनाव निषाद पार्टी अपने दम पर लड़ेगी। इसे लेकर मण्डलीय सम्मेलन दस सितम्बर से आरंभ हो रहे हैं। अकटूबर तक सभी मण्डलों में यह सम्मेलन कर लिये जायेंगे। इसी दौरान मण्डल एवं जिले से लेकर बूथ स्तर पर संगठन की नये सिरे से समीक्षा कर उसको मजबूत किया जायेगा। साथ ही सदस्यता अभियान को भी तेज किया जायेगा। अमित निषाद ने बताया कि निषाद समाज को अनुसूचित जाति में पुनः शामिल कराने की मांग पर आज भी कायम है। इसके लिए लगातार आंदोलन जारी है। इसके लिए हाल में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री को भी मांग पत्र देकर इसे जल्द कराने की अपील की गयी है।

231 विधानसभा क्षेत्रों में सीटें चिन्हित

पार्टी नेता अमित निषाद ने बताया कि पंचायत चुनाव में अधिकांश पदों पर बिना सिंबल के चुनाव होते हैं। ऐसे में बहुत से कार्यकर्ता इस चुनाव में उतरने के लिए होमवर्क कर रहे हैं। निषाद बाहुल 231 विधानसभा क्षेत्र चिन्हित किये गये है। इसमें जिला पंचायत सदस्य से लेकर ग्राम पंचायत सदस्य तक के पदों पर पार्टी समर्थक चुनाव लड़ेंगे। इसके लिए संगठन एवं संभावित प्रत्याशी दोनों ही तैयारी कर रहे हैं। इस तरह भाजपा एवं सहयोगी निषाद पार्टी के बीच पंचायत चुनाव में मुकाबला होने के आसार बन रहे हैं।

खुर्जा का सिरेमिक वेस्ट पार्क जुरासिक को देगा मात

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में लोकल फॉर वोकल को आत्मसात करते हुए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट के साथ ही बुलंदशहर में अनोखी दुनिया नाम से सिरेमिक वेस्ट का एक पार्क बनाया गया है। यह पार्क डिज्नी वर्ल्ड और जुरासिक पार्क को टक्कर देगा। यह दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट पार्क है, जिसे इस माह के अंत तक पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। बुलंदशहर के खुर्जा को 'सिरेमिक की राजधानी' कहा जाता है। यहां बने विश्वस्तरीय डिज़ाइन, आकार, शैली के बर्तन व उत्पाद देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। यह पार्क न केवल खुर्जा की कला और कारीगरी को प्रदर्शित करता है, बल्कि शहर को पर्यटन की दृष्टि से भी एक नया मुकाम दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। करीब 2 एकड़ में फैले इस पार्क की खासियत है कि यह पार्क में छह कलाकारों और 120 कारीगरों की टीम ने मिलकर कई महीनों की मेहनत से करीब 100 छोटी-बड़ी अनोखी कलाकृतियां तैयार की हैं। इसमें 28 बड़ी कलाकृतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। यह कलाकृतियां टूटी हुई सुराहियों, कप, केतली और अन्य बर्तनों के टुकड़ों से बनाई गईं हैं। यहां बड़े आकार के कप, केतली, सुराही और कई अन्य कलात्मक नमूने देखने को मिलेंगे, जिन्हें रंग-बिरंगे और आकर्षक अंदाज़ में सजाया गया है। पीपीपी मोड पर 5 करोड़ 86 लाख की लागत से बनकर तैयार हुआ पार्क, वेस्ट टू आर्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस पार्क को 80 टन सिरेमिक कचरे से तैयार किया गया है। इस पार्क में ग्रीनरी का भी विशेष ध्यान रखा गया है, जो हार्टिकल्चर पर आधारित है। पार्क में बच्चों के लिए कई सेल्फी प्वाइंट और एक कैफे भी बनाया गया है। यह पार्क न केवल कचरे के दोबारा उपयोग का शानदार उदाहरण है बल्कि डबल इंजन की सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' को भी गति प्रदान करेगा। पार्क में देश-विदेश से पर्यटक आएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे जिससे शहर की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

286 आईटीआई में 1.84 लाख सीटें खाली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 92 व्यवसाय संचालित हैं, जिनमें 1,84,280 सीटें उपलब्ध हैं। इन संस्थानों में 7768 अनुदेशक के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 6577 नियमित और 1191 आउटसोर्सिंग के हैं। वर्ष 2022 में रिक्त 2406 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से प्रारम्भ की गई थी, जिसके तहत 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ है। शेष 341 पदों का परिणाम भी शीघ्र घोषित होने की संभावना है। कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि बीते आठ वर्षों में 60 से अधिक नए राजकीय आईटीआई स्थापित कर संचालन प्रारम्भ कराया है। वर्तमान में 324 राजकीय आईटीआई के माध्यम से 82 ट्रेड में लगभग 1.84 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश के लगभग 3000 निजी आईटीआई में 6 लाख सीटों पर प्रशिक्षण उपलब्ध है।

न्यूक्लीयर थेरेपी से प्रोस्टेट कैंसर का कारगर इलाज

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों के लिऐं न्यूक्लीयर थेरेपी संजीवनी है। थेरेपी की दो से तीन डोज से कैंसर हारने लगता है। यह उन मरीजों के लिए है जिन पर सामान्य दवाएं काम नहीं करती हैं। यह जानकारी केजीएमयू न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग के डॉ. प्रकाश सिंह ने दी। वह न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग का दूसरे स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. प्रकाश सिंह ने बताया कि पेट स्कैन के बाद मरीज को न्यूक्लीयर थेरेपी दी जाती है। दो महीने में एक डोज देने की जरूरत पड़ती है। कुल तीन से चार डोज में मरीज को काफी राहत मिल जाती है। कई मरीजों में तो बीमारी पूरी तरह से ठीक भी हो जाती है। विशेष थेरेपी वार्ड में दे रहे इलाज विभाग की अध्यक्ष डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक 4000 से अधिक पेट सीटी स्कैन और दो हजार ज्यादा स्पेक्ट केस किए हैं। इसके अलावा विभाग में विशेष थेरेपी वार्ड भी चल रहा है। शरीर में कैंसर कितना फैला है, उसका पता लगाने में पीईटी जांच अहम है। कमांड हॉस्पिटल में न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनुराग जैन ने कहा कि कैंसर के इलाज में न्यूक्लियर मेडिसिन की तकनीक व्यक्तिगत व सटीक इलाज का नया रास्ता खोल रही है। कई मरीजों में कीमोथेरेपी समेत दूसरी दवाएं बेअसर साबित होती हैं। ऐसे मरीजों के लिए न्यूक्लीयर थेरेपी आशा की किरण है। उन्होंने बताया कि विभाग में न्यूक्लीयर थेरेपी से कई प्रोस्टेट मरीजों को नया जीवन दिया जा चुका है।

■ केजीएमयू न्यूक्लीयर मेडिसिन के स्थापना दिवस समारोह में विशेषज्ञों ने साझा किये अनुभव

शताब्दी पर ताकत का ऐहसास

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरे होने जा रहे हैं। इसलिए शताब्दी वर्ष पर संघ ने शक्ति प्रदर्शन करने की तैयारी तेज कर दी है। इसे लेकर शाखाओं में अभ्यास एवं बैठकों का दौर भी आरंभ हो गया है। वहीं देश के अधिकांश भूभाग में भाजपा का शासन देख संघ में जुड़ने वालों की होड़ लगी है। स्वयं सेवकों की बढ़ती संख्या के चलते उनके गणवेश यानी ड्रेस की बाजारों में किल्लत बढ़ी गयी है। ड्रेस के लिए उन्हें प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक हिंदू, राष्ट्रवादी, अर्धसैनिक संगठन है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण तथा हिंदुओं को एकजुट करना है। इसकी स्थापना 27 सितम्बर 1925 को नागपुर में डॉ केशव बलिराम हेडगवार ने महज 17 लोगों की टोली के साथ किया था। हालाकि इस संगठन का नामकरण करीब एक साल बाद किया गया। इसे बोल चाल की भाषा में आरएसएस एवं संघ भी कहते हैं। संघ ने इन सौ वर्षों में देश भर में करीब 75 लाख शाखाएं खड़ी की जिससे लगभग तीन करोड़ स्वयं सेवक जुड़े हैं। बीते एक दशक में संघ का काफी विस्तार हुआ । हालत यह है कि आज इतने स्वयं सेवक हो गये हैं कि उनके गणवेश बाजारों में कम पड़ गये हैं। महीनों प्रतीक्षा के बाद कहीं उन्हें गण्वेश मिल पा रहा है। साथ ही संघ अपने स्वयं सेवकों के लिए वर्ष में कई बार प्रशिक्षण शिविर भी लगाता है, जिसके अलग अलग नाम भी तय किये गये है। वहीं सौ साल पूरे होने पर संघ भी अपनी ताकत का ऐहसास कराने के शक्ति प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। सितम्बर से जनवरी 2026 तक संघ ने हर गांव, हर बस्ती एवं हर घर तक पहुंचने की रणनीति पर कार्य करना भी आरंभ कर दिया है। हर शाखा के लिए पथ सचंलन की भी अलग अलग तारीख तय की जा रही है। साथ ही मण्डल, नगर, एवं बस्तियों में करीब एक लाख हिंदू सम्मेलन भी आयोजित करने की तैयारी है। इसके अलावा संघ के मुख्य कार्यक्रम गुरु पूर्णिमा पर गुरु दक्षिणा, रक्षा बंधन, विजय दशमी, होलिकोत्सव आदि को भी इस बार भव्यता के साथ मनाये जायेंगे। सेवा कार्यो को भी विस्तार देने का खाका तैयार किया जा रहा है। इन सभी आयोजनों में राष्ट्र निर्माण का संकल्प भी दिलाया जायेगा।

सत्तासीन भाजपा का मातृ संगठन संघ ही है। संघ के अनुसांगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, किसान संघ, क्रीड़ा भारती, संस्कार भारती, दुर्गा वाहिनी, सहित कई अन्य शाखाएं हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा 75 साल पर रिटायरमेंट को लेकर दिये गये बयान की इन दिनों खासी चर्चा हो रही है। जबकि पूर्व में उन्होंने बाजू वाले को मौका देने की बात कही थी। इसके अलावा राम मंदिर निर्माण के बाद अब किसी मंदिर के लिए आंदोलन न करने, हिंदुओं को 3 बच्चे पैदा करने, संविधान से समाजवादी एवं धर्म निरपेक्ष शब्द को हटाने तथा आरक्षण को लेकर दिये गये बयानों की खासी चर्चा हुई। संघ के कई स्वयं सेवकों ने प्रधानमंत्री तक का सफर तय किया। पीएम नरेन्द्र मोदी भी संघ के प्रचारक रह चुके हैं। इस तरह भाजपा के ग्रीन कार्पेट बिछाने का कार्य भी संघ करता है, इसीलिए संघ की धाक दिनों दिन बढ़ रही है।

– राजेश सिंह

नजरिया

पीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित पीईटी (प्रारंभिक योग्यता परीक्षा) का दूसरा व अंतिम दिन भी शांतिपूर्ण और सख्ती के साथ संपन्न हुआ। इसमें इस बार आयोग ने विशेष प्रतिक्रियाशीलता दिखाई। रविवार को प्रदेश के 91 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था में विशेष कड़ाई बरती गई, खासकर पहले दिन पकड़े गए नौ सॉल्वरों के बाद इस उपाय को और प्रभावी बनाया गया। परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ी जांच की गई। महिलाओं को विशेष ध्यान देते हुए उनके जूड़े, पायल, बालियाँ आदि तक जांच करवाई गई। कैंपस में प्रवेश केवल मेटल डिटेक्टर जांच और पहचान पत्र मिलान के बाद ही दी गई, जिससे किसी प्रकार की शार्टकट या धोखाधड़ी की गुंजाइश न रहे। दूसरी पाली के बाद प्राप्त प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रहीं। कई अभ्यर्थियों ने पेपर को सरल बताया, जबकि कुछ ने इसे कठिन करार दिया। एक पहलू यह भी सामने आया कि जो अभ्यर्थी पर्याप्त तैयारी के साथ परीक्षा में पहुंचे, उन्हें बेहतर परिणाम की उम्मीद है और यह धारणा बनी हुई है कि जो तैयारी करेंगे, उन्हीं के नंबर अच्छे आएंगे। वहीं अभ्यर्थियों की उपस्थिति पहले पाली में 83 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि दूसरी पाली में यह आंकड़ा 82 प्रतिशत रहा। दोनों ही पाली में अच्छी उपस्थिति दर दर्शायी गई।

समय से पहले बुढ़ापा दे रहा वायु प्रदूषण : सूर्यकांत

केजीएमयू में स्वच्छ वायु और स्वस्थ आयु के लिए वॉकथॉन

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। वायु प्रदूषण फेफड़ों को तो प्रभावित कर ही रहा है बल्कि यह असमय बुढ़ापा भी ला रहा है। इतना ही नहीं सीओपीडी, फेफड़ों का कैंसर, निमोनिया, टीबी, हृदय रोग एवं मस्तिष्क संबंधी विकारों को भी बढ़ा रहा है। यह बात डॉ. सूर्य कान्त, विभागाध्यक्ष, श्वसन रोग विभाग, केजीएमयू ने कही। वह रविवार को लंग केयर फाउंडेशन तथा डॉक्टर्स फॉर क्लीन एयर एंड क्लाइमेट एक्शन के सहयोग से स्वच्छ वायु वॉकथॉन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। सूर्यकांत ने कहा कि वायु प्रदूषण में प्रदूषक तत्व जैसे पीएम 2.5, पीएम 10, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओजोन श्वसन रोगों के साथ-साथ त्वचा की समय से पहले झुर्रियां, स्मरण शक्ति में कमी, और जीवन प्रत्याशा को घटाने जैसे प्रभाव भी डालते हैं। भारत में वायु प्रदूषण जनित बीमारियों का बढ़ता बोझ हम सबके लिए चेतावनी है और इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। वॉकथॉन का आयोजन डॉ. सूर्य कान्त, विभागाध्यक्ष, श्वसन रोग विभाग, केजीएमयू तथा नेशनल कोर कमेटी सदस्य, डॉक्टर्स फॉर क्लीन एयर एंड क्लाइमेट एक्शन ने किया। कार्यक्रम में चिकित्सकों, मेडिकल विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वायु प्रदूषण के विरुद्ध एकजुट होकर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. अंकित कुमार, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. शिवम श्रीवास्तव, डॉ. प्रकृति मिश्रा, देवयानी गुप्ता, नवीन पांडेय स्टेट कोऑर्डिनेटर, उत्तर प्रदेश लंग केयर फाउंडेशन, प्रीति कान्त, सुर्याति एवं रेपांशी भी उपस्थित रहे।

टीईटी की अनिवार्यता से बेसिक शिक्षकों में बेचैनी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। टीईटी की अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने प्रदेश के बेसिक शिक्षकों के बीच गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। करीब साढ़े चार लाख शिक्षक इस निर्णय से सीधे प्रभावित हो रहे हैं और अब उनके सामने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, शिक्षकों को दो साल के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा, अन्यथा उन्हें सेवा से अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। इस आदेश के खिलाफशिक्षक संगठनों में जबरदस्त आक्रोश है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इसे शिक्षक विरोधी और अमानवीय करार देते हुए आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। संगठन का कहना है कि नियुक्तियों के समय सरकार ने जो भी शैक्षिक योग्यताएं तय कीं, उन्हें पूरा करने के बाद ही शिक्षक बने हैं। ऐसे में 20-25 साल सेवा देने के बाद अब नई योग्यता थोपना सीधा-सीधा अन्याय है।

■ आरपार की लड़ाई के लिए तैयार

प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी– सात सितंबर को संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई, जिसमें केंद्र सरकार पर हस्तक्षेप के लिए दबाव बनाने की रणनीति तय की गई। बैठक में शामिल सभी जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों से बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि यदि सरकार ने मांगें नहीं मानीं तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर अचानक टीईटी की अनिवार्यता लागू करना न सिर्फ अनुचित है बल्कि यह उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है।

काला कानून बताकर जताया विरोध– डॉ. शर्मा का कहना है कि 23 अगस्त 2010 की एनसीटीई की गाइडलाइन में संशोधन करके शिक्षकों के साथ धोखा किया गया। इस संशोधन के आधार पर ही सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने 25-30 साल पहले निर्धारित योग्यता पर नौकरी पाई, उन्हें अब नई शर्तें मानने के लिए मजबूर करना किसी भी लिहाज से न्यायोचित नहीं है। इसे काला कानून करार देते हुए उन्होंने कहा कि संगठन इस लड़ाई को अंत तक लड़ेगा।

बढ़ रहा दबाव, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग–अब शिक्षक संगठन प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। ज्ञापन और प्रदर्शन के जरिए यह दबाव बढ़ाया जाएगा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला मानवीय आधार पर वापस लिया जाए और एनसीटीई की संशोधित गाइडलाइन रद्द की जाए। इस पूरे मामले ने प्रदेश भर के शिक्षकों को आंदोलित कर दिया है और आने वाले दिनों में बड़े विरोध-प्रदर्शनों की आशंका है। अगर केंद्र और राज्य सरकार ने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया तो यह विवाद देशव्यापी शिक्षक आंदोलन का रूप ले सकता है।

आरटीई एक्ट का उल्लंघन

विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराते हुए कहा है कि यह आरटीई एक्ट का सीधा उल्लंघन है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि कानून में स्पष्ट है कि 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता नहीं होगी। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय का आदेश शिक्षकों के लिए असहनीय बोझ है।

20-25 साल बाद अचानक खतरा

प्रांतीय महासचिव दिलीप चौहान ने कहा कि 20 से 25 साल की सेवा के बाद यह कहना कि बिना टीईटी के नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा, शिक्षकों और उनके परिवारों के साथ क्रूर मजाक है। उनका कहना है कि यह निर्णय लाखों परिवारों की आजीविका और सुरक्षा को संकट में डाल देगा।

10 को शिक्षक जिलाधिकारियों को देंगे ज्ञापन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग को लेकर आंदोलन की घोषणा कर दी है। इस संबंध में संघ ने अपने प्रदेशीय पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और मंत्रियों को निर्देश जारी करते हुए 10 सितंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन देने का कार्यक्रम तय किया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने कहा कि लाखों शिक्षक-शिक्षिकाओं के भविष्य की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संगठन प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी की अनिवार्यता के संबंध में दिए गए आदेश को मानवीय आधार पर वापस लिए जाने की अपील की जाएगी। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। सुशील कुमार पांडे ने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति विभिन्न निर्धारित योग्यताओं को पूरा करते हुए हुई है और सेवाकाल के अंतिम वर्षों में टीईटी की बाध्यता लागू कर देना शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। इसलिए इस अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग उठाई जाएगी।

■ पीएम, सीएम, केंद्र व राज्य के शिक्षा मंत्रियों से टीईटी को वापस लेने की करेंगे मांग

स्वतंत्र भारत

आजाद ने सरकार से उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने की मांग उठाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में सिर्फ अगस्त महीने में लड़कियों के

-अंबेडकर नगर में एक महीने के भीतर ५६ बेटियों का अपहरण

अपहरण के 56 मुकदमें अलग-अलग थानों में दर्ज हुए हैं। जबकि कई अन्य मामलों में परिजनों ने लोक लाज के डर से मुकदमे ही नहीं लिखवाए। वहीं एक महीने में दर्ज इतने मुकदमों से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। वहीं अब इस मामले को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष

और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी योगी सरकार से तीखे सवाल पूछ डाले।

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक्स पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश के जिला अंबेडकर नगर में सिर्फ एक महीने के भीतर 56 बेटियों का अपहरण होना अत्यंत भयावह और शर्मनाक है। इनमें अधिकांश दलित-पिछड़े और कमजोर वर्ग से आती हैं। यह कोई सामान्य अपराध नहीं, बल्कि एक संगठित षड्यंत्र और प्रदेश सरकार की पूरी विफलता का प्रमाण है। जिले के 18 थानों में दर्ज इन 56 मुकदमों के अलावा अपहरण से पीड़ित दर्जनों परिवार ऐसे भी हैं, जो डर और लोक लाज के कारण शिकायत तक नहीं कर पाए। सबसे चिंताजनक और शर्मनाक पहलू यह है कि कई मामलों में पुलिस ने पीड़ित परिवारों की गुहार के बावजूद एफआईआर तक दर्ज नहीं की। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि अपराधियों को खुली छूट देने जैसा है। चंद्रशेखर आजाद ने योगी सरकार से चार मांगे की हैं। इनमें से पहली मांग यह है कि सभी अपहरण मामलों की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए। दूसरी मांग यह है कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो और संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया जाए। इसी तरह तीसरी मांग यह है कि पीड़ित परिवारों को न्याय, सुरक्षा और मुआवज़ा दिया जाए। इसके साथ चौथी मांग यह है कि सबसे पहले उन पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए, जिन्होंने शिकायत दर्ज करने से इंकार कर पीड़ित परिवारों को निराश किया।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि यह अपराध नहीं, बल्कि बेटियों की अस्मिता पर सीधा हमला है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं इस मामले पर अंबेडकर नगर के एसपी केशव कुमार ने कहा कि जो मुकदमे पंजीकृत हुए हैं। उनमें से एक माह के अंदर में 49 लड़कियों की सकुशल बरामदगी कर ली गई है। इनमें से अधिकतम जो प्रकरण हैं, वह प्रेम प्रसंग के प्रकरण हैं। जिनमें से 49 लड़कियों की बरामदगी कर ली गई है। पांच प्रकरण ऐसे हैं जो दो अलग-अलग धर्मों से संबंधित हैं, जो अभियुक्त हैं। उनके विरुद्ध नियमानुसार सबूतों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा चुकी है।

बीजेपी को सुधारवादी रवैया अपनाने की जरूरत

बसपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मायावती ने की बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को लखनऊ में बसपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में मायावती ने पार्टी संगठन के गठन और पार्टी के जनाधार को जमीनी स्तर पर बढ़ाने के लिए जिला से लेकर बूथ की कमेटी के गठन को लेकर चलाये गये अभियान की गहन समीक्षा की। इस बैठक में मायावती ने अमेरिका द्वारा थोपे गये भारी भरकम 50 प्रतिशत ट्रम्प टैरिफ के आतंक से उभरी नई चुनौतियों का

जिक्र करते हुए कहा कि इससे सही से निपटने के लिए खासकर भारत व सत्ताधारी पार्टी बीजेपी को व्यापक जन व देशहित का ध्यान रखते हुये अपनी नीतियों व कार्यक्रमों में ठोस व भारी सुधारवादी रवैया अपनाने की जरूरत है। वरना देश के विशाल बहुजनों की गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा, घरों से दूर पलायन की विवशता आदि की समस्यायें और भी जटिल होकर देश के मान-सम्मान को भी दुनिया में प्रभावित करेंगी, जिससे बचना बहुत जरूरी है। इस दौरान मायावती ने यूपी सहित दूसरे राज्यों में भी विभिन्न धर्मों के पूजास्थलों और उनके संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि का निरादर करके सामाजिक, साम्प्रदायिक और राजनीतिक हालात बिगाड़ने के षडयंत्र पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

नई दिल्ली-दरभंगा २९ सितंबर से

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्योहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 04450/04449 नई दिल्ली-दरभंगा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन नई दिल्ली से 29 सितंबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन तथा दरभंगा से 30 सितम्बर से 1 दिसम्बर, 2025 तक प्रतिदिन 63 फेरों के लिये किया जायेगा। 04450 नई दिल्ली-दरभंगा पूजा विशेष गाड़ी 29 सितंबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 15.10 बजे प्रस्थान कर गाज़ियाबाद से दरभंगा 16.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04449 दरभंगा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी 30 सितंबर से 1 दिसंबर तक प्रतिदिन दरभंगा से 18.15 बजे प्रस्थान कर नई दिल्ली 23.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 10, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 6 तथा एस.एल.आर. के 2 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

आप की पहचान राजनीति से नहीं काम से है

सरकार ने तालाब में पहुंचाया बीकेटी क्षेत्र का विकास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी ने अपने संगठन विस्तार के तहत बख्शी का तालाब में रविवार को आप यूपी सह प्रभारी दिलीप पाण्डेय व निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह की मौजूदगी में विधानसभा स्तर की कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर दिलीप पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में

चल रही भाजपा सरकार में न केवल बीकेटी विधानसभा क्षेत्र का विकास तालाब में चला गया है, बल्कि इस क्षेत्र से भाजपा के सांसद और विधायक भी पांच साल इस तालाब में छिपे रहते हैं। अगर क्षेत्र की जनता को बीकेटी में अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, बेहतर शिक्षा और आम आदमी के लिए मुफ्त इलाज, महिलाओं को बस की मुफ्त यात्रा चाहिए तो आने वाले चुनाव में झाड़ू चलानी होगी। दिलीप पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में फैली राजनीतिक गंदगी की सफाई केवल आम आदमी पार्टी की झाड़ू से ही की जा सकती है।

इस मौके पर निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि अकेली आम आदमी पार्टी ही है जो उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को बंद करने के फैसले के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। और यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक इस क्षेत्र के बंद हुए सभी स्कूल फिर से खुल नहीं जाते हैं। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया की बक्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र की हर छोटी बड़ी समस्या को आम आदमी पार्टी मजबूती के साथ उठाने का काम करेगी। सभाजीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पहचान जाति और धर्म की राजनीति से नहीं बल्कि काम की राजनीति से है। इसी काम की राजनीति के तहत बक्शी का तालाब विधानसभा के लोगों की बुनियादी समस्याओं के लिए आम आदमी पार्टी मिलकर संघर्ष करने का काम करेगी।

इस दौरान संगठन निर्माण प्रभारी प्रिंस सोनी ने कहा कि आने वाले दिनों में बीकेटी विधानसभा में विधानसभा स्तर से लेकर बूथ स्तर तक एक सशक्त और जीवंत संगठन खड़ा किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संगठन केवल नाम भर का नहीं होगा, बल्कि बीकेटी की जनता की असली आवाज़ बनेगा। जनहित के बुनियादी मुद्दे जैसे फ्री बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और महिला सुरक्षा पर संघर्ष ही संगठन का मूल धर्म होगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का संगठन न तो किसी दबाव में झुकेगा और न ही सत्ता के अन्याय के आगे रुकेगा, बल्कि प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में पूरी ताक़त से सरकार से लोहा लेकर जनता के अधिकार की लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी योगी सरकार द्वारा बीकेटी में बंद किए गए सभी सरकारी स्कूलों को खुलवाने का काम करेगी।

हाइड्रो इलेक्ट्रिक इम्पलाईज यूनियन के महामंत्री बने पीके दीक्षित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। हाइड्रो इलेक्ट्रिक इम्पलाईज यूनियन उप्र (इंटक) की केंद्रीय कार्य कारिणी की बैठक संगठन भवन स्व. राजा राम मिश्रा स्मृति भवन, 20- ए रीजेन्सी टॉवर शिवाजी मार्ग लखनऊ में उपाध्यक्ष वीके त्रिवेदी की अध्यक्षता एवं महामंत्री श्रीपाल यादव के संचालन में सम्पन्न हुई, जिसमें

विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों व सदस्यों ने भाग लिया। इसके उपरांत 13 जुलाई को संगठन भवन में हुई घोषणा के अनुसार 81 वें वार्षिक सम्मेलन प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्व सम्मति से आगरा के वरिष्ठ नेता सुमन प्रकाश मिश्रा को चुनाव अधिकारी तथा छैल बिहारी श्रीवास्तव को उप चुनाव अधिकारी घोषित किया गया। पूर्व रजिस्टर अध्यक्ष राम चरण सिंह अपनी अत्याधिक गंभीर अस्वस्थता के कारण अपना कार्यभार राम निवास त्यागी उपाध्यक्ष को सौंप चुके थे, के न आने से संगठन का कार्य बाधित न हो सर्व सम्मति/बहुमत से केके शर्मा को संगठन के वर्ष 2025-2026 के लिए केंद्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान प्रमुख महामन्त्री को पुनः प्रमुख महामन्त्री घोषित किया गया।

निष्काम कर्म ही योग है : डा. निष्ठा

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। आर्य समाज कैंट में शिक्षक दिवस के उपलक्ष में भारी संख्या में एकत्रित होकर यज्ञ में आहुतियां प्रदान की। यज्ञ का महत्व वेदाचार्य डॉक्टर निष्ठा विद्यालंकार ने किया तथा यज्ञ की मुख्य यजमान सुषमा गुप्ता रहे। जिन्होंने मंत्री स्वर्गीय सच्चिदानंद गुप्ता की आठवीं पुण्यतिथि पर ब्रह्मा अंजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नृपानन्द, निर्भय यादव, मंजू कुमारी, आशालता, वैद्या-वी गुप्ता, रीना गुप्त, कुमुद कुमारी, रवींद्र आर्य, डॉ. आर्य, विजय, सोमन व गीता गुप्ता समेत कई लोग उपस्थित रहे।

सिलाई कढ़ाई सीख रहे बच्चे हुए सम्मानित

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। गुल फाउंडेशन में निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 40 छात्राओं को आज सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिसमें मौजूद रही गुल फाउंडेशन की अध्यक्ष गुलेराना सईद व समस्त टीम मेंबर। आपको बता दें गुल फाउंडेशन कई वर्षों से महिला बाल विकास व शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही है संस्था समय-समय पर निशुल्क राशन वितरण व स्वास्थ्य एवं सिलाई सेंटर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता करती आ रही है। सिलाई में उत्तीर्ण छात्राओं को संस्था ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सभी छात्राएं अपने-अपने माता-पिता के साथ पहुंची सिलाई सीख कर वह आत्मनिर्भर बन सकेंगे वहीं संस्था की अध्यक्ष ने बताया की महिलाओं और लड़कियों को ही पढ़ाना सीखाना उद्देश्य उसके लिए कुछ भी करना हो करेंगे।

महाप्रबंधक ने दिए सुधार के निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने शनिवार को रात्रि में गोरखपुर जं. स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर बने अस्थाई यात्री होल्डिंग एरिया, पार्किंग स्थल तथा प्लेटफॉर्मों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने एस्केलेटर, साइनेजेज एवं स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बोरवणकर ने संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये यात्री सुविधाओं को बेहतर करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये। महाप्रबंधक ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर चल रही निर्माण परियोजनाओं का भी अवलोकन किया और सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पूजा विशेष गाड़ी गोमती नगर से 27 को

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्योहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 05325/

05326 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 27 सितंबर से 1 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 28 सितंबर से 2 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को 6 फेरों के लिये किया जायेगा। 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितंबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 4.03 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 5.50 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05326 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितंबर से 2 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 7.55 बजे प्रस्थान कर गोमती नगर 10.45 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में जीएसएलआरडी के 2, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 6, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 3, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का1 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाए जाएंगे।

६वीं गतका यूपी स्टेट चैम्पियनशिप सम्पन्न

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र में 6-7 सितंबर को 6वीं गतका यूपी स्टेट चैम्पियनशिप आयोजित हुई। मुख्य अतिथि श्री अमील शम्सी (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, उ.प्र.) और विशिष्ट अतिथि श्री इसरार अहमद (कार्यालय प्रभारी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा) रहे। समापन के मुख्य अतिथि श्री अजीत कुमार पांडेय (प्रबंधक, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, बभनान बस्ती) रहे। प्रतियोगिता में 30 जिलों के 275 खिलाड़ियों व 50 रेफरी ने भाग लिया। वाराणसी प्रथम, गोण्डा द्वितीय और बुलंदशहर तृतीय स्थान पर रहे। गतका एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह व महासचिव स्निग्धा सिंह ने प्रतिभागियों का आभार जताया। इस अवसर पर दिलीप सिंह, हरकेश सिंह, करुणेश मणि पाठक, पुनीत मनीषी, प्रेम सिंह, गौरव राजपूत, रोहित पाल, इमरान खान, वीर सिंह, राम सिंह, जसलीन कौर, अवनीश गौतम और संजीवन सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

हाइवे पार कर रहे युवक को वाहन ने रौंदा, मौत

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। माल थाना क्षेत्र स्थित हरदोई हाइवे को पार कर रहे एक युवक को शनिवार की देर शाम अज्ञात वाहन ने रौंद दिया वाहन चालक वहां से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसको ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज से वाहन का पता लगा रही है। पुलिस के मुताबिक माल थाना क्षेत्र के मवई खुर्द गांव निवासी 26 वर्षीय भागीरथ दिल्ली में काम करता था। वह इन दिनों अपने घर आया था। शनिवार को डिलीवरी के लिए उसने पत्नी लक्ष्मी को रहीमाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। यहीं शाम को वह लखनऊ-हरदोई हाइवे पार कर खाना खाने जा रहा था।

धूमधाम से मनाया गया विश्व फिजियोथैरेपी दिवस

स्वतंत्र भारत चिनहट। विश्व फिजियोथैरेपी दिवस पर द इंडियन एसोसिएशन का फिजियोथैरेपिस्ट डे कार्यक्रम(वॉकथन)आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आयोजित दौड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खालसा विश्व एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोगिंदर सिंह खालसा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने फिजियोथैरेपिस्ट को समाज को सुदृढ़ रखने में एवं शारीरिक सुदृढ़ता का प्रमुख तंत्र बताया साथ ही दौड़

कार्यक्रम में भाग लिया इस कार्यक्रम में डॉ उपेंद्र शर्मा समेत सैकड़ो की संख्या में फिजियोथैरेपिस्ट उपस्थित रहे।

साईं बाजार वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष चुने गए मानवेंद्र

स्वतंत्र भारत चिनहट। राजधानी के चिनहट क्षेत्र अंतर्गत साइन बाजार वेलफेयर सोसाइटी का चुनाव धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें लोगों ने अपना मतदान किया निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह बघेल÷ सचिव मो हारून , कोषाध्यक्ष शिवम टंडन उपाध्यक्ष राहुल सिंह कार्यकारणी सदस्यों के नाम प्रदीप ओझा, , यूसुफ अली,मो इरशाद, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया

और कहा कि सोसाइटी का विकास, व्यापारी हितों की रक्षा और पारदर्शिता ही कार्यकारिणी की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

आदि मां गोमती आरती भव्यता से की गयी

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। आज दिनांक 07 सितंबर 2025 को शिव मंदिर घाट नियर बैरल नम्बर-2 बन्धा रोड शिव नगर खदरा में भाद्रपद मास की पूर्णिमा पर प्रत्येक माह की भांति गोमती आरती संयोजिका श्रीमती शोभा द्विवेदी, श्रीमती अन्जू यादव, श्रीमती प्रीति तिवारी, श्रीमती अमृता पाण्डे के संयोजन में गोमती आरती भव्यता से की गयी। उक्त आयोजन में चन्द्र ग्रहण पर चन्द्रमा भगवान की कुशलता के लिए गोमती माता से प्रार्थना की व सभी भक्तजन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की गयी। आरती में ओम ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय द्विवेदी, छठ पूजा एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति के कोषाध्यक्ष हीरालाल यादव, प्रचार मंत्री दिलीप सिंह, विनोद मिश्रा, पंकज बाजपेई, व राजीव मौर्य के साथ काफी संख्या में भक्तजन उपस्थित होकर गोमती आरती कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल-अयोध्या।
पता :-बड़ा रमना, रीडगंज, अयोध्या।।

पत्रांक-1697 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्रा0 / पत्रा0सं0-679 / अनु0सहा0 / 2025-26 / दिनांक 02.09.2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल अयोध्या के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए.वी.एवं सी श्रेणी पंजीकृत निविदादाताओं से *ई-टेण्डरिंग* के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। *बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा।* निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1 कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् है:-

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (ई0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य अथवा निविदा फीस जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
संतुलित क्षेत्रीय विकास पूर्वान्चल निधि योजना (तृतीय काल)						
1	अम्बेडकरनगर	बेलवरिया परवरभारी वि०ख० भीटी पिचमार्ग से पाल वस्ती होकर सभा तक लेपन कार्य।	41.72	0.84	2000.00+300.00+54.00=2354.00	6 Month
2	अम्बेडकरनगर	कुम्भापुर (अटवाई) वि०ख० कटेहरी से नामियहया होकर अज्ञाराम के घर तक लेपन कार्य एवं पुलिया निर्माण।	65.55	1.32	2000.00+300.00+54.00=2354.00	9 Month
3	अम्बेडकरनगर	विकास खण्ड रामनगर के ग्राम-संदाहा में गोहम्मद अहमद के खेत से जंगेजखां का घर होते हुए सिराजुद्दीन के खेत तक सी0सी0 रोड का निर्माण पिच कार्य।	39.56	0.80	2000.00+300.00+54.00=2354.00	6 Month

2 वैब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि:- 10.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे।
3 बिड डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारंभ करने की तिथि एवं समय:- 10.09.2025 को प्रातः 12.00 बजे।
4 प्रि बिड मीटिंग की तिथि एवं समय:- 11.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे।
5 ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि / समय:- 10.09.2025 को प्रातः 12:00 बजे से।
6 ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समय:- 17.09..2025 को दोपहर 12:00 बजे तक।
7 ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय:- 17.09..2025 को अपरान्ह 12:30 बजे।
8 टेण्डर प्रकिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
9 निविदा आन-लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.inपर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
10 निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-10 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट https://etender.up.nic.inपर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भाँति पढ़ लें।

(के0 के0 मिश्रा)
अधीक्षण अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल-अयोध्या।
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

उ0प्र0 237502 दिनांक- 04.09.2025
Web.: www.upidadv.gov.in

एफ0 सी0 जे0 फार्म नं0 33 भाग, 7 हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी महोदय स्थान लखीमपुर, जिला खीरी
वाद सं0-802/2024 कंप्यूटरीकृत वाद सं0-डी202410430002602 अं0 धारा-116 उ0प्र0रा0सं0 ग्राम मुड़ियाखेड़ा, परगना व जिला खीरी
तारीख पेशी - 08.09.2025
राम प्रसाद
बनाम
विजय कुमार आदि

1. चन्द्रकुमार पुत्र रामप्रसाद निवासी मुड़िया खेड़, परगना व जिला खीरी
2. अनिल कुमार, 3. अजय कुमार, 4. प्रदीप कुमार, 5. संतोष कुमार पुत्रगण रामप्रसाद निवासीगण मो0 द्वारिकापुरी, शहर व तहसील लखीमपुर, परगना व जिला खीरी
6. नाम नामालूम बेवा रामप्रसाद

चूँकि उपरोक्त नामित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि बाजदायर प्रार्थना पत्र अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2025 के 09-08 दिवस को 10:30 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज 2025 के 09-08 दिवस को निकाली गयी।

न्यायाधीश
न्यायालय श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी महोदय, लखीमपुर-खीरी।

सी.आर.-1228/D-CN

स्वतंत्र भारत **वर्गीकृत**

सूचना
मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटिवश गुरमख सिंह अंकित हो गया है जबकि सही नाम गुरमुख सिंह है। गुरमुख सिंह पुत्र श्री गुरपाल सिंह निवासी गाँव ऐंठापुर, पोस्ट बरखेरवा, जिला लखीमपुर-खीरी।
सी.आर.-1228/D-27

सूचना
मेरा हाईस्कूल वर्ष 2015 व्यक्तिगत का अंकपत्र सह प्रमाण जिसका अनुक्रमांक 4078634 वास्तव में कहीं खो गया है। पता- सत्यम तिवारी पुत्र धर्मराज तिवारी ग्राम व पो. अमानीगंज जनपद अयोध्या।
सी.आर.-1227/D-25

देह व्यापार में दो महिला समेत 6 गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी थाने की पुलिस ने रविवार को अनैतिक देह व्यापार का खुलासा करते हुए दो महिलाओं समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार का अनैतिक कारोबार किया जा रहा था। गिरफ्तार सभी लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा रहा है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि अनैतिक देह व्यापार के कारोबार में गिरफ्तार आरोपित में बिहार, बेगूसराय जनपद के महेन्द्रपुर थाना व गांव निवासी कंचन देवी पत्नी राहुल कुमार, पश्चिम बंगाल, नदिया जिले के रानाघाट थाना व गांव निवासी शोभारानी मण्डल उर्फ सपना पत्नी मनोज मण्डल है। जो नैनी में किराए का कमरा लेकर मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार का कारोबार करती है। इस कारोबार में गिरफ्तार चित्रकूट जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के पचौखर गांव निवासी अशोक कुमार शुक्ला पुत्र राजबहादुर शुक्ला , मेरठ जिले के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के सौदत्त गांव निवासी आमिर पुत्र सगीर, प्रयागराज के कोरांव थाना क्षेत्र के अयोध्या गांव निवासी इंगलेश कुमार पुत्र विजय शंकर पाण्डेय, प्रयागराज मेजा रोड कठौली गांव निवासी संतोष कुमार पुत्र स्वर्गीय पंचईराम है। पुलिस टीम ने अनैतिक देह व्यापार से अर्जित 6640 रुपए और 6 मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि हम लोग इसी मकान में अनैतिक देह व्यापार का धन्धा करते है। जिसमें ग्राहकों से मिले रूपयों को आधा-आधा कर संचालक एवं मकान मालिक व महिला कर्मी आपस में बांट लेते हैं। जिस मकान में यह अनैतिक कारोबार चल रहा था। उस मकान का केयर टेकर संतोष कुमार पुत्र स्वर्गीय पचईराम और अशोक कुमार शुक्ला पुत्र राजबहादुर शुक्ला तथा अनुज जायसवाल पुत्र रामबाबू जायसवाल निवासी थाना कुन्डा प्रतापगढ़ ने हम लोगों को मसाज कराने के नाम पर हमें कर्मचारी के रूप में रखें हैं। लेकिन सत्य यह है कि मसाज के साथ साथ हम लोग ग्राहकों के साथ देह व्यापार का भी कार्य करते हैं। ग्राहक द्वारा मसाज के लिए जो पैसा दिया जाता है वह सम्पूर्ण पैसा संतोष कुमार तथा अशोक कुमार एवं अनुज जायसवाल ले लेते हैं, इसमें से कुछ पैसा हम लोगों को दे देते हैं।अभियुक्त संतोष कुमार से मकान के सम्बन्ध में पूछा गया तो बताया कि यह मकान मेरे जीजा हिमांशु कुमार का है, इसकी देखरेख मेरे द्वारा की जाती है । मेरे द्वारा देह व्यापार के लिए अशोक कुमार शुक्ला एवं अनुज जायसवाल उपरोक्त को दे दिया गया है। हम तीनों मिलकर देह व्यापार कराकर रुपये कमा लेते हैं। महिलाओं एंव लड़कियों को भी विभिन्न माध्यम से हम सभी लोग मिलकर के इस कार्य को करने हेतु प्रलोभन देते हैं। पैसे का लालच दिखाकर उत्प्रेरित करते है, जो भी सार्वजनिक स्थान, सत्संग भवन, अस्पताल व विद्यालय के आस-पास, जो भोले-भाले व्यक्ति आते है, उनको लुभाकर यहाँ पर ले आते है।

ऑनलाइन सेक्स रैकेट मामले में दो गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद में थाना एका पुलिस टीम ने रविवार को ऑनलाइन सेक्स रैकेट चलाने वाले दो अन्तरराज्यीय शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस रैकेट से जुड़े अन्य साथियों की तलाश कर रही है।अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) त्रिगुण बिसेन ने बताया कि थाना एका क्षेत्र में काफी दिनों से ऑनलाइन सेक्स रैकेट चलाने की सूचनाएं पुलिस को मिल रही थी। मामले को गंभीरता से लेकर थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ रविवार को दो अभियुक्तों को नगला धारू नहर पटरी से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सिंहपुर उडेसर निवासी गुलशन और रोहित कुमार के रूप में हुई हैं।उन्होंने बताया कि अभियुक्तगण ऑनलाइन गूगल प्लेटफार्म पर सेक्स वेबसाईटों के माध्यम से ऑनलाइन कस्टमर को उनकी सुविधानुसार महिलाओं व लड़कियों की फोटो भेजकर सेक्स रैकेट चलाकर उनका आर्थिक लाभ कमा रहे हैं। इसमें यह लोग कस्टमर से एडवांस पैसे डलवा कर लड़कियों को उनके बताए स्थान पर वाहन से पहुंचाते हैं। अभियुक्तों के कब्जे से एक कार व सेक्स रैकेट को चलाने में प्रयुक्त छह एन्ड्रॉयड मोबाइल फोन व ऑनलाइन पेमेन्ट को रिसीव करने में इस्तेमाल किये गये अकाउंट के छह एटीएम कार्ड व डराने धमकाने में प्रयुक्त असलाह मय कारतूस बरामद किया हैं।एएसपी ने बताया कि गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना एका पर मुकदमा दर्ज कर दोनों अभियुक्तों को जेल भेजा गया है। साथ ही गैंग के अन्य लोगों की जानकारी कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

दादा-पोते पर गाय ने हमलाकर किया घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ में मोहल्ले में घूमते आवारा पशु अब बच्चों पर भी अटैक कर रहे हैं खाला बाजार के खजुहा मोहल्ले में 4 साल के बच्चे पर घूम रही गाय ने अटैक कर दिया। इस दौरान बच्चे के दादा भी उसके साथ थे। बचाने की कोशिश में वह बच्चे के ऊपर गिर गए। इसके बाद उस गाय ने दादा पर कई बार सींग मारे।

जानकारी के मुताबिक खजुहा मोहल्ले के 58 वर्षीय विजय रस्तोगी अपने 4 वर्षीय पोते के साथ टहलने निकले थे। बच्चा स्केटर चला रहा था स्केटर की आवाज सुनकर आगे चल रही सफेद गाय पीछे घूमी और बच्चे को गिरा दिया धक्का लगने से विजय उसके ऊपर ही गिर गये उसी दौरान दूसरी गाय ने आकर हमलावर को मारती है। मोहल्ले के लोगों ने किसी तरह से दोनों को बचाया और पास के अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बलरामपुर अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

खबर एक नजर

प्लेटफॉर्म पर जन्मा बच्चा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। रविवार की सुबह चारबाग लखनऊ जंक्शन पर महिला पुलिसकर्मियों का एक मानवीय और साहसिक कार्य किया। कानपुर से आई गर्भवती महिला को प्लेटफार्म पर अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो मौके पर तैनात जीआरपी की महिला पुलिसकर्मियों ने मदद करते हुए साड़ी का घेरा बनाकर प्रसव कराया उसके बाद उसे अस्पताल भेजा गया जहां जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ है।

हवाईअड्डे से बांग्लादेशी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ हवाई अड्डे से मलेशिया जा रहा एक बांग्लादेशी का पासपोर्ट व आधारकार्ड चेकिंग के दौरान उसके फर्जी पासपोर्ट मिलने पर इमीग्रेशन अधिकारियों को उसके दस्तावेज संदिग्ध लगने पर जांच पड़ताल कराई तो पासपोर्ट गलत निकला जिस पर उसे गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया।

पत्नी की गला घोंटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनपद गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी में नशेड़ी पति ने अपनी पत्नी को गला घोंटकर हत्या कर दी।रविवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि थाना क्षेत्र खोड़ा में एक महिला का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़े होने की सूचना मिली थी। इस पर थाना खोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक महिला संत कुमारी (35) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी ने बताया कि पिता चंद्रपाल के मुताबिक, दामाद अर्जुन का बेटी (पत्नी) संत कुमारी के बीच लंबे समय से घरेलू कलह चल रहा था। बीते साल करवा चौथ के दौरान भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार जेल भेज दिया था। इसके बाद भी दोनों के बीच कलह जारी रही और शनिवार की रात में दामाद अर्जुन ने झगड़े के बाद बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने ससुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर घटना के बाद भागे दामाद को गिरफ्तार कर जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में मां-बेटे व भतीजे की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के रविवार को अमावता गांव के रहने वाले कविन्द्र प्रताप सिंह उर्फ कपिल (24), उनकी चाची सोनी पत्नी हरिश्चन्द्र सेंगर और उसका मासूम बेटा बाबू (2) की सड़क हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तीनों इटावा से दवा लेकर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहे थे। तभी इटावा जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र के महेवा ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों बाइक से उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को महेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

फर्जी आधार कार्ड सॉफ्टवेयर बेचकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात समेत विभिन्न राज्यों में 2000 से अधिक लोगों को फर्जी आधार कार्ड बनाने व फर्जी सॉफ्टवेयर बेचकर ठगी करने वाले अभियुक्त को एसटीएफ ने बरेली जिले से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक लैपटॉप, एक मोबाइल, दो कूटरचित आधार कार्ड, चार एटीएम कम डेबिट कार्ड बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त एसटीएफ ने बरेली जिले के जयबीर गंगवार ने पूछ-ताछ में बताया कि वह कम्प्यूटर साइंस से बीटेक करने के बाद नोएडा में आईटी कम्पनी में कार्य करता था, जहां से उसने आधार कार्ड बनाने का फर्जी सॉफ्टवेयर तैयार कर ठगी करने का प्लान सोचा और कम्पनी छोड़कर घर आकर उसने इस साफ्टवेयर बचने के लिए फेसबुक व व्हाट्सएप ग्रुपों में विज्ञापन शेयर करने लगा लोग इसको देखकर उसके पास उक्त फर्जी सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए लोगों के फोन आने लगे। इस प्रकार इसके उक्त फर्जी सॉफ्टवेयर अभी तक उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात आदि राज्यों के 2,000 से ज्यादा व्यक्तियों को बेचा है। जिसकी शिकायत अग्रिम जयवीर की शिकायत पर बरेली जिले के सुभाष नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

विस्फोट मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र बेहटा गांव में अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने रविवार को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन पर इनाम भी घोषित है। इससे पहले मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना प्रभारी प्रभातेश श्रीवास्तव ने बताया कि बेहटा गांव 31 अगस्त को बेहटा गांव के अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ था। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो घायलों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया था। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित टीनू उर्फ अली अहमद को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही थी। रविवार को सह अभियुक्त ग्राम बेहटा निवासी मो. नसीम, और याकूब उर्फ घपलू को स्कार्पियों क्लब के पास से गिरफ्तार किया है। इन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निवेशकों से ठगी करने वाला सरगना समेत दो गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। एसटीएफ उत्तर प्रदेश ने रविवार को एक बड़े फजीवाड़े का पदार्फाश करते हुए दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर अधिक मुनाफे का लालच देकर निवेशकों से करोड़ों की ठगी कर चुके हैं। गिरफ्तारी सहारनपुर जिले के थाना सदर बाजार क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित छिदवना मोड़ से हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सरगना शक्ति सिंह पुत्र राजकुमार निवासी मेरठ और उसका सहयोगी मंजीत गौर पुत्र धवल सिंह निवासी मेरठ शामिल हैं। एसटीएफ ने आरोपियों के पास से 2 लाख रुपये नकद, एक एप्पल मैकबुक लैपटॉप, चार मोबाइल फोन (आईफोन, सैमसंग व वनप्लस), पांच चेकबुक, पांच भरे हुए चेक, सात डेबिट कार्ड, पांच आधार कार्ड, दो पैन कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस और एक नेक्सन कार (नंबर यूपी 15 बीजेड 7074) बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मेरठ, आसपास के जिलों और सीमावर्ती राज्यों में लोगों को धन दोगुना करने या डॉलर में निवेश कर अधिक रिटर्न दिलाने का झांसा देकर पैसा लगवाते थे।

■ **2 लाख नकद व लग्जरी कार बरामद**

इसके लिए उन्होंने अब तक चार फर्जी कंपनियां बनाई थीं। इन कंपनियों का नाम एस.बी. लाइफएंड रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, ए.एन.जेड.ओ. ग्लोबल, ट्रेडीवाईएक्स. प्रो, विनर विजन ग्लोबल है। इन कंपनियों के माध्यम से करीब पांच हजार से अधिक लोगों की आईडी बनाकर ठगी की गई। आरोपी एजेंट भी नियुक्त करते थे और उन्हें मोटे कमीशन का लालच देकर आम जनता को फंसाने का काम करवाते थे। एसटीएफ को इस गैंग के सक्रिय होने की जानकारी लगातार मिल रही थी।

इसके बाद एएसपी एसटीएफ आगरा राकेश के पर्यवेक्षण में टीमों को लगाया गया। 7 सितंबर की दोपहर सब-इंस्पेक्टर लाल सिंह व उनकी टीम सहारनपुर में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि गिरोह के दो सदस्य छिदवना मोड़ पर मौजूद हैं। स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर बाजार, सहारनपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

फर्जी आईएएस का यूपी से लेकर बिहार तक नेटवर्क

■ **काफिले में चलने वाले 6 लग्जरी वाहन किराये के**

■ **तालुकेदार परिवार से है सौरभ त्रिपाठी, पिता वैज्ञानिक, पत्नी अभियंता**

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पुलिस अफसरों को पूछताछ के दौरान पीए गौरव ने बताया था कि फर्जी आईएएस सौरभ का पारिवारिक पृष्ठभूमि में पिता कृषिवैज्ञानिक तो पत्नी अभियंता उसने सिवल सेवा में तीन बार परीक्षा में फेल होने के बाद उसने एबीएम नॉलेजवेयर लिमिटेड कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्य करने के दौरान उसने पिता की जान-पहचान को भुनाते हुए शासन स्तर के उच्चाधिकारियों से संपर्क स्थापित कर ठगी करने लगा और अपने आपको एक आईएएस से कम नहीं समझता था और उसके काफिले में शामिल 6 लग्जरी वाहन किराये पर ले रखा था। लखनऊ समेत नोएडा से लेकर बिहार तक के वाहन स्वामियों की गाड़ियों से घूमता था। वहीं पुलिस ने उन लोगों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिरकार इन लोगों की लग्जरी कारें सौरभ त्रिपाठी के पास कैसे पहुंचीं। पुलिस के उच्चाधिकारी के मुताबिक लखनऊ, नोएडा, दिल्ली, बिहार और गोवा के ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाते हुए सौरभ त्रिपाठी के पीए गौरव पांडेय को बीते 5 सितंबर को गिरफ्तारी के बाद पुलिस पुलिस को उसके संभ्रांत परिवार से होने की जानकारी मिली और उसका परिवार उसे आईएएस अफसर बनाना चाहते थे उसको दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी भी कराने के साथ ही वह 3 बार परीक्षा में शामिल हुआ लेकिन वह पासआउट नहीं हो सका। लेकिन उसकी तैयारी के दौरान कई आईएएस अफसरों से उसकी मुलाकात हुई और उनके रहन-सहन आदि को देखकर वह इतना प्रभावति हो गया कि करीब 4 साल पहले उसने बिहार के अभ्यर्थियों समेत कई आईएएस अफसरों से मिलना-जुलना बढ़ाया और लोगों से वह बताता था कि वह भी तैयारी कर रहा है यही नहीं उसके साथ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे उसका जब चयन नहीं होने पर वह लखनऊ में एक लिमिटेड कंपनी में मैनेजर के पद पर काम करने के साथ ही उसने कई विभाग के प्रमुख सचिव और कई सीनियर आईएएस अफसरों से संपर्क साधना शुरू कर धीरे-धीरे उसने अपना नेटवर्क इतना बढाया कि वह खुद ही आईएएस की तरह वाहनों के काफिलों के साथ चलता था यही नहीं उसने गनर तक साथ लेकर चलता था। वहीं सूत्रों के मुताबिक, सौरभ त्रिपाठी के संबंध हाल ही में सेवानिवृत्त हुए एक पूर्व शासन के उच्चाधिकारी से जान-पहचान होने के साथ ही वह अन्य अफसरों और मंत्रियों से मुलाकात के दौरान वह फोटो खिंचवाकर और उसी फोटो को दिखाकर लोगों को रौब में लेने के साथ ही सरकारी विभागों में काम दिलाने के नाम पर ठगी करने लगा।

ठगी में इतना मास्टर कि कोई भी शक नहीं करता

कमिश्नरेट के एक उच्चाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सौरभ सरकारी ईमेल आईडी का दुरुपयोग कर ठगी करने के साथ ही दिल्ली, नोएडा और लखनऊ में अपने ठिकाने बनाये। वहीं पुलिस टीम ने उसके चार बैंक खातों से किये गये ट्रांजैक्शन डिटेल खंगाल रही है। पुलिस ने 6 लग्जरी कारें बरामद कर आरटीओ निदेशालय से जांच कराने में मिले रिकॉर्ड में सामने आया कि ये सभी गाड़ियां दूसरों के नाम पर रजिस्टर्ड हैं। इन कारों पर सचिवालय, विधानसभा और विधान परिषद के पास लगे थे जो कि सभी पास जांच पड़ताल में फर्जी निकले। पुलिस की जांच में पता चला कि लग्जरी वाहन में फॉरच्यूनर लेजेंडर यूपी 16 डीपी 2828 जो कि नोएडा निवाासी जयदीप धनुका के नाम रजिस्टर्ड है, वहीं डिफेंडर बीआरओ 1 एफजी 0028 बिहार के रहने वाले दर्पण जैन के नाम है, इनोवा यूपी 32 पीएक्स 9928 सुशील चंद्र द्विवेदी के नाम, मार्सडीज वेंच यूपी 32 पीके 2800 कौशिक टूर्स एंड ट्रेवल्स के नाम रजिस्टर्ड है। वहीं इनोवा क्रेस्टा यूपी 32 क्यूटी 5060 वकील अहमद, एक इनोवा यूपी 32 पीएच 0065 आरती यादव लखनऊ के नाम पंजीकृत है। सौरभ त्रिपाठी के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में भी एक मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं जांच पड़ताल कर रही पुलिस टीम को शक है कि सौरभ ने कई गाड़ियां और प्रॉपर्टी अपने निजी सचिव गौरव पांडेय के नाम पर करा रखी थीं जिसे गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में एक स्पेशल क्राइम ब्रांच की टीम को लगाया गया है।

युवक का शव मिला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित जंगल में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान पुलिस ने कर ली है। परिजनों ने अपहरण के बाद हत्या की आशंका जताई है। इस घटना में दो लोग हिरासत में लिए गये हैं। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात पगोहिदहा गांव के जंगल में युवक का शव मिलने की जानकारी कोतवाली देहात पुलिस को मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतक की पहचान राजापुर पृथ्वीगंज गांव निवासी विकास पटेल (17)के रूप में की गयी है। युवक की हत्या करके शव को जंगल में फेंक दिया गया था। जांच पड़ताल में पता चला है कि मृतक युवक चार सितंबर से लापता चल रहा था। परिजनों ने पहले ही आशंका जताई थी कि उसका अपहरण कर हत्या कर दी गई है। इसी आधार पर देर शाम पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी थी। एसपी ने बताया कि घटना में मुकदमा दर्ज करते हुए शक के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस मामले में लगभग सौ लोगों से पूछताछ की गई थी। घटना की जांच की जा रही है, जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

साढ़े 78 लाख रुपये की प्रतिबंधित करेंसी के साथ छह गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले की स्वॉट टीम और नगर पुलिस ने प्रतिबंधित करंसी की तस्करी करने वाले अन्तरराज्यीय गिरोह के छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच-पांच और एक-एक हजार रुपये के प्रतिबंधित नोट बरामद हुए हैं। ये लोग कमीशन के लालच में आकर नोटों की तस्करी करते थे।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पत्रकारों को बताया कि हापुड़ के चंडी रोड निवासी नरेंद्र कुमार, जामुन वाली मस्जिद के पीछे रहने वाले सफीक अहमद, विकास उर्फ विक्की, अनस, राम अवतार और बिजनौर निवासी हितेश उर्फ शालू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से साढ़े 78 लाख रुपये के प्रतिबंधित नोट, अवैध असलहा, छह मोबाइल बरामद किया है। पूछताछ में पता चला है कि ये लोग एक गिरोह बनाकर काम करते हैं। सोशल मीडिया और टेलीग्राम के जरिए लोगों को प्रतिबंधित पांच सौ और एक हजार के नोटों को लेकर उन्हें नए नोट देने का झांसा देते हैं। ग्राहकों से प्रतिबंधित करंसी लेकर उसे अपने कॉन्टेक्टर जो टेलीग्राम के जरिए उनसे सम्पर्क में रहता था, को भेज देते हैं। इसके बदले उन्हें उससे अच्छा कमीशन मिलता है। वह यह काम कई सालों से कर रहे हैं। पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके साथ इस काम में शामिल अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने नोटबंदी के बाद से पुराने पांच-पांच सौ और एक-एक हजार रुपये के नोट चलन से बाहर हो गए है।

पीईटी परीक्षा : कोचिंग संचालक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। झांसी जिले के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में रविवार को एक कोचिंग संचालक अभ्यर्थी की जगह पेपर दे रहा था उसी दौरान फोटो मिसमैच होने पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि अभ्यर्थी भागने में कामयाब रहा। पकड़े गये आरोपित ने बताया कि अभ्यर्थी दो साल पहले उसकी कोचिंग में पढ़ाई कर रहा था दोनों के बीच मित्रता हो गई और दोस्त को पीईटी परीक्षा पास कराने के लिए वह पेपर देने पहुंचा था। केंद्र अधीक्षक की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है फरार अभ्यर्थी की गिरफ्तारी में पुलिस लगी है। जानकारी के मुताबिक 39 केंद्रों पर प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा के लिए कड़ी जांच की व्यवस्था की गई थी। कार्यदायी संस्था के तकनीकि जानकारों द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी की परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय बायोमेट्रिक जांच की गयी। इसी कार्यदायी संस्था के विशेषज्ञों ने राजकीय पालिटेक्निक में सुबह की पाली में प्रवेश के समय जांच की तो परीक्षार्थी पवन साहू के परीक्षा फॉर्म पर लगी फोटो मिस मैच दिखाने लगा पवन साहू प्रयागराज फाफामऊ थाना क्षेत्र के मलाक हरहर उपरहार गांव का रहने वाला है। उसके स्थान पर पेपर देने आये मोहम्मद इलियास वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र अमौली का निवासी है।

मोहम्मद इलियास कोचिंग पढ़ाता है और पवन कुमार साहू उसकी कोचिंग में पढ़ता था उसने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर कोचिंग पहुंच कर अपने गुरु से आशीर्वाद के दौरान प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा को लेकर डील हो गई वह रात को यहां एक साथ ठहरे और सुबह गुरू परीक्षा देने आ गया उसी दौरान उसकी गिरफ्तारी कर अभ्यर्थी की तलाश की जा रही है। **ज्ञानेंद्र कुमार सिंह एसपी सिटी**

पुत्र ने की पिता की हत्या, गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सफाबाद गांव में एक युवक ने शनिवार रात को अपने पिता की ईंट से प्रहार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित रात भर पिता के शव के पास सोता रहा। रविवार सुबह घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके शव को पोस्टमार्टम भेजा। थाना सेक्टर 113 के प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सफाबाद गांव निवासी उदय ने अपने पिता गौतम (40) की ईंट मारकर हत्या कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपित गांजा पीने का आदी है। उसकी किसी बात को लेकर पिता से रात के समय बहस हो गई। इसके बाद उसने ईंट से हमला कर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित अपने ताऊ के घर पर गया और कहा कि उसने पिता को मार डाला है। नशे में होने के चलते उसकी बात का यकीन न मानकर ताऊ ने उसे वापस भेज दिया। घर आकर वह अपने पिता के लाश के पास सो गया। सुबह जब घटना की जानकारी परिवार के लोगों को हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित ने स्वीकारा है कि उसने ही ईंट मारकर अपने पिता की हत्या की है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मृतक का बेटा उदय पिता के घर की रजिस्ट्री अपने नाम करवाना चाहता था लेकिन उसके पिता शराब पीने की वजह से उसके नाम नहीं कर रहे थे इसी को लेकर शनिवार की रात में विवाद के दौरान ईंट से कूच कर उनका मर्डर कर दिया। **ट्विंकल जैन एसीपी**

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

राज काज

राजनीति में आने वाले ज्यादातर लोग जनसेवा की शपथ बेहद विनम्र भाव से लेकर बार-बार दोहराते रहते हैं लेकिन चुनाव लड़ते समय खुद उनके द्वारा ही दाखिल किए जाने वाले शपथपत्र (हलफनामे) इस विनम्रता की वास्तविकता सामने लाते रहते हैं। अभी तक सांसदों और विधायकों की आपराधिक जमीन चर्चा में रहती थी लेकिन अब केंद्र व राज्यों के ज्यादातर मंत्रियों की भी अपराधों में लिप्तता का एक नया अध्याय खुल रहा है। हालांकि भाजपा नीति केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए तीन विधेयकों में गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी के बाद तीस दिन में हिरासत में रहने पर पीएम, सीएम और मंत्रियों को हटाने के प्रावधान हैं लेकिन चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा जुटाए विवरण के अनुसार 27 विधानसभाओं, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में खुद भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 यानी 40 प्रतिशत ने अपने ऊपर आपराधिक मामले दर्ज होने का ब्यौरा दिया है जिनमें 68 पर तो गंभीर आरोप हैं। भाजपा की सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी इसमें सबसे आगे है जिसके 23 में से 22 यानी 96 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जवाबदेही की राजनीति का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 यानी 96 प्रतिशत आपराधिक मामलों से मढ़े हैं। जबकि ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों (74 प्रतिशत) पर आपराधिक केस हैं जिनमें 18 यानी 30 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 72 केंद्रीय मंत्रियों में 29 यानी 40 प्रतिशत ने अपने ऊपर आपराधिक मामले दर्ज होना बताया है। इनमें हत्या, अपहरण व महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। जब देश ओर प्रदेश के कानून बनाने वाले सदनों में ऐसी आपराधिक मानसिकता वाले मंत्रियों की ही बहुतायत हो तो यह शक गहरा जाता है कि उनके निर्णय कितने ठोस और छिद्र रहित होंगे। यह भी सामने आता रहता है कि ऐसी पृष्ठभूमि वाले अधिकांश मंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्रों के प्रशासन तंत्र को दबाने व विरोधियों को पस्त करने में अपने प्रभाव का खुल कर इस्तेमाल करते हैं। एक दलील यह भी दी जाती रही है कि जब तक कोर्ट संबंधित व्यक्ति को दोषी न कहे, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। चूंकि सभी जगह साफ सुथरे उम्मीदवार मिलते नहीं तो वोटर उसे ही चुनते हैं जो उनके काम करा दे। बाकी तो सब राज काज है ही।

गंभीर चेतावनी

जलवायु परिवर्तन के अनेक दुष्प्रभावों की वैसे तो तमाम बिंदुओं पर चर्चा होती है लेकिन अब इसी सिलसिले में आई एक रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन के कारण खासकर बुजुर्ग आबादी, गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना कर रही है। इसमें उम्र बढ़ने के साथ शरीर के अंदरूनी तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता घटती जाती है, जिससे अत्यधिक गर्मी या ठंड के संपर्क में आने पर बुजुर्ग ज्यादा बीमार पड़ते हैं। रिपोर्ट में भीषण गर्मी, बाढ़, पिघलते हिमनदों और जर्जर बुनियादी ढांचों जैसे तेजी से बढ़ते खतरों का विश्लेषण करते हुए कहा गया है कि ये जलवायु परिवर्तन के सबसे घातक प्रभावों में से हैं और कमजोर व संवेदनशील वर्गों पर अत्यधिक असर डालते हैं. बुजुर्ग लोग अक्सर पुरानी बीमारियों, चलने-फिरने में कठिनाई या शारीरिक कमजोरी से जूझते हैं, वे भीषण गर्मी में जानलेवा खतरे का सामना करते हैं। ये खतरे तब और बढ़ जाते हैं, जब ऐसे बुजुर्ग प्रदूषित, भीड़भाड़ वाले शहरों या समुद्रतटीय इलाकों और निम्न से मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। यह आंकड़ा तो चौंकाने वाला है ही कि 1990 के दशक से अब तक 65 या उससे अधिक उम्र के लोगों में भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में लगभग 85 फीसदी की वृद्धि हुई है, रिपोर्ट आगाह करती है कि वैश्विक तापमान में अगर दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है, तो 2050 तक बुजुर्गों की मौत में 370 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। तथ्य यह है कि अनेक बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, सामाजिक गतिविधियों तथा सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का लाभ लेने के लिए शहरों का रुख करते हैं। शहरों के विस्तार के साथ-साथ बुजुर्गों की शहरी आबादी भी तेजी से बढ़ रही है। इस कारण शहरों को सभी उम्र के लोगों के लिए अनुकूल और प्रदूषण मुक्त बनाने की मांग की गयी है, जहां हरित क्षेत्रों की पर्याप्त मौजूदगी हो। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आयी है, जब एशिया, यूरोप और अमेरिका असहनीय गर्मी और भीषण वर्षा से जूझ रहे हैं। यूरोप में भीषण गर्मी से करीब दस दिन में 2,300 लोग मारे गये हैं, तो अमेरिका के कई इलाकों में वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है।

काँव-काँव

♦♦♦

मोदी हमेशा मेरे अच्छे दोस्त बने रहेंगे -ट्रंप
पूरी दुनिया पुरानी दोस्ती का हश्र देख रही है!

ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया हो गया कम
कोरोनाकाल में लोग पैदल चलते मर गये!

महाराष्ट्र में बारह हजार करोड़ की ड्रग्स जब्त
लखनऊ पुलिस जितनी मेहरबानी उधर कहां?

दो घंटे तक हवा में रहा इंडिगो का यात्री विमान
विदेशी फ्लाइटें तो कई घंटे हवा में रहती हैं!

विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का लिया संकल्प
जियो कंपनी का पूरा सिस्टम ही चाईनीज है!

भाजपा सरकार में अत्याचार चरम पर- अखिलेश
समाजवादी पार्टी को रोशनी नजर आ रही है!

♦♦♦

बंगाल चुनाव और भाजपा

– जयंत घोषाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दो महीनों में पश्चिम बंगाल की तीन यात्राएं कर चुके हैं. यहां प्रश्न है कि आखिर मोदी पश्चिम बंगाल के इतने दौरे क्यों कर रहे हैं. सो, प्रधानमंत्री के पश्चिम बंगाल की निरंतर यात्राओं के औचित्य को समझना जरूरी है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है. वर्ष 2026 के अप्रैल और मई के बीच इसके समाप्त होने की संभावना है. प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने इस बार चुपचाप पश्चिम बंगाल के गणित को बदल दिया है. कह सकते हैं कि इस बार पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा की रणनीति बदली हुई है. आइए, पश्चिम बंगाल की इस नयी रणनीति का विश्लेषण करते हैं. पहली, भाजपा में एक भी ऐसा एकजुट विपक्षी चेहरा नहीं है, जो इस चुनाव में ममता बनर्जी को चुनौती दे सके. सो, ममता के व्यक्तित्व को प्रतिसंतुलित करने के लिए, भाजपा ने बंगाल में मोदी को अपना चेहरा बनाने का निर्णय किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दो महीनों में पश्चिम बंगाल की तीन यात्राएं कर चुके हैं. यहां प्रश्न है कि आखिर मोदी पश्चिम बंगाल के इतने दौरे क्यों कर रहे हैं. सो, प्रधानमंत्री के पश्चिम बंगाल की निरंतर यात्राओं के औचित्य को समझना जरूरी है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है. वर्ष 2026 के अप्रैल और मई के बीच इसके समाप्त होने की संभावना है. प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने इस बार चुपचाप पश्चिम बंगाल के गणित को बदल दिया है. कह सकते हैं कि इस बार पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा की रणनीति बदली हुई है. आइए, पश्चिम बंगाल की इस नयी रणनीति का विश्लेषण करते हैं. पहली, भाजपा में एक भी ऐसा एकजुट विपक्षी चेहरा नहीं है, जो इस चुनाव में ममता बनर्जी को चुनौती दे सके. सो, ममता के व्यक्तित्व को प्रतिसंतुलित करने के लिए, भाजपा ने बंगाल में मोदी को अपना चेहरा बनाने का निर्णय किया है।

हालांकि नये पार्टी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य- जो एक शहरी, मध्यम वर्गीय, धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति हैं- सहित कई भाजपा नेता हैं, पर इनमें से कोई जननेता नहीं है. दूसरी, चूंकि पीएम मोदी राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत ब्रांड हैं, इसलिए भाजपा उन्हें बंगाल की गारंटी के रूप में स्थापित करने की कोशिश में है. 'मोदी है, तो मुमकिन है' जैसा पुराना नारा नये बंगाल के निर्माण के लिए प्रेरणा का काम कर सकता है- एक ऐसा बंगाल जो विकसित हो, जहां कानून-व्यवस्था हो और जो घुसपैठियों से मुक्त हो. हालांकि अभिषेक का दावा है कि जीत के लिए उन्हें हर बूथ पर जाना होगा, जबकि भाजपा में संगठनात्मक शक्ति का अभाव है. पर पिछले चुनावों से सीख लेकर इस बार भाजपा अपने आक्रामक सोशल मीडिया अभियान के तहत ब्लॉग, पॉडकास्ट और स्थानीय विज्ञापनों का इस्तेमाल कर रही है, यहां तक कि वह हर जिले में पहुंचने के लिए आरएसएस की मदद भी ले रही है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी लगातार 'लोक्खीर भांडार' और 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' जैसे प्रसिद्ध कार्यक्रमों का प्रचार किया है. यहां भाजपा उन्हें मात नहीं दे सकती. ममता बनर्जी का काम बेहद चतुराई भरा है. तीसरी, पिछली बार भाजपा और आरएसएस के बीच कुछ मतभेद थे, पर इस बार दोनों के बीच कहीं अधिक समन्वय दिखाई दे रहा है. आरएसएस की योजना बंगाल में ममता बनर्जी के शासन को खत्म करने की है. वह भाजपा के लिए काम करेगा, पर स्वतंत्र रूप से, जो एक बेहतर तरीका है. इसलिए, आरएसएस यहां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

चौथी, इस बार भाजपा और आरएसएस- दोनों में से किसी की तरफ से 'जय श्री राम' के नारे पर जोर नहीं दिया जा रहा है. पांचवीं, पीएम ने भी अपनी हालिया दुर्गापुर रैली में 'जय श्री राम' के बजाय 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' का नारा लगाया. हालांकि हाल की दमदम रैली में उन्होंने दोनों में से कोई नारा नहीं लगाया. दमदम रैली का मुख्य मुद्दा विकास था. यहां उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि भाजपा सरकार के माध्यम से केवल पीएम मोदी ही बंगाल के लोगों को वह विकास दे सकते हैं, जिसकी उन्हें आवश्यकता है. इसलिए इस बार यहां नारा था 'भाजपा लाओ, बंगाल बचाओ.' छठी, इस बार मोदी ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत हमला भी नहीं कर रहे हैं. इस बार जोर पश्चिम बंगाल सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन के साथ ही राज्य की बेरोजगारी और रोजगार के अवसरों की कमी पर है. यह एक नयी रणनीति है. सातवीं, शुभेंदु अधिकारी ने पहले हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के लिए

अभियान चलाया था. चूंकि भाजपा की प्राथमिक रणनीति हिंदू वोटों को इकट्ठा करना और उन्हें ममता से छीनना है, इसलिए इस बार भी ध्रुवीकरण की राजनीति मौजूद रहेगी. उन्हें हिंदू वोट चाहिए, पर हिंदू-मुस्लिम विवाद के जरिये नहीं. यह उप्र में तो काम कर सकता है, पर पश्चिम बंगाल में नहीं. यह भाजपा का नवीनतम अवलोकन है. इसलिए, हिंदू-मुस्लिम वोटों को विभाजित करने के लिए घुसपैठ एक उपयोगी रणनीति हो सकती है. आठवीं, जबकि बिहार में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया काफी गहनता से चल रही है. टीएमसी इस मामले को अदालत ले जाकर मतदाता सूची संशोधन को कमजोर करने की पूरी कोशिश कर रही है. इसके उलट, भाजपा यह दावा करते हुए राजनीतिक अभियान चला रही है कि एसआइआर संशोधन एक वैध और सामान्य प्रक्रिया है, पर टीएमसी कई मृत मतदाताओं के कारण इसे सीमित कर रही है, जिसका इस्तेमाल टीएमसी अपनी धांधली को जारी रखने के लिए कर रही है. देखना है कि चुनाव आयोग क्या निर्णय लेता है. नौवीं, चुनावी भ्रष्टाचार का मुद्दा है. हालांकि, पश्चिम बंगाल में पार्थ चटर्जी मामले, शिक्षा धोखाधड़ी और अन्य घोटालों के विरुद्ध भाजपा के अभियान से ममता अप्रभावित रही हैं. ममता मजबूत स्थिति में हैं. जबकि पीएम भ्रष्टाचार को अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं. दसवीं, भाजपा अंतरिम रूप से ट्रायल एंड एरर की नीति अपना रही है. पीएम की पहली तीन रैलियों के बाद, सर्वेक्षण होगा और परिणामों का विश्लेषण किया जायेगा. निष्कर्ष निकालने और बाकी चीजों को उचित रूप से व्यवस्थित करने के लिए, पार्टी के अलावा कई पेशेवर समूहों द्वारा भी सर्वेक्षण किये जायेंगे।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

प्रथम अध्याय

(गतांक से आगे)

यदि भगवान तुम्हें साधु कह दें तो सब कुछ पा जाओगे। दुनिया कहे चाहे कभी न कहे, फिर भी तुम सर्वस्व प्राप्त कर लोगे। इस प्रकार सांसारिक प्रशंसा में वह जाना भ्रममयी श्वास है, यही भूरिश्रवा है। प्रशंसा भूरि-भूरि है, अत्यधिक है, अतिरंजित है; इससे साधना में स्राव (घटाव, क्षय) होने लगता है। अस्तु, भ्रममयी श्वास भूरिश्रवा है। संयम का स्तर उन्नत होने पर आयी हुई विकृतियों के ये नाम हैं, बाह्य प्रवृत्ति के अंग-उपांग हैं।

अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः। नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः ।।9।।

और भी बहुत से शूरवीर अनेक शस्त्रों से युक्त मेरे लिये जीवन की आशा को त्यागकर युद्ध में डटे हैं। सभी मेरे लिये प्राण त्यागनेवाले हैं; किन्तु उनकी कोई ठोस गणना नहीं है। अब कौन-सी सेना किन भावों द्वारा सुरक्षित है? इस पर कहते हैं-

अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षित्। पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम् ।।10।।

भीष्म द्वारा रक्षित हमारी सेना सब प्रकार से अजेय है और भीम द्वारा रक्षित इन लोगों की सेना जीतने में सुगम है। 'पर्याप्त' और 'अपर्याप्त' जैसे श्लिष्ट शब्द का प्रयोग दुर्योधन की आशंका को व्यक्त करता है। अतः देखना 8 है कि भीष्म कौन-सी सत्ता है, जिस पर कौरव निर्भर करते हैं तथा भीम कौन-सी सत्ता है, जिस पर (दैवी सम्पद्) सम्पूर्ण पाण्डव निर्भर हैं। दुर्योधन अपनी व्यवस्था देता है कि-

अयनेषु च सर्वेषु यथाभागमवस्थिताः । भीष्ममेवाभिरक्षन्तु भवन्तः सर्व एव हि।।11।।

इसलिये सब मोर्चों पर अपनी-अपनी जगह स्थित रहते हुए आप लोग सब-के-सब भीष्म की ही सब ओर से रक्षा करें। यदि भीष्म जीवित हैं तो हम अजेय हैं। **क्रमशः...**

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

धन्या द्विजमयी नौका विपरीता भवार्णवे।
तरन्यधोगताः सर्वे उपरिष्ठाः पतन्त्यधः।।

इस संसार-सागर में ब्राह्मणरूपी नौका-अर्थात् ब्राह्मणों के सहारे अपने उद्धार की कामना करने वालों-की बड़ी विचित्र स्थिति है। इस संसार में नीचे गये हुए ब्राह्मणों के सामने विनम्र तो तर जाते हैं, परन्तु जो ऊपर बैठे रहते हैं गर्वित रहते हैं, उनका कभी उद्धार नहीं होता।

♦♦♦

चुनाव आयोग की साख पर सवाल

– मधुकर त्रिवेदी

भारत के संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था ''लोकतंत्र में मतदान एक बड़ी बुनियादी चीज है। इसमें किसी भी प्रकार का व्यवधान लोकतंत्र की हत्या करना है। किसी मतदाता के साथ अन्याय नही होना चाहिए।'' संविधान ने एक व्यक्ति, एक मत का प्राविधान किया है। यह अमूल्य अधिकार मतदान का मिला है, जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता है। लेकिन बिहार में नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के पहले 25 जून 2025 से निर्वाचन आयोग ने 'विशेष सघन पुनरीक्षण के जरिए जिस तरह 65 लाख मतदाताओं के नामों पर कैंची चला दी उससे देश भर में राजनैतिक क्षेत्रों में उबाल आना स्वाभाविक है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची से क्यों नाम निकाल बाहर कर दिए ये प्रश्न पूछा गया तो निर्वाचन आयोग ने ब्यौरा देने से इंकार करते हुए जो सफाई दी वह और भी शंकाएं पैदा करती है। निर्वाचन आयोग ने अपनी गड़बड़ी की सारी जिम्मेदारी मतदाता और राजनीतिक दलां पर डालते हुए मतदाता सूचियों में दिए गए (शून्य) 0 नम्बर को गरीबों से जोड़कर घड़ियाली आंसू बहाते हुए उनके प्रति हमदर्दी बटोरने की कोशिश की। मतदाताओं से बिहार में बाप-दादों तक के प्रमाण मांगने के वक्त निर्वाचन आयुक्त की संवेदना जाने कहाँ खो गई। निर्वाचन आयोग के सामने जब कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा, बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र में वोट बढ़ाकर सत्तारूढ़ दल भाजपा को जिताने की आशंका वाले आंकड़े पेश किए गए तो उनका कोई स्पश्ट जवाब नहीं मिला। बिहार में एक ही पते पर 250-300 मतदाताओं के नाम पते दर्ज मिले। तीन लाख मकानों के नंबर की जगह शून्य दर्शाया गया। गोआ में एक बार के पते पर 80 मतदाता और सिर्फ दो पतों पर 100 गैर स्थानीय लोगों के नाम पंजीकृत मिले। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच एक करोड़ मतदाता बढ़ गये। हिसाब किताब में आया कि लोकसभा में केवल 25 सीटों की बढ़त से ही मोदी जी प्रधानमंत्री पद पा सके। इन स्थितियों में जनता के मन में यह सवाल उठना ही था कि क्या उसके वोट की चोरी की गई ? मतदान में हेराफेरी की षिकायतें क्या सही नहीं थी? लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार निर्वाचन आयोग के खिलाफ इतनी तल्खी पैदा हुई। संसद से सड़क तक मताधिकार की रक्षा और मतदान की पवित्रता के लिए आवाज उठने लगी। भारत में 960 मिलियन से ज्यादा मतदाता सूचीबद्ध होते है।

सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटी (सीडीएस) ने 1990-2000 में सार्वजनिक संस्थानों में निर्वाचित आयोग को विश्वसनीयता में प्रथम स्थान दिया था। लोकतंत्र में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शिता के साथ चुनाव को लोकतंत्र का आधार माना गया है। कोई पात्र चुनाव में मतदान से वंचित न हो इसके लिए उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व 2007 में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (ईसीई) श्री एन गोपालास्वामी ने मतदाता सूची में एसएडी वोटर अर्थात शिफ्टेड, ऐब्सेंट और डेड वोटर की अलग सूची बनाकर हर पोलिंग स्टेशन के प्रिसाइडिंग अफसर से कहा था कि जब इस सूची का कोई व्यक्ति मतदान के लिए आए तो ठीक से जांच पड़ताल कर उसका वोट डलवाएं। गोपालास्वामी ने वोट डिलिट नहीं किए, जैसा कि वर्तमान निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश्वर कर रहे है। बताते है तब गुजरात में 24 प्रतिशत वोटर (एसएडी) से वोट डालने पहुंचे थे। एक ऐसा संस्थान जिसकी साख भारत के बाहर भी थी अब एकदम से अविश्वसनीय कैसे बन गया? जनता में उसकी साख में लगातार गिरावट देखी जा सकती है। लोकतंत्र में यदि हर मत का मूल्य है तो उसे हर मतदाता के बारे में जानकारी देने में क्या हर्ज है। बिना अपने निर्णय का औचित्य बताये केवल यह कहना

काफी नही है कि बिहार में ;सुद्ध के दौर में 22 लाख मतदाता मृत मिले। 36 लाख स्थायी तौर पर पलापन कर गए या मिले नहीं, 7 लाख के नाम दोहरी सूची में मिले। इनको किस जांच पड़ताल और तथ्यों पर डिलीट कर दिया गया? मजेदार बात तो यह है कि न केवल विपक्ष अपितु सत्तादल भाजपा के ही एक कद्दावर नेता अनुराग ठाकुर ने लोकसभा के छः क्षेत्रों- वायनाड़, डायमंड हार्वर, कन्नौज, रायबरेली और मैनपुरी में विपक्षी उम्मीदवारो की जीत पर सवाल उठाया। केन्द्रीय मंत्री नितिन कडकरी ने भी कहा है कि उनके लोकसभा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख वोटरों के नाम काटे गए। इससे तो यही साबित हुआ कि चुनाव में वोटो की चोरी जरूर हो रही है। निश्पक्ष चुनाव की बात आंख में धूल झांकने जैसी है। वैसे जिसतरह से चुनाव आयोग के पक्ष में भाजपा वकील बन कर खड़ी हुई है उससे तो लगता है वह अपनी चादर खुद ही मैली करने पर तुली है। निर्वाचन आयोग ने पूरे मामले में लगता है इसे अपनी नाक की लड़ाई बना लिया है। सन् 2018 तक नई दिल्ली में निर्वाचन आयोग के दरवाजे खुले रहते थे अब सांसद भी वहां प्रवेश नहीं कर सकते है। 11 अगस्त 2025 को 300 से ज्यादा विपक्षी सांसद जो ज्ञापन देने जा रहे थे, उनको निर्वाचन सदन से बहुत पहले ही रोक लिया गया। विपक्ष की मांग है कि उसे डिजिटल मतदाता सूची दी जाए। निर्वाचन आयोग सूची से जिन्हें डिलीट कर रहा है उनका ब्यौरा भी तो दिया जाए? सबसे बड़ी बात जिसका जवाब विपक्ष और जनता ढूंढ रही है और सत्तादल संरक्षित निर्वाचित आयोग कतरा रहा है वह यह कि जब माहौल सश्रदल के खिलाफ बना हुआ था, सारे एक्जिट पोल महाराष्ट्र, हरियाणा में भाजपा की जीत पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे थे तब सत्तादल की आकस्मिक जीत कैसे हो गई? स्मरण रहे, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और निष्पक्षता की हरदम अग्नि परीक्षा होती रहती है। चुनाव आयोग इस समय अपनी जवाबदेही के बजाय अपनी इज्जत बचाने में लगा है पर असफल है। रक्षात्मक होकर नही खुलेपन से ही निर्वाचन आयोग को जनता से मान्यता मिलेगी। अपनी हरकते ढकने के लिए दूसरो से षपथ पत्र मांगना जताता है कि दाल में कुछ काला है। वस्तुतः चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर पहली बार उंगली नहीं उठ रही है। कई बार उस पर प्रश्नचिन्ह लगे है? उत्तर प्रदेष के उपचुनावो में धांधली और वोट की लूट खुले तौर पर दिखी थी। जिन अधिकारियों की इसमें संलिप्तता थी उन्हें न निर्वाचन ड्यूटी से हटाया गया, नहीं उन पर कोई कार्रवाई की गई। वोट की लूट को खुली छूट दी गई।

प्रेरक प्रसंग

अमर फल

एक धार्मिक व्यक्ति था। एक दिन उसने अपने लड़के को कुछ पैसे दिये और कहा, ''जा, बाजार से कुछ फल ले आ''। लड़का पैसे लेकर चला। वह सोचता जा रहा था कि क्या-क्या फल खरीदेगा, तभी देखता क्या है कि रास्ते के एक तरफ को एक आदमी बैठा है। उसके तन पर चिथड़े लिपटे हुए हैं और वह भूख से छटपटा रहा है। बालक का हृदय द्रवित हो गया। वह दौडा हुआ बाजार गया और उसकी जेब में जो पैसे थे, उनसे खाने की चीजें लाकर उस भूखे को दे दीं। खाना पाकर उस आदमी की हैरानी दूर हो गई। यह देखकर बालक को बड़ी खुशी हुई। उसके पैरों में जैसे पंख लग गये। वह कूदता हुआ घर आया और सीधे अपने पिता के पास पहुंचा। उसे खाली हाथ आया देखकर पिता ने कहा, अरे तू फल नहीं लाया ? लड़का बोला, पिताजी, मैं लाया हूं, किन्तु फल नहीं, अमर फल लाया हूं। थोड़ा रुककर लड़के ने सारा हाल कह सुनाया, फिर बोला, पिताजी, मैं फल ले आता और हमलोग उन्हें खा लेते तो उससे हमें कितना लाभ होता ? लेकिन उस आदमी को खाना मिल जाने से उसके पेट की ज्वाला शान्त हो गई। इससे बढ़कर आनंद की बात हमारे लिए क्या हो सकती है। पिता ने गद्गद् होकर बेटे को सीने से लगा लिया। ऐसी संतान पर किसी भी पिता को गर्व हो सकता है।

आपका पत्र मिला

बाधित जल निकासी के बड़े खतरे

देश के नई दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे प्रमुख महानगर हर वर्ष मानसून में लगभग एक जैसी त्रासदी झेलते हैं। कुछ घंटों की बारिश पूरे शहर को जलभराव और बाढ़ में डुबो देती है। इसका सबसे बड़ा कारण अव्यवस्थित शहरीकरण के साथ-साथ क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप जल निकासी प्रणाली की उपेक्षा है। शहरों की योजना बनाते समय नालों और प्राकृतिक जलधाराओं को संरक्षित करने की बजाय उन्हें कंक्रीट के ढांचे और अवैध निर्माणों से पाट दिया गया। पुराने तालाब और जलाशय गायब हो गए, पेड़ों की जड़ों को पक्की सड़कों में कैद कर दिया गया। नतीजतन, वर्षा का पानी बहने का प्राकृतिक मार्ग बंद हो गया और थोड़ी-सी बारिश में भी सड़कें तालाब बन जाती हैं। समस्या सिर्फ ढांचागत नहीं है प्रशासनिक इच्छाशक्ति का भी अभाव है। नालों की नियमित सफाई का अभाव गाद जमाव को बढ़ाकर कचरा जल प्रवाह रोक देता है। इसका दुष्परिणाम हर साल लाखों लोगों को झेलना पड़ता है। घरों के डूबने के साथ ही यातायात ठप हो जाता है। औद्योगिक-आर्थिक गतिविधियां थम जाती हैं और अरबों रुपये की क्षति होती है।दरअसल शहरीकरण समस्या नहीं, बल्कि जल निकासी की अनदेखी इसका असली खतरा है। समाधान के लिए जरूरी है कि शहरों की मास्टर प्लानिंग में प्राकृतिक नालों, तालाबों और हरित क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जाए। आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम, वर्षा जल संचयन और नियमित रखरखाव को प्राथमिकता दी जाए। जब तक प्रशासनिक ढांचा सख्त नियमों और तकनीकी सुधारों के साथ आगे नहीं बढ़ेगा, तब तक हर मानसून में भारत के महानगर पहली ही बारिश में डूबने को मजबूर रहेंगे।

अमृतलाल मारू 'रवि'
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है। आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक, स्वतंत्र भारत 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com**

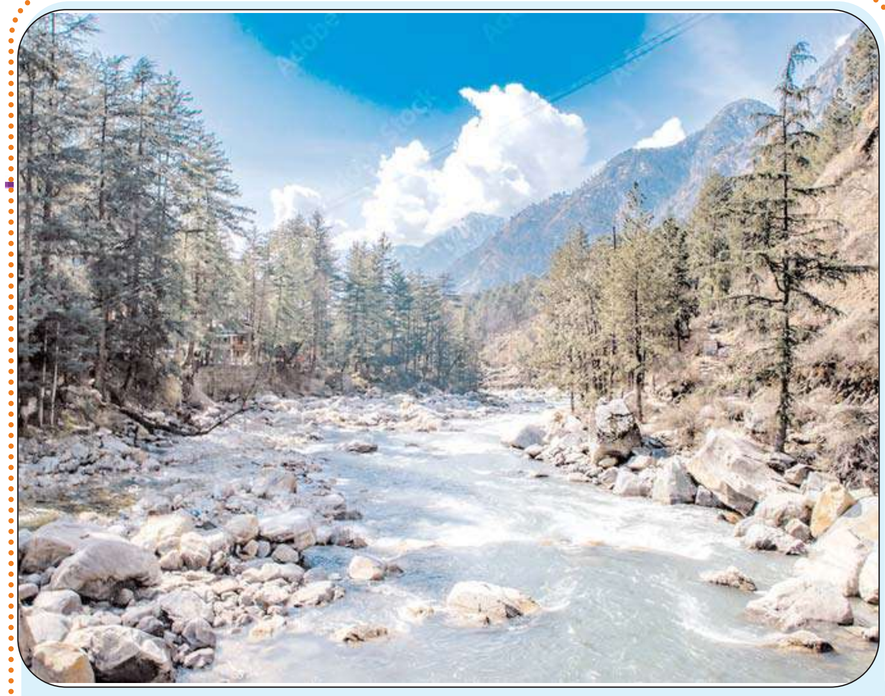

मनाली में प्रकृति के साथ सुकून भरे पल भी बिता सकते हैं आप

मनाली अपनी खूबसूरती के लिए देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में मशहूर है, लेकिन क्या आप इस बार भीड़-भाड़ से दूर किसी शांत जगह पर प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं? अगर हां, तो आप सही जगह पर हैं।

दरअसल, मनाली के आसपास कई ऐसी छिपी हुई जगहें हैं जहां से आप पूरे हिमाचल की खूबसूरती का दीदार कर सकते हैं। जी हां, इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी ही ऑफबीट डेस्टिनेशन्स के बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं।

मलाणा

पर्वती घाटी में बसा मलाणा गांव हिमाचल प्रदेश के सबसे खूबसूरत और शांत गंतव्यों में से एक है। अगर आप मनाली की भीड़-भाड़ से दूर, प्रकृति के आगोश में कुछ समय बिताना चाहते हैं, तो मलाणा आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह गांव अपनी प्राचीन संस्कृति और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए मशहूर है। आप मनाली से सड़क मार्ग से लगभग 2 घंटे में मलाणा पहुंच सकते हैं। यहां आपको शांत वातावरण, साफ हवा और मनोरम पहाड़ियों के दृश्य देखने को मिलेंगे।

थानेदार

मौसम कोई भी हो, लेकिन आजकल मनाली में पर्यटकों की भीड़ बढ़ना कोई नई बात नहीं है। ऐसे में, अगर आप भी इस मौसम शांत और पीसफुल जगह ढूंढ रहे हैं, तो मनाली से लगभग 190 किलोमीटर दूर स्थित थानेदार एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। थानेदार पहाड़ों और हरियाली से घिरा हुआ एक छोटा सा गांव है, जहां आप प्रकृति की खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं और करीब से शांति का एहसास कर सकते हैं।

पटलिकुहल

मनाली की हलचल से दूर, हिमाचल प्रदेश की गोद में बसा पटलिकुहल एक अनछुआ खजाना है। मनाली से मात्र 27 मिनट की दूरी पर स्थित यह शांत और सुंदर स्थान, प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग की तरह है। पटलिकुहल, हिमाचल प्रदेश की उन ऑफबीट जगहों में से एक है, जिन्हें अभी तक ज्यादातर पर्यटकों ने एक्सप्लोर नहीं किया है। अगर आप भी भीड़-भाड़ से दूर, शांत वातावरण में कुछ पल बिताना चाहते हैं, तो पटलिकुहल आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

सजला

मनाली से महज 28 किलोमीटर की दूरी पर बसा सजला गांव एक ऐसा खूबसूरत स्थल है, जहां प्रकृति की गोद में स्थित एक झरना और प्रसिद्ध विष्णु मंदिर स्थित हैं। ऐसे में, अगर आप ट्रैकिंग के शौकीन हैं, तो मनाली से सजला तक का रास्ता आपके लिए एक रोमांचक एक्सपीरिएंस लेकर आ सकता है। घने जंगलों के बीच से होकर गुजरते हुए इस गांव तक पहुंचना हर किसी के लिए एक यादगार सफर हो सकता है।

शरीर में क्या होती मैग्नीशियम की भूमिका?

मैग्नीशियम हमारे शरीर के लिए सबसे जरूरी खनिजों में से एक है, जो 300 से ज्यादा बायोकेमिकल प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर कुछ लोग इसे पोषक तत्व को नजरअंदाज करते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम है कि यह कैल्शियम और विटामिन डी को अवशोषित करने में भी मदद करता है। मैग्नीशियम हमारे तंत्रिका तंत्र को सही से काम करने, मांसपेशियों को आराम देने और हृदय की धड़कन को सामान्य रखने के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में कई तरह के लक्षण दिख सकते हैं, जैसे मांसपेशियों में ऐंठन होना, थकान, नींद न आना और माइग्रेन जैसी समस्या होना। इस महत्वपूर्ण पोषक तत्व की भूमिका को समझना और अपनी डाइट में इसे शामिल करना बहुत जरूरी है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शरीर में मैग्नीशियम क्या काम करता है और किन चीजों से इसे प्राप्त किया जा सकता है।

मांसपेशियों और तंत्रिका तंत्र के लिए-मैग्नीशियम मांसपेशियों के संकुचन और आराम के लिए बहुत जरूरी है। जब शरीर में इसकी कमी होती है, तो मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह तंत्रिका तंत्र के संकेतों को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिससे दिमाग शांत रहता है और नींद अच्छी आती है।

उत्पादन

चेहरे के पिंपल्स को ये टिप्स करेंगे दूर त्वचा बनेगी बेदाग

पिंपल्स, जो अक्सर त्वचा पर सूजन, लालिमा और कील-मुंहासे के रूप में दिखते हैं, आजकल की एक आम समस्या बन गई है। यह समस्या मुख्य रूप से तैलीय त्वचा पर होती है, लेकिन कभी-कभी अन्य त्वचा प्रकारों पर भी दिखाई दे सकती है। पिंपल्स का कारण कई बातें हो सकती हैं, जैसे हॉर्मोनल बदलाव, तनाव, गंदगी, और गलत आहार। यह समस्या न केवल आपकी त्वचा को प्रभावित करती है, बल्कि आत्मविश्वास पर भी असर डाल सकती है। हालांकि, सही देखभाल और कुछ आसान उपायों से इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है। **स्किन को रूखी न रहने दें :** त्वचा की सही देखभाल पिंपल्स को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। एक सामान्य भ्रांति यह है कि पिंपल्स होने पर त्वचा को अधिक सुखा देना चाहिए। हालांकि, यह गलत है। जब त्वचा रूखी होती है, तो शरीर अधिक तेल करता है, जो पिंपल्स को और बढ़ा सकता है। इसलिए, त्वचा को हमेशा हाइड्रेटेड रखना चाहिए। सर्दी के मौसम में त्वचा अधिक शुष्क हो जाती है, इसलिए इसे मॉइश्चराइज करना जरूरी है। इसके लिए माइल्ड क्रीम या हर्बल उत्पादों से बनी क्रीम का इस्तेमाल करें। इन उत्पादों में कम से कम रसायन होते हैं, जो त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाते। **गुनगुने पानी से चेहरा धोएं :** चेहरे को धोने के लिए सर्दियों में गुनगुने पानी का प्रयोग करें। यह आपकी त्वचा को न तो अधिक सूखा करता है और न ही अधिक तैलीय बनाता है। गर्म पानी से चेहरा धोने से त्वचा की नमी खो सकती है, जबकि ठंडे पानी से चेहरा धोने से रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। इसके अलावा, अगर गर्मी के मौसम में ठंडे पानी से चेहरा धोना लाभकारी होता है, तो सर्दी में गुनगुने पानी से धोना सबसे बेहतर होता है।

स्वच्छ तौलिए का प्रयोग करें : पिंपल्स की समस्या से बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है, तौलिए का नियमित रूप से सफाई रखना। तौलिया किसी भी त्वचा पर से गंदगी, तेल और बैक्टीरिया को सोख लेता है, और अगर इसे बार-बार नहीं धोया जाता है, तो यह बैक्टीरिया को फैला सकता है, जिससे पिंपल्स और मुंहासे बढ़ सकते हैं। इसलिए, अपने चेहरे को साफ करने के लिए हमेशा साफ तौलिये का इस्तेमाल करें। अगर आप नियमित रूप से तौलिया बदलते हैं या धोते हैं, तो इससे आपकी त्वचा पर होने वाले संक्रमण और पिंपल्स की समस्या से बचाव हो सकता है। **नाइट स्किनकेयर रूटीन का पालन करें :** दिन भर की थकान और प्रदूषण के कारण आपकी त्वचा पर गंदगी और धूल जम जाती है, जिससे पिंपल्स हो सकते हैं। इसलिए, रात के समय में अपनी त्वचा की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। सोने से पहले चेहरा अच्छे से धो लें और फिर मॉइश्चराइजर या नाइट क्रीम का उपयोग करें। नाइट क्रीम में विटामिन सी, विटामिन ई और अन्य ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा को रिपेयर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, अगर आप मेकअप करती हैं, तो सोने से पहले हमेशा मेकअप हटाना न भूलें। इससे आपकी त्वचा को राहत मिलती है और पिंपल्स की संभावना कम होती है। **तनाव से बचें और स्वस्थ आहार लें :** पिंपल्स की समस्या के पीछे एक और मुख्य कारण तनाव और खराब खानपान है। जब शरीर में तनाव बढ़ता है, तो यह हॉर्मोनल बदलाव को प्रभावित करता है, जिससे पिंपल्स होते हैं। इसलिए, अपनी दिनचर्या में योग और ध्यान को शामिल करें, ताकि आप मानसिक शांति पा सकें। साथ ही, संतुलित आहार का सेवन करें, जिसमें हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन और पर्याप्त पानी शामिल हो।

वर्किंग वीमेन ऐसे रखें अपनी त्वचा का ध्यान

अक्सर वर्किंग वीमेन अपने बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद पर ध्यान नहीं दे पाती। ऐसे में उनको अपनी अपीयरिंस का खास ध्यान रखना पड़ता है। ऐसा नहीं होने पर उनका ओवरऑल लुक प्रभावित होता है जो अच्छा नहीं है। वर्किंग विमिन के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल होता है खुद की स्किन का खयाल रखने के लिए समय निकालना। इस वजह से अक्सर उन्हें स्किन से जुड़ी कई समस्याएं हो जाती हैं जो उनके लुक को डल करना शुरू कर देती हैं। ऐसा न हो इसके लिए हम आपके लिए कुछ ख़ास ब्यूटी टिप्स लेकर आए हैं जिससे आपकी स्किन चमक से शाइन करने लगेगी।

स्किन की डीप क्लीनिंग

बिजी लाइफस्टाइल के बावजूद अपनी त्वचा की नियमित सफाई करना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको सुबह और रात को अपने चेहरे को एक अच्छे फेस वॉश से धोएं ताकि त्वचा पर जमी गंदगी, धूल और तेल साफ हो सके। अगर आपकी स्किन सेंसटिव है, तो माइल्ड और हाइपोएलर्जेनिक क्लीनर का उपयोग करें।

हाइड्रेशन पर ध्यान दें

हाइड्रेटेड त्वचा ही स्वस्थ और चमकदार त्वचा होती है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं।अपने चेहरे और शरीर पर नियमित रूप से हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर लगाएं, खासकर सोने से पहले। पानी पीने के शरीर को और भी गजब के फायदे मिलते हैं। हो सके तो सुबह खाली पेट जरूर गुनगना पानी पीना चाइए।

जल्दी और प्रभावी स्किनकेयर रूटीन

समय की कमी के बावजूद एक सरल और प्रभावी स्किनकेयर रूटीन बनाए रखें। ऐसे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करें जो एक साथ कई काम करें, जैसे कि मॉइश्चराइजर में एसपीएफ (सूरज से बचाव) शामिल हो। टोनर और सीरम को अपने ग्लोइंग स्किन के लिए उसे करे। जल्दी-जल्दी इस्तेमाल किए जाने वाले टोनर और सीरम भी आपकी स्किन को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

संतुलित आहार अपनी डाइट में शामिल करे

आपकी त्वचा की सुंदरता आपके आहार पर भी निर्भर करती है। ऐसे में फ्रूट्स और वेजिटेबल्स को अपनी डाइट में शमिल करे। अपने आहार में ताजे फल और हरी सब्जियाँ शामिल करें, जो त्वचा को आवश्यक पोषण प्रदान करती हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे बेरीज, नट्स और हरी चाय का सेवन करें, जो स्किन को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं।

फेस मास्क शीट्स

फेस मास्क शीट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह कम समय में ही स्किन को डीप नरिशमेंट दे देता है। मार्केट में कई तरह के मास्क उपलब्ध हैं। इनमें से अपनी स्किन के मुताबिक मास्क चुनें और उसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। इसके रोज इस्तेमाल से आपके चेहरे का ग्लो कभी भी कम नहीं होगा।वर्किंग विमिन कीबिजी लाइफस्टाइल के बावजूद, अपनी त्वचा और सुंदरता का ध्यान रखना संभव है। ऊपर दिए गए ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और खूबसूरत बनाए रख सकती हैं।

शरीर के लिए होती है बहुत फायदेमंद गुलाब की चाय

गुलाब को सिर्फ सुंदरता का प्रतीक ही नहीं माना जाता, बल्कि यह तरह-तरह के व्यंजनों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे मिठाइयों को सजाने से लेकर गुलकंद बनाने और इसकी सूखी पंखुड़ियों से शरबत बनाने तक, कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा, ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी गुलाब का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुलाब की चाय पीने से सेहत को कई फायदे मिल सकते हैं?

गुलाब की चाय में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, आयरन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इस चाय के नियमित सेवन से वजन कम करने में भी मदद मिल सकती है। आइए जानें इसके कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में। गुलाब की चाय पीने के फायदे

● वजन घटाने में मददगार

रोज टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी पाचन को बेहतर बनाते हैं और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। यह शरीर में फैट जमा होने को रोकता है और वजन घटाने में मदद करता है। इसके अलावा, रोज टी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे वेट लॉस करने वाले लोगों के लिए इसे डाइट में शामिल करना सेफ होता है।

● त्वचा की चमक बढ़ाए

गुलाब में मौजूद विटामिन सी त्वचा को कोलेजन प्रोडक्शन में मदद करता है, जिससे त्वचा टाइट और यंग दिखती है। यह फ्री रेडिकल्स से लड़कर त्वचा को नुकसान से बचाती है और दाग-धब्बों को कम करती है। रोज टी का नियमित सेवन त्वचा को हाइड्रेट रखता है और उसे नेचुरन शाइन देने में मदद करता है।

● स्ट्रेस भी होगा कम

रोज टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं। यह मूड को बेहतर बनाते हैं और नींद की गुणवत्ता में भी सुधार करते है। बिजी लाइफस्टाइल में तनाव से दूर रहने के लिए रोज टी एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकती है।

● डाइजेशन को बनाए स्ट्रांग

रोज टी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं। यह कब्ज, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं से भी राहत दिलाती है।

● हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

रोज टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है।

नए लोगों के लिए योग प्लान, कौन से आसन से करें शुरुआत

पहला दिन- ताड़ासन शुरुआती लोगों के लिए आदर्श है। इसमें सीधा खड़े होकर गहरी सांस लेनी होती है। ताड़ासन शरीर की मुद्रा सुधारता है, पैरों को मजबूत करता है और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखता है।

दूसरा दिन- दूसरे दिन की शुरुआत भुजंगासन से करें। पेट के बल लेटकर ऊपर की ओर उठने वाला यह आसन रीढ़ की लचक बढ़ाता है और पीठ दर्द में आराम देता है। यह आसन तनाव कम करने और फेफड़ों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

तीसरा दिन- वज्रासन का अभ्यास खाने के बाद किया जाता है, जो पाचन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी है। इसमें घुटनों के बल बैठकर ध्यान केंद्रित करने से मन शांत होता है और मानसिक स्थिरता मिलती है।

चौथा दिन- योग चैलेंज के चौथे दिन त्रिकोणासन का अभ्यास करें। यह आसन शरीर को खिंचाव देता है और कमर व पेट की अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करता है। नियमित अभ्यास से लचीलापन बढ़ता है और ऊर्जा का स्तर भी ऊँचा रहता है।

पांचवां से सातवां दिन-अगले तीन दिनों में आप पश्चिमोत्तानासन, सेतुबंधासन और शवासन का अभ्यास कर सकते हैं। पश्चिमोत्तानासन शरीर को डिटॉक्स करता है, सेतुबंधासन हृदय और छाती को मजबूत करता है और शवासन मानसिक शांति का सबसे बड़ा साधन है।

बच्चे की देखभाल के लिए नैनी रखते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

देखा जाए तो हमारे देश में नैनी की परंपरा काफी पुरानी रही है। पहले इन्हें 'धाय मां' कहकर पुकारा जाता था। राणा सांगा की पन्ना धाय मां तो अपनी कर्तव्य परायणता और त्याग के कारण इतिहास में अमर हो गईं। आज यही धाय मां मॉडर्न 'नैनी' का अवतार ले चुकी है।

आम परिवारों में भी नैनी रखने का प्रचलन बढ़ चला है, जिसका एक बड़ा कारण संयुक्त परिवार के ढांचे का बदलकर एकल परिवार हो जाना है। साथ ही महिलाएं भी काम पर जा रही हैं, ऐसे में बच्चों की देखभाल, उन्हें स्कूल से लाने, ले-जाने जैसे काम नैनी के जिम्मे होते जा रहे हैं। इन हालात में यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि आप किसी भरोसेमंद और सही महिला को ही अपने बच्चे की देखभाल के लिए नियुक्त करें तो अच्छा है, क्योंकि आधुनिक होते इस जमाने में अपराध भी आधुनिक होते जा रहे हैं। ऐसे में आपके जिगर के टुकड़े की जिम्मेदारी किसी दूसरे को सौंपना यकीनन आम बात नहीं है। आप बच्चे से दूर रहकर अपने काम पर भी तभी ध्यान दे पाएंगी, जब बच्चे की देखभाल कर रही नैनी से पूरी तरह संतुष्ट होंगी। इसलिए चाहें किसी भी माध्यम से आप नैनी रखने वाली हों, कुछ बातों का ध्यान तो रखना ही होगा।

सबसे पहले पड़ताल- आप अपने बच्चे को यूं किसी के पास छोड़कर नहीं जा सकतीं। इसलिए किसी भी नैनी को रखने से पहले उसकी पृष्ठभूमि की जांच अवश्य करें। अगर आप एजेंसी से नैनी हायर कर रही हैं तो केवल एजेंसी द्वारा पेश की जा रही जानकारियों पर भरोसा न करें, बल्कि अपनी ओर से उसके बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास करें। पता करें कि वह पहले कहां काम करती थी। ऐसा करके आप उसके बारे में काफी कुछ जान सकती हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि वह भरोसेमंद हो और उसे बच्चे को संभालने का अनुभव हो, विशेष रूप से उस उम्र के बच्चों का, जिस उम्र में आपका बच्चा है। इसके बाद सबसे जरूरी है उसके महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सत्यतता की जांच करना, जैसे कि आइडेंटिटी कार्ड, वोटर आईडी, पता, फोन नंबर, मेडिकल रिपोर्ट कार्ड और बाकी जरूरी दस्तावेज। जब आप सभी चीजों से संतुष्ट हो जाएं तो नैनी के साथ एक लिखित अनुबंध बनाएं, जिसमें उसकी जिम्मेदारियां, समय और वेतन संबंधी सभी बातें स्पष्ट हों। आप लिखित अनुबंध और उसके सभी दस्तावेजों की एक या दो कॉपी अपने पास सुरक्षित रखें।

स्वास्थ्य और सुरक्षा की जानकारी- आप नैनी को बच्चे की जिम्मेदारी सौंपने जा रही है। तो जरूरी है कि आप यह सुनिश्चित करें कि वह प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन स्थिति में बच्चे की सुरक्षा के प्रति कितनी सचेत है। क्या वह जरूरत पड़ने पर आपके या अन्य संपर्कों के नंबर पर घर की वस्तुस्थिति से अवगत करा सकती है? अगर बच्चे की लिए पढ़ाई के लिए डिजिटल साधनों के उपयोग की आवश्यकता है तो देखें कि नैनी को उसकी जानकारी है या नहीं। साथ ही छोटे बच्चों के लिए वह कितनी साफ-सफाई बरतती है और खुद किसी बीमारी से पीड़ित तो नहीं है?

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

सोमवार, 8 सितंबर, 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके1947 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वर्षा ऋतौ अश्विन मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, प्रतिपदा तिथौ सोम वासरे 21/12/ पूर्वा भादपद्र नक्षत्रे 20/03/ धृति योग 06/30/ बालव करणे 10/25/ मीन राशिगत चन्द्रमा घं.14मि.29पर।

व्रत एवं त्यौहार - पचंक। अश्विन मास कृष्ण पक्षारम्भ। प्रतिपदा श्राद्ध। अश्विन मास में दूध का त्याग करना चाहिए।

मेष : यात्राओं से लाभ होगा। बिगड़े कार्मों में प्रगति होगी। कार्यों में सुचारुता रहेगी। कार्यों में आशंकाएं रहेगी।

वृष : श्रेष्ठजनों का सहयोग रहेगा। रुके धन की प्राप्ति होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। घरेलू सुख उत्तम रहेगा।

मिथुन : स्वास्थ्य नरम रहेगा। आकस्मिक व्यय होगा। कार्य बंधन से मन में खिन्नाता रहेगी। वाद-विवाद व आरोप का भय होगा।

कर्क : रुके धन की प्राप्ति होगी। कारोबारी प्रगति होगी। स्वजन हित पीडा देंगे। निजी कार्यों में प्रगति होगी। प्रसन्न रहेंगे।

सिंह : रचनात्मक प्रवृत्ति बढ़ेगी। अधीनस्थों से उपेक्षा मिलेगी। वाणिज्यिक कार्यों पर व्यय बढ़ेगा। आस्था बढ़ेगी।

कन्या : संदेह और संकोच नष्ट हो जाएंगे। नवीन योजनाओं के प्रति उत्साह प्रबल होगा। मनस्ताप भी समाप्त होंगे।

तुला : कारोबारी विषमता दूर होगी। धन प्राप्ति का मार्ग बनेगा। सम्मान प्राप्ति होगी। चोट का भय रहेगा।

वृश्चिक : भविष्य की योजनाएं पूरी होंगी। अभिभावकों की मदद मिलेगी। नये संपर्कों पर व्यय होगा।

धनु : आय व्यय समानता रहेगी। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। मनोकूल कार्य की सिद्धि होगी। सश्रम सफलता मिलेगी।

मकर : जनसंपर्क बढ़ेगा। संचित धन व्यय होगा। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। वृद्ध परिजन को स्वास्थ्य हानि मिलेगी।

कुंभ : दांपत्य सुख उत्तम। शासकीय सहयोग मिलेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। इच्छित वस्तु की प्राप्ति होगी।

मीन : आत्मबल बड़ा रहेगा। व्यय अधिक रहेगा। स्वजन विरोध दूर होगा। मित्राघात का भय होगा। घरेलू चिंताएं यथावत रहेंगी।

खबर एक नजर

रूपयों के लेनदेन को लेकर दबंगों ने दुकानदार को जमकर पीटा

अमावां, रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र में स्थानीय चौराहे पर फास्ट फूड का ठेला लगाने वाले एक दुकानदार से रूपयों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने दुकानदार को जमकर पीटा और ठेले पर रखे सामान में भी तोड़फोड़ कर दी। भुक्तभोगी दुकानदार ने सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मिल एरिया जाना क्षेत्र के पड़ई मजरे मखदुमपुर गांव का रामराज स्थानीय चौराहे के पास फास्ट फूड का ठेला लगाता है। शुक्रवार की रात 8.00 बजे रूपयों के लेनदेन को लेकर शुरू हुए विवाद में कुछ दबंगों ने रामराज को जमकर पीटा और ठेले में तोड़फोड़ भी कर दी। दुकानदार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। इस संबंध में इंस्पेक्टर अजय कुमार राय ने बताया मामला संज्ञान में है जांच पड़ताल की जा रही है।

बाधित चल रही बिजली आपूर्ति को लेकर क्षेत्र में हाहाकार मचा

अमावां, रायबरेली। लगातार दो दिनों से बाधित चल रही बिजली आपूर्ति को लेकर क्षेत्र में हाहाकार मच गया, और लोगों में आक्रोश भड़क उठा। शनिवार की रात आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीणों ने बिजली घर का घेराव कर दिया। अचानक पहुंची भीड़ के आक्रोश को देखते हुए बिजली कर्मियों ने खुद को बिजली घर के पावर रूम में बंद कर लिया। बिजली कर्मियों की रात के अंदर आपूर्ति दुरुस्त करने के आश्वासन और मान मनौव्वल के बाद आक्रोशित ग्रामीण घरों को लौटे। देर रात तक बिजली कर्मियों द्वारा बिजली की लाइन की मरम्मत का काम जारी रहा। रविवार की शाम को कर्मचारियों ने बिजली आपूर्ति बहाल कर ली। बीते रविवार की रात हुई जोरदार बरसात के दौरान 33 केवी विद्युत लाइन पर कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिर गई थी। जिसके चलते विद्युत लाइनों में बंधे इंसुलेटर खराब हो गए थे और बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। 2 दिन की मरम्मत के बाद एक दिन बिजली आपूर्ति बहाल हुई लेकिन फिर अगले ही दिन जगह-जगह पर इंसुलेटर के खराबी की वजह से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। क्षेत्र के 200 गांव के हजारों लोग लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने से बिलबिला उठे ग्रामीणों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया। लगातार बिजली आपूर्ति ठप होने से क्षेत्र में हाहाकार मच गया। शनिवार की रात 9.00 बजे सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने बिजली घर का घेराव कर दिया। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए बिजली घर पर मौजूद बिजली कर्मियों ने खुद को पावर रूम में बंद कर लिया। कई घंटे तक ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी रहा। काफी देर तक क्षेत्रीय बिजली कर्मियों द्वारा ग्रामीणों की मान मनौव्वल चलती रही और रात भर की मोहलत के बाद आक्रोशित ग्रामीण शांत हुए और अपने घरों को लौटे। दूसरी तरफ सारी रात बिजली कर्मचारी विद्युत लाइनों में हुए फॉल्ट ढूंढते रहे और उसकी मरम्मत करते रहे। इस संबंध में जेई अमन सिंह ने बताया विद्युत लाइनों में आए फाल्ट की मरम्मत कर ली गई है। शाम 3.00 बजे क्षेत्रीय बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिफ्तार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली पुलिस टीम ने रविवार को अंबारा पश्चिम मोड़ के पास एक युवक को 12 बोर के अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने अंबारा पश्चिम गांव निवासी ऋषभ सिंह उर्फ बच्चा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास एक 12 बोर का तमंचा व एक अदद जिंदा कारतूस बरामद हुआ। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली पुलिस टीम ने रविवार को सेमरपहा बाईपास के निकट से एक आरोपी को 13 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पूरे गुरदी का पुरवा मजरे कोरिहरा गांव का रहने वाले सचिन शिल्पकार को गिरफ्तार किया गया। उसके पास 13 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

किशोरी को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली पुलिस टीम ने नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि गत 28 अगस्त को कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक किशोरी को उन्नाव जनपद के मौरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिलौली गांव का रहने वाला आरोपी साहिल को गिरफ्तार किया गया। किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया गया। आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया।

कैंप कार्यालय के उद्घाटन में विधायक बोले-अभिलाष कौशल में परहित का भाव सभी के लिए अनुकरणीय

ऊंचाहार, रायबरेली। विधायक व प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ मनोज पांडेय ने रविवार को ऊंचाहार में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चन्द्र कौशल के कैंप कार्यालय के उद्घाटन में कहा कि यह कैंप कार्यालय कौशल के अंदर सेवा भाव को प्रदर्शित करता है। उनके अंदर परहित की भावना सभी के लिए अनुकरणीय है। विधायक ने कहा कि आम लोगों की सेवा करने के लिए और अपनी सुलभता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्यालय खोला गया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य सहित समस्त चराचर जगत के पालक और रक्षक ईश्वर है। मनुष्य तथा अन्य जीवों की सेवा करने से हम ईश्वरीय विधान की अनुपालना में योगदान देते हैं। इसीलिए सेवा को सभी धर्मों में पुण्य कर्म माना जाता है। सेवा के लिए परहित का भाव अनिवार्य है। ये भाव अभिलाष कौशल में है। इसी भाव से उन्होंने अपना कैंप कार्यालय खोला है। उन्होंने कहा कि सेवा वहीं सार्थक होगी, जो बिना किसी शर्त, निरुस्वार्थ भाव से संपन्न की जाए। इससे पूर्व विधायक का वहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप राजा जितेन्द्र सिंह, भोलेन्द्र शुक्ला, श्यामू अवस्थी, पंकज तिवारी, मनोज पाल, विजय पाल, गुड्डन यादव, हरेन्द्र पासी, जय चन्द यादव, राकेश पाल, विजय सोनी, विनीत मिश्रा, चन्द्रिका वर्मा, जग लाल गुप्ता, सुनील जायसवाल, लाल बहादुर पासी आदि लोग मौजूद रहे।

जनपद में दोनों पालियों में पीईटी.2025 की परीक्षा सकुशल सम्पन्न

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ ने बताया कि उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पीईटी-2025 हेतु जनपद में बनाए गए 23 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों में परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि न्यू च्च्जू 2025 की प्रथम पाली में पंजीकृत-9888 के सापेक्ष 7989 अभ्यर्थी उपस्थित रहें तथा 1899 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। द्वितीय पाली में पंजीकृत 9888 के सापेक्ष 8101 अभ्यर्थी उपस्थित रहे व 1787 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। इस प्रकार आज की आयोजित दोनों पालियों की परीक्षा में पंजीकृत 19776 के सापेक्ष 16090 अभ्यर्थी उपस्थित रहें व 3686 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। दोनों दिन की चारों पालियों में कुल पंजीकृत 39552 के सापेक्ष 32050 अभ्यर्थी उपस्थित रहें व 7502 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था कंट्रोल रूम से जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी कैमरे द्वारा निगरानी की जा रही थी। कंट्रोल रूम में शिफ्टवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी तथा उनका पर्यवेक्षण करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी।

अयोध्या के बाबा रविशंकर दास बने गुरुबख्शगंज के दंगल केसरी

बाबा ने दिल्ली के रॉकी पहलवान को चटाई धूल, जीतीं कुल तीन कुश्तियां!

गाजीपुर की राकी पहलवान ने जीती महिलाओं की फाइनल कुश्ती, दर्शकों की भीड़ ने तोड़े सारे रिकार्ड!

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। गुरुबख्शगंज स्थित अवधेश्वर विद्यालय मैदान पर अनन्त चतुर्दशी के दिन आयोजित विराट दंगल प्रतियोगिता में अयोध्या के नामचीन पहलवान बाबा रविशंकर दास ने फाइनल मुकाबले में दिल्ली के रॉकी पहलवान को पटखनी देकर दंगल केशरी का खिताब अपने नाम किया। आयोजक समिति ने बाबा को इक्कीस हजार रु का नकद पुरस्कार दिया। बाबा रविशंकर दास ने फ इनल समेत कुल तीन कुश्तियां जीतीं। दंगल में महिला पहलवानों ने भी जमकर पहलवानी दिखाई। महिला पहलवानों की फ इनल कुश्ती गाजीपुर की ब्यूटी पहलवान ने जीती। उन्हें 11 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये दो दर्जन से अधिक महिला व पुरुष पहलवानों ने भी कुश्ती प्रतियोगिता मे प्रतिभाग किया। करीब 110 वर्ष पुराने दंगल का आयोजन बीते करीब दो दशक से सताँव के पूर्व प्रमुख उमेश प्रताप सिंह की अगुवाई

मे किया जा रहा है। मेदान्ता हॉस्पिटल मे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ धर्मेन्द्र सिंह एवं सताँव ब्लॉक प्रधान संघ की अध्यक्ष अमिता बाजपेई के पति वरिष्ठ समाजसेवी राजेश बाजपेई भी दंगल आयोजन मे बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व प्रमुख उमेश प्रताप सिंह ने अखाड़े मे लगा फीता काटकर कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। शाम सात बजे तक चली प्रतियोगिता में दो दर्जन से ज्यादा महिला व पुरुष पहलवानों ने कुश्ती कला का शानदार प्रदर्शन किया। अयोध्या से आये दिग्गज पहलवान बाबा रविशंकर दास ने दो कुश्तियां जीत ली थीं, लेकिन फ इनल मे उन्होने दिल्ली के रॉकी पहलवान से भी हाथ मिला लिया। बाबा ने राकी को पहले ही दाँव मे पस्त कर दिया और अन्ततः धूल चटाकर फ इनल कुश्ती भी अपने नाम कर ली। बाबा को आयोजन समिति ने दंगल केशरी का खिताब दिया और इक्कीस हजार रु का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया। महिला पहलवानों की फ इनल कुश्ती गाजीपुर की ब्यूटी पहलवान ने जीती। उन्हे ग्यारह हजार रु. नकद ईनाम मिला। दंगल मे स्थानीय पहलवानो ने भी हाथ आजमाये। इस बार दर्शकों की संख्या ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिये। बीस हजार से ज्यादा लोग मैदान व चौतरफा भवनों की छतों पर आखिरी कुश्ती तक डटे रहे। दंगल प्रतियोगिता के सफ ल आयोजन में राजू सिंह सहारा, रामू सिंह व अन्य सहयोगियों की प्रमुख भूमिका रही। दंगल में उमेश सिंह के अलावा मुख्य रूप से राजेश बाजपेई, प्रमोद सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह, मोहन सिंह, आशुवेंद्र सिंह व सुन्दरम सिंह समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

निर्माणाधीन भवन से गिरे राजमिस्त्री और मजदूर की मौत, एक मजदूर घायल

प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल मजदूर को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित फायर स्टेशन के पास रविवार की शाम को निर्माणाधीन भवन में बड़ा हादसा हो गया। दूसरी मंजिल पर काम कर रहे तीन मजदूर अचानक छत का लेंटर टूटने से नीचे आ गिरे। हादसे में एक राजमिस्त्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक मजदूर रामू की जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के दीपेमऊ गांव निवासी व सपा नेता योगेश यादव के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। हाल ही में दूसरी मंजिल का लेंटर डाला गया था और छज्जे का निर्माण कार्य हो रहा था। इसी दौरान बिंदा सिंह का

पुरवा मजरे चचिहा गांव निवासी राजमिस्त्री रमेश प्रजापति उर्फ गुड्डू प्रजापति (45) पुत्र छंगालाल अपने साथी मजदूर रामू (45) निवासी चचिहा व रज्जब अली (45) निवासी ददरी के साथ कार्य कर रहा था, तभी अचानक छत का लेंटर टूटकर गिर गया और लेंटर के साथ तीनों करीब 25 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरे। तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने गुड्डू प्रजापति को मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों घायलों की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनो को जिला अस्पताल ले जाते समय एक मजदूर रामू (45) की रास्ते में मौत हो गयी। हादसे के बाद मृतक के परिवारों में कोहराम मच गया। राजमिस्त्री की पत्नी श्यामा, बेटे अमरेश और विशाल व बेटी मानसी का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनो मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एक घायल रज्जब अली को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले मे अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

खाद पर किसानों को भ्रमित कर रही सरकार-इ.वीरेंद्र यादव

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष इ. वीरेंद्र यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट में आयोजित हुई बैठक को सम्बोधित करते हुए ज़िलाध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने बूथों पर बूथ लेवल एजेंट बीएलए का चयन कर लें साथ ही स्नातक एमएलसी चुनाव में मतदाता बनाने में गति लायी जाय। उप्र सरकार द्वारा किसानो को यूरिया डीएपी खाद साधन सहकारी समितियों में उपलब्ध नहीं करायी गयी जिम्मेदार अधिकार झूठी सूचनाएँ देकर भ्रम फैला रहे, ड्रेनों की सफ़ाई न होने के कारण तराई क्षेत्र में जलभराव की समस्या से धान की फसल बर्बाद हो रही है। विधायक राहुल लोधी ने कहा कि सरकारी मशीनरी जनहित के कार्यो से विरत होकर बीजेपी नेताओं के निर्देशों का पालन करती है। बैठक

में प्रदेश सचिव गिरधारी लाल लोधी ने कहा कि बीजेपी की गलत नीतियों से समाज का प्रत्येक वर्ग हताश एवं निराश है आम अवाम को समाजवादी पार्टी से ही उम्मीद है। इस अवसर पर नवनियुक्त समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के ज़िलाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश पासवान का पार्टी पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। बैठक को मिश्रीलाल चौधरी, ब्रजमोहन पासी, राजेश मौर्या, मो अरशद खान, राजेंद्र यादव, सुरजीत सिंह, बुधेन्द्र सिंह, मनीष देव पाल, अविनाश यादव, शुभम लोहिया, ब्रजेन्द्र चौधरी, राकेश यादव, योगेश्वर पटेल, मो सलीम ख़ान, नरेंद्र कुमार यादव, शकील मंसूरी, संदीप शुक्ला, रामनेवाज, अजय यादव, शुभम पाल, श्रवण आज़ाद, देवतादीन पासी, रेहान कज़यिाना, रामकिशोर पुजारी, शिवनारायण सोनकर, सतगुरु पासी, रवींद्र सिंह, देशराज यादव आदि ने संबोधित कर जनविरोधी बीजेपी सरकार की ग़लत नीतियों पर विचार प्रकट कर समाजवादी पार्टी के आंदोलन को मज़बूत करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर रामबरन लोधी, फिरोज अहमद, अरुण अम्बेडकर, चंद्र प्रकाश आज़ाद, संतोष यादव, राधेश्याम लोधी, सुमित यादव, अखिलेश बब्लू, राजेंद्र बहादुर, जितेंद्र यादव, मोसिराज, आदर्श यादव, विनोद यादव सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

देश को बचाने के लिए राहुल गांधी के हांथों को मजबूत करें-अतुल सिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अतुल सिंह ने विधानसभा ऊंचाहार के अपटा, गोंडा, सतहरा, मनिपुर भटेहरी आदि गांव में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी एवं कांग्रेस पार्टी की नीति के बारे में बताया एवं पौधरोपण किया। श्री सिंह ने कहा कि ऊंचाहार की जनता अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जब किसान अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसे लाठी मिलती है। किसानों की फसलों को आवारा पशु नष्ट कर रहे हैं और इसकी ओर कोई ध्यान देने या सुनने वाला नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि जननायक राहुल गांधी देश के संवैधानिक संस्थाओं को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बाबासाहेब अंबेडकर ने हमें संविधान में जो अधिकार दिए हैं, उन्हें खत्म करने का प्रयास मोदी सरकार कर रही है। आज पूरे देश में गांव.गांव एक नारा गूंज रहा है, वोट चोर, गद्दी छोड़। क्षेत्रीय विधायक जनता को गुमराह करने के लिए दूसरों द्वारा किए गए कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं,

लेकिन जनता सब समझ रही है। इसके बाद श्री सिंह ने पौधरोपण कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सचिव शैलेन्द्र सिंह, पूर्व डीएसपी आरएन गौतम, राकेश यादव, राम दत्त पांडे, पंकज सिंह, लल्लन सिंह, नरेंद्र सिंह, विमलेंद्र बाजपेई, संतोष मौर्य, धीरेंद्र यादव, डॉ संदीप लोधी, शिव बहादुर यादव, डिंपल सिंह, अखिलेश पाल, दिनेश मौर्य, अक्षय गौतम आदि सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

छः बार चेतावनी नोटिस देने बाद भी नही बन्द हुआ अमान्य विद्यालय का संचालन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। गुरुबख्शगंज-रायबरेली मार्ग पर चंदई रघुनाथपुर चौराहे के निकट बिना मान्यता संचालित अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल बंद कराने के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबन्धक व प्रधानाध्यापक को जुलाई 2023 से अब तक छः बार चेतावनी नोटिस जारी की, लेकिन स्कूल का संचालन बदस्तूर जारी है। चन्दई रघुनाथपुर चौराहे के पास एक निर्माणाधीन भवन के बेसमेन्ट व छत पर वर्ष 2022 मे छोटे बच्चों के एक स्कूल का संचालन शुरू हुआ था। शुरुआत मे स्कूल मैनेजमेंट ने बताया कि मान्यता के लिए आवेदन किया गया है, लेकिन जब पूरे सत्र मान्यता नहीं मिली तो 22 सितम्बर 2023 को खण्ड शिक्षाधिकारी ने अमान्य विद्यालय बंद करने और नामांकित बच्चों को पास के परिषदीय स्कूल मे दाखिल कराने की नोटिस जारी की। विद्यालय संचालकों पर इसका कोई असर नही हुआ तो 12 मार्च 24, सात सितम्बर 24, 31 जनवरी 25, 23 अप्रैल 25 व 30 अगस्त 25 को कुल छः बार खण्ड शिक्षाधिकारी ने चेतावनी पत्र जारी किये। अन्तिम पत्र मे खण्ड शिक्षाधिकारी ने स्कूल के प्रबन्धक व प्रधानाचार्य को चेतावनी दी है कि वे विद्यालय संचालन बंद करके बच्चे परिषदीय स्कूल मे दाखिल करायें और सौ रुपये के स्टैम्प पर शपथ पत्र दें कि स्कूल संचालन बंद कर दिया है। ऐसा न करने पर स्कूल संचालकों के विरुद्ध एफ आईआर करा दी जायेगी और एक लाख रुपये तक का अर्थदण्ड भी वसूला जायेगा। यद्यपि इस नोटिस के बाद अभी भी स्कूल संचालन बंद नही किया गया है।

पीएम को पत्र भेजकर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ करेगा कानून में संशोधन की मांग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। बेसिक शिक्षा विभाग में सेवा के कई दशक बीतने के बाद अब शिक्षकों को अध्यापक पात्रता परीक्षा टीईटी परीक्षा पास करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। अब इस आदेश के बाद शिक्षकों की तरफ से प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र भेजकर नियमों में संशोधन करने की मांग की जा रही है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की तरफ से भी 11 सितंबर को ज्ञापन दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष राघवेंद्र यादव ने कहा कि नौकरी में आने के बाद टीईटी की अनिवार्यता को थोपना उचित नहीं है। उन्होंने इसकी तुलना खेल से करते हुए कहा कि जैसे खेल शुरू होने के बाद नियम नहीं बदले जा सकते, वैसे ही यह निर्णय भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक पात्रता परीक्षा के सम्बंध में 01 सितंबर 2025 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया है। इस निर्णय का प्रभाव देश तथा प्रदेश के लाखों बेसिक शिक्षकों पर पड़ेगा। यह आदेश शिक्षकों के हितों के विपरीत प्रतीत होता है। दशकों से विभागीय सेवा शर्तों के साथ सेवा देते आ रहे शिक्षकों के हितों पर प्रति कूल प्रभाव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम एवं एनसीटीई अधिनियम लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से छूट प्रदान करने हेतु अधिनियम में संशोधन हेतु एक मांग पत्र देश के प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन 11 सितंबर को के जिलाधिकारी के माध्यम से दिया जाएगा। जिला महामंत्री सियाराम सोनकर ने कहा पीएम को ज्ञापन देने के बाद 13 से 26 सितंबर तक लोकसभा सांसदों एवं राज्य सभा सांसदों के माध्यम से भारत सरकार को संशोधन करने का मांग पत्र दिया जाएगा। कोषाध्यक्ष शिवशरण सिंह ने कहा कि अगर इसके बाद भी हम शिक्षकों की मांग पर भारत सरकार की तरफसे कोई ध्यान नहीं दिया जाता है और संशोधन हेतु कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो देश तथा प्रदेश का लाखों बेसिक शिक्षक अपनी मांगों हेतु देश की राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान अथवा जंतर मंतर पर अनवरतशांति पूर्ण धरना कानून में संशोधन होने तक किया जाएगा।

अमेठी सांसद केएल शर्मा ने किया रेल ओवर ब्रिज का निरीक्षण, बोले अब नहीं टूटेगा पुल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। अमेठी के सांसद किशोरीलाल शर्मा ने रविवार को बांदा से टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईपास पर बने रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यह पुल कस्बे के लोगों और व्यापारियों की बड़ी जरूरत था। लंबे समय से इसके पुनर्निर्माण की मांग उठ रही थी। उन्होंने बताया कि दिशा की बैठक में सांसद राहुल गांधी ने इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाया था। उसी का नतीजा है कि आज पुल फिर से यातायात के लिए तैयार है। श्री शर्मा ने कहा कि ओवरब्रिज शुरू होने से कस्बे को जाम से बड़ी राहत मिलेगी। भारी वाहन अब नगर से होकर नहीं गुजरेंगे। इससे आम जनता को सुविधा होगी और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुल की गुणवत्ता

पर संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि मरम्मत के बाद यह पुल मजबूत ढंग से बनाया गया है और आशा है कि दोबारा नहीं टूटेगा। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री ने इस ओवरब्रिज का उद्घाटन किया था, लेकिन उद्घाटन के महज छः महीने बाद ही यह क्षतिग्रस्त हो गया था। उस घटना ने पूरे क्षेत्र को चिंता में डाल दिया था। सांसद ने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस जनता की सुविधाओं के लिए हमेशा गंभीर रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता है। इस मौके पर जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष निर्मल शुक्ला, सदर कोऑर्डिनेटर रोहित सिंह और जिला सचिव आकर्षण द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

सक्रिय बूथ इकाई है चुनाव में जीत की गारंटी-धर्मपाल सिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने रविवार को रायबरेली में मंडल अध्यक्षों तथा शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ बैठक कर पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियानों, कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। श्रीसिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले अभियानों और कार्यक्रमों को आमजमानस के बीच पहुंचाने में मंडल इकाई की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मंडल स्तर पर सशक्त संगठन के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, कार्यक्रम और अभियान जमीनी स्तर पर जीवंत रूप लेते है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए हमें अभी से संगठन की योजनानुसार अपनी तैयारियां पूर्ण करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा से जुड़ने वाले नए लोगों को जो अभी पार्टी के प्राथमिक सदस्य है, उन्हें भी विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक कार्यों में उनकी क्षमता के अनुसार सक्रिय कर अभियानों और कार्यक्रमों से जोड़ने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा पार्टी कार्यकर्ता भाजपा की पूंजी है। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि मंडल अध्यक्ष, शक्तिकेन्द्र संयोजक तथा बूथ अध्यक्षों को नियमित रूप से एक निश्चित समय पर बैठक करके संगठनात्मक कार्यों को गति देने के लिए कार्ययोजना बनानी चाहिए। ताकि प्रत्येक कार्यक्रम प्रभावी ढंग से पूर्ण हो। मंडल से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं की सक्रियता संगठन की मजबूती का आधार है। उन्होंने कहा बीएलए-2 के पास मतदाता सूची होना चाहिए और मतदाता सूची की पूरी मैपिंग भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही बूथ समिति के पास बूथ के एक-एक मतदाता की पूरी जानकारी भी होना चाहिए। बूथ पर केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा ऐतिहासिक निर्णयों के आमजन से चर्चा कर

सरकार के लोककल्याणकारी कार्यों के बारे में बताना चाहिए। श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सक्रिय बूथ इकाई चुनाव में जीत की गारंटी है। इसीलिए सभी को बूथ जीता चुनाव जीता को लक्ष्य बनकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा बूथ स्तर पर सभी महापुरूषों की जयंती मनाई जाए तथा स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। बूथ पर निवास करने वाले प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल के सभी पदाधिकारियों, मोर्चा पदाधिकारियों को भी नियमित कार्यक्रमों से जोड़ा जाना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बुद्धि लाल पासी ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों में प्रमुख रूप से राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, सदर विधायिका अदिति सिंह, ऊंचाहार विधायक मनोज कुमार पांडेय, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह, पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, रामलाल अकेला, पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा, आरबी सिंह, रामदेव पाल, शरद सिंह, देवेन्द्र सिंह, विशाल पाण्डेय, जन्मेजय सिंह, विवेक शुक,ए विजय सिंह, दलबहादुर सिंह, अमरेश मौर्या उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

स्वतंत्र भारत बाराबंकी। दरियाबाद क्षेत्र से पूर्व विधायक श्रद्धेय राधेश्याम वर्मा जी की 15वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर उन्हें विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किया। पूर्व विधायक श्रद्धेय राधेश्याम वर्मा जी का संपूर्ण जीवन जनता की सेवा और समाजहित के कार्यों को समर्पित रहा। और वह इतने विनम्र स्वभाव के थे कि समाज का हर तबका उनसे जुड़ा रहता था। वह ऐसे थे कि समाज में किसी का भी काम होता था वह किसी को मना नहीं करते थे और उसके काम के लिए हर सम्भव प्रयास करते थे। वह समाज के प्रत्येक जाति-धर्म के लोगों से जुड़कर कार्य करते थे। उनके दिल में जिसके लिए जो बात होती थी वह उससे खुलकर कह देते थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में समाज के हर वर्ग के लिए बढ़-चढ़कर कार्य किया। लोगों से तालमेल बनाकर रखा। उनका संघर्ष, सरलता और

जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पूर्व विधायक श्रद्धेय राधेश्याम वर्मा जी के सुपुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख संतोष वर्मा ने आये हुए सभी लोगों का बढ़-चढ़कर सम्मान किया। और उनके बड़े भाई दिनेश वर्मा ने सभी को आदर सत्कार से बैठाया। और अपने पिता पूर्व विधायक श्रद्धेय राधेश्याम वर्मा जी के बारे में चर्चा की। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में समाज के हर वर्ग के लोगों ने आकर विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किया। जिसमें शामिल पूर्व विधायक राम मगन रावत, पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप, सदर विधायक सुरेश यादव, जैदपुर विधायक गौरव रावत, सपा जिलाध्यक्ष हाफिज आयाज, पूर्व एमएलसी राजेश यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेंद्र वर्मा व समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों ने पहुंचकर पूर्व विधायक श्रद्धेय राधेश्याम वर्मा जी को विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भाजपा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं सब बर्बाद कर दिया : गौरव रावत

स्वतंत्र भारत, सिद्धौर बाराबंकी। ब?ती महंगाई, बेरोजगारी को लेकर जनता में भाजपा सरकार से भारी नाराजगी है। भाजपा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं सब बर्बाद कर दिया। उक्त विचार विधानसभा जैदपुर के अंतर्गत सिद्धौर ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम नयोछना में आयोजित पी0डी0ए0 पंचायत में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक गौरव कुमार रावत ने उपस्थित लोगों में व्यक्त किये। श्री रावत ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी, दोषपूर्ण जीएसटी और भारी टैक्स का मामला लम्बे समय से उठा रहे है। दोषपूर्ण जीएसटी के कारण महंगाई बहुत ब? गयी है। आखिरकार सरकार को जीएसटी की खामियों को स्वीकार करना प?ा। जीएसटी ने व्यापार और व्यापारियों को बर्बाद कर दिया। सरकार बताए कि जनता और व्यापारियों पर जीएसटी थोपने का फैसला किसी

सलाह पर लिया था। भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। लोगों को बिजली महंगी मिल रही है। प?ाई और इलाज महंगा हो गया है। भाजपा सरकार की महंगाई से गरीब, किसान, मध्यम वर्ग परेशान हो गया है। समाजवादी पार्टी का जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने अपने संबोधन में कहा आगामी 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत से बनने जा रही है। आप सभी लोग इसी तरह समाजवादी पार्टी के लिए मेहनत कर समाजवादी पार्टी का प्रचार करें। स्वामी रामकरन यादव जी की अध्यक्षता में हुई उक्त पीडीए पंचायत में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम वर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेश चंद्र गौतम, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उबेद शानू, ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, फारूक प्रधान, पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी मोहम्मद आरिफ, नगर अध्यक्ष अखिलेश यादव, पूर्व अध्यक्ष बादशाह, ब्लाक अध्यक्ष अखिलेश यादव, जिला उपाध्यक्ष कामता यादव, जिला उपाध्यक्ष रिजवान संजय, मोहम्मद आफाक, पूर्व लो0वा0 अध्यक्ष अंकित वर्मा, महिला सभा राष्ट्रीय सचिव रीता वर्मा, व्यापार सभा जिला अध्यक्ष निर्मल वर्मा, मोबिन सिकंदर प्रधान, शरीफ कुरैशी प्रधान, मास्टर चंद्रेश, पिंटू वर्मा अलीगढ़, राहुल कश्यप, मनोज वर्मा पिंटू, राजेश वर्मा प्रधान, हृदय राम यादव, बेचन लाल वर्मा, रामचंद्र रावत, मनोज वर्मा, डॉ विजयपाल, सर्वेश यादव, भवानी फेर, राजेंद्र वर्मा, मनोज वर्मा, चंद्रशेखर यादव, लालजी वर्मा, श्रवण कुमार वर्मा, रामराज यादव, राम नारायण वर्मा समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

खबर एक नजर

धुआं करने से रोकने पर दो भाइयों की पिटाई

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली हैदरगढ़ के पिचूरी गांव में शनिवार की देर रात धुंआ धक्कड़ से रोकने पर दो भाइयों की घर में घुसकर पिटाई कर दी गई। घायल साहब सरन ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की गुहार लगायी हैं। पीड़ित ने बताया कि उसकी आंख में लेंस पड़ाहुआ है। रात में वह अपने घर के बाहर लेटा था। पड़ोसी दयाराम आग जलाकर धुंआ करने लगा। पीडित के मना करने पर दयाराम उसके बेटे बउवा, छोटू, रामरतन व उसके अन्य परिवारीजनों ने उसे मारना शुरू कर दिया। पीड़ित का भाई राम सरन बचाने आया तो उसे भी लहूलुहान कर दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया है।

पितरों की याद में लक्ष्य फाउंडेशन करेगा वृक्षारोपण

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। लक्ष्य फाउंडेशन के तत्वाधान मे पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों की याद मे क्षेत्र के विभिन्न स्थनों पर लक्ष्य फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा पौधे लगाकर पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी जायेगी रविवार को लक्ष्य फाउंडेशन की बैठक मे यह निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के संयोजक आदर्श अवस्थी सोनू ने बताया कि लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा पुरे पितृ पक्ष मे पूर्वजों की याद मे पौधेरोपण कर पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी जायेगी पूर्वजों की याद मे रोपित किये गए पौधे से लोगो का भावनात्मक लगाव रहेगा जिससे लोग उन पौधों की ज्यादा देखभाल करेंगे और वो पौधे जल्दी तैयार होकर धरती पर हरियाली बढ़ाने का कार्य करेंगे। मुख्य रूप से हर्षवर्धन सिंह शशांक दीक्षित, ब्रजेश शुक्ला मन्नू, लवकुश, अभिषेक श्रीवास्तव अपना सहयोग प्रदान करेंगे। बैठक में लक्ष्य फाउंडेशन के अध्यक्ष पियूष मिश्रा, शिवा सिंह, विष्णु शुक्ला, तन्मय शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

महिला की सर्पदंश से मौत

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के टिकरा मजरे लाही गांव में चार दिन पूर्व सर्पदंश का शिकार हुई महिला की रविवार को मौत हो गई जानकारी के अनुसार गाँव निवासी राम सुरेन्द्र रावत की 40 वर्षीय पत्नी फूलमती को बीती तीन सितंबर को घर के अंदर सांप ने काट लिया था। रविवार को इलाज के दौरान लोहिया अस्पताल लखनऊ में मौत हो गई।

पूर्णमासी मेले का हुआ आयोजन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के गुरसेल गांव में स्थित देवी मंदिर पर आज पूर्णमासी मेले का आयोजन हुआ। मेले में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। मंदिर परिसर और आसपास की सड़कों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग गई। श्रद्धालुओं को धूप में करीब दो घंटे तक खड़े रहना पड़ा। जाम की स्थिति से बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों के अनुसार, मेले के दौरान हर वर्ष यही समस्या उत्पन्न होती है। प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती। श्रद्धालुओं का कहना है कि पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और यातायात व्यवस्था की उचित देखरेख से इस स्थिति से बचा जा सकता था। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि भविष्य में होने वाले मेलों में बेहतर प्रबंध किए जाएं। इससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाला कन्हैया डोल

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। भादो मास के अंतिम रविवार को विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कस्बा बांसा में बद्रीदास बाबा कुटी से कन्हैया डोल भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाला गया। शौभायात्रा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों द्वारा जय कन्हैया लाल की हाथी घोडा पालकी के उदघोष करते हुए चल रहे थे। कन्हैया डोल निर्धारित मार्गो से घूमता हुआ देर शाम कुटी पर वापस जा कर समाप्त हुआ। बताते चले कि जन्माष्टमी के बाद ग्राम बांसा में में रोड पर स्थित बाबा से हर वर्ष भादो के अंतिम रविवार को कन्हैया डोल निकाला जाता हैं। आज रविवार को सैक?ो भक्तो ने डीजे की धुन पर मनमोहक झांकियो के बीच कन्हैया डोल निकाला गया। जो गांव के निर्धारित मार्गो से घूमता हुआ देर शाम बाबा कुटी पर आकर समाप्त हुआ। कन्हैया डोल के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों द्वारा जय कन्हैया लाल की हाथी घोडा पालकी के उदघोष करते चल रहे थे। इस दौरान भक्तो द्वारा जगह जगह प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामसिंह यादव, डॉ0 प्रेम प्रकाश वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, अनिल कुमार वर्मा, मन्नू राजपूत, पवन विश्वकर्मा, हुकुम सिंह यादव, मंशु राम चौहान, अमर सिंह वर्मा, राजेंद्र रावत, कमल रावत, रोहित रावत, नंद राम, संतोष रावत, पिंटू रावत, संजय यादव, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार %फाउंडेशन%द्वारा पटेल संस्थान, बाराबंकी स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी/पूर्व गृहमंत्री, अखंड भारत के निर्माता, भारतरत्न, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार ने ÷प्रत्येक माह के प्रथम रविवार प्रातः 10ः00 बजे 10 मिनट अपने पूर्वजों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम÷के अंतर्गत प्रातः 10ः00 बजे स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों के साथ माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ की गई, साथ ही साथ जनपद के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद किया गया व बताया गया की राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों/शहीदों की याद में आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे। कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार जी ने सरदार पटेल जी के जीवन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष जमीलुररहमान ने किया। इस मौके पर सेनानी परिवार के संरक्षक डॉक्टर राजकुमार जी ने अपने बाबा महान स्वतंत्रता सेनानी/पूर्व एमएलसी स्व.पुत्तू लाल वर्मा जी के जीवन की वीरगाथा का भी विस्तार पूर्वक वर्णन किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सर्व श्री श्रवण कुमार वर्मा जी, महामंत्री भारत भूषण जी, संरक्षक डॉ राजकुमार जी, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार जी, उपेंद्र कुमार जी, नवाबगंज तहसील प्रभारी अरुण कुमार वर्मा जी, शैलेश कुमार जी, नगर अध्यक्ष जमीलुररहमान जी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विशेष कथा का आयोजन

स्वतंत्र भारत जैदपुर बाराबंकी। कस्बा जैदपुर मे अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विशेष कथा का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने कथा श्रवण के बाद पूजा-अर्चना की। कस्बे के अहिरान मोहल्ले मे स्थित मंदिर मे पूजा अर्चना के बाद शाम 5 बजे मोहल्ले का भ्रमण भी किया गया।

तहसील सिरौलीगौसपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सिरौलीगौसपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर श्रीमती प्रीति सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव सहित जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने जनशिकायतों को सुनते हुए अधिकारियों से कहा कि मा0मुख्यमंत्री जी द्वारा समय समय पर बैठकों आदि के माद्यम से आम जन मानस की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए गए इस क्रम सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर आवेदक की उपस्थिति में जांच करते हुए करेंगे जन शिकायत के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं से फोन पर फीडबैक लेकर यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें समाधान से संतुष्टि मिली है या नहीं। जिलाधिकारी ने भूमि संबंधी मामलों, राशन कार्ड, आवास, पेंशन, चकमार्ग, रास्ते तथा नाली जैसी समस्याओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। खतौनी में नाम आदि की त्रुटियों को भी शीघ्र सुधारने के लिए कहा। जिलाधिकारी द्वारा निम्नलिखित शिकायतकर्ताओं की समस्यायों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय पुत्र लल्लू निवासी लालपुर मजरे भरथीपुर ङ्क परिवार के 05 सदस्यों हेतु राशन कार्ड जारी किए जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी ने जिलापूर्ति अधिकारी के माध्यम से तत्काल राशन कार्ड जारी कर उपलब्ध कराया।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। ज़िले के घूंघटेर थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव में एक 55 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक गांव के बाहर बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। परिजन उसे तुरंत लखनऊ के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान धौरहरा निवासी मोहन लाल (55 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र मनोज ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि तीन सितंबर को उनके पिता लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर स्थित एक रिश्तेदार के घर जाने की बात कहकर निकले थे। शुक्रवार शाम गांव के लोगों ने उन्हें बेहोशी की हालत में देखा। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि उस समय उनके मुंह से झाग निकल रहा था। तत्काल उन्हें लखनऊ के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र मनोज ने पिता की मौत पर सवाल उठाते हुए पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिता की मौत सामान्य नहीं लग रही है, इसलिए पूरी जांच कराई जाए।

शांति के साथ सम्पन्न हुआ मेला

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। जश्ने ईद मिलादुन्नबी एव चेहल्लुम को लेकर कस्बा सहाबपुर मे चल रहे 4 दिवसीय मेले मे शांति व्यवस्था बनी रहे जिसको लेकर देर रात्रि क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ एव प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने मेला परिसर का भ्रमण किया इस दौरान ग्राम प्रधान अनीस अफजाल अंसारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। बताते चले कि मुस्लिम बाहुल्य ग्राम पंचायत सहाबपुर मे बारह रबी उल अव्वल के मौ? पर हजरत इमाम हुसैन की सहादत की याद मे चेहुलुम मनाया जाता है जो विगत 4 दिनों तक मेला चलता है। शनिवार को देर शाम कस्बा शहाबपुर में चल रहे चार दिवसीय मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ एव प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने मेला भ्रमण कर दुकानदारों से मिलकर शांति व्यवस्था व सुरक्षा के लिए आश्वस्त किया। प्रधान प्रतिनिधि हाजी अनीस अफज़ाल अंसारी ने प्रशासनिक अधिकारियों का मेला सुरक्षा व्यवस्था के चलते पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर शदाब अंसारी, रेहान अंसारी, फैसल अंसारी, मो हमजा, सुभम सिंह, प्रवीण वर्मा, आदि भ्रमण में मौजूद रहे।

विवाहिता को घर से निकाला

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। दहेज के लोभियों ने एक महिला से दहेज चार पहिया वाहन की मांग की, पूरी न होने को लेकर मारपीट कर घर से भगा, पीड़ित ने थाना जैदपुर में शिकायत करते हुये उक्त आरोप लगाया है, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है, ज्ञात होकि आरती देवी पत्नी मनीष कुमार पुत्री रामकुमार ग्राम खालिकपुरवा मचौची थाना जैदपुर ने शिकायत करते हुये जैदपुर थाने में बताया कि उसकी शादी 5 वर्ष हुऐ मनीष कुमार पुत्र राजेश कुमार निवासी ग्राम नये? पुरवा आदमपुर थाना कोठी के साथ हुयी थी, और माता पिता ने हैसियत मुताबिक दान उपहार देकर बिदा किया था, शादी के कुछ माह बाद से उसके पति मनीष कुमार व सास मिथलेश कुमारी पत्नी राजेश कुमार व ससुर राजेश कुमार पुत्र स्वा0 देवकली प्रसाद व ददिया सास दुर्गी पत्नी स्व0 देवकली प्रसाद दहेज में चार पहिया वाहन की मांग करके गालियां देने लगे तथा मारने पीटने लगे और जान से मारने की धमकी देते रहे, ।

दो घरों से नकदी व जेवरात की चोरी

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के हैदरगढ़ रायबरेली मार्ग पर बहुताधाम गेट के निकट स्थित दो घरों में बीती रात हुई चोरी में चोर हजारों की नगदी सहित लाखों रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवरात लेकर चंपत हो गए। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार गेट के निकट कबूलपुर गांव में सड़क के किनारे खेतों में मुख्यमंत्री आवास में रहने वाले रामनरेश राजपूत का परिवार एवं उनके घर आई साली और सास शनिवार की रात खाना खाने पीने के बाद बरामदे में पड़े तख्तों पर लगे बिस्तरों पर सो गए। सुबह 5:30 उठने पर कमरे का दरवाजा खुला मिला और बक्शो का सामान अस्त-व्यस्त मिला। पीड़ित ने बताया की चोर लगभग 8000 की नगदी के अलावा उनकी पत्नी साली और सास की लगभग ढाई लाख रुपए कीमत के जेवर चुरा ले गए। इस घटना को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद चोरों ने बहुता गेट के निकट मोती का पुरवा गांव में सड़क के किनारे ही स्थित सुशील कुमार पुत्र स्व0 लक्ष्मी नारायण शुक्ला के घर में धावा बोला यहां पर चोर पिछवाड़े से खिड़की के सहारे दीवार फांदकर घर में घुसे और कमरे का दरवाजा खोलकर बक्सों में रखें लगभग 5000 के अलावा सोने चांदी के हजारो रुपए कीमत के जेवर चुराने के बाद घर के मुख्य दरवाजे को खोलकर फरार हो गए। पीड़ित शुशील कुमार की मां ने बताया कि रात्रि लगभग 1:00 बजे दरवाजे पर बंधी उनकी बछिया खुले दरवाजे से अंदर आ गई और आवाज करने लगी। जिससे नींद खुल गई तब चोरी का पता चल सका। पीड़ितों द्वारा इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई सूचना पाकर पहुंची पुलिस द्वारा छानबीन की गई। पीड़ित रामनरेश ने बताया इस दौरान पुलिस द्वारा उनके घर के निकट हंसराज रावत के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग भी देखी गई जिसमें रात्रि लगभग 12:00 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति के अलावा रात्रि लगभग 1:00 बजे के करीब तीन अन्य संदिग्ध व्यक्ति कैमरे की रिकॉर्डिंग में कैद हुए हैं।

किसान, नौजवान, छात्र, महिलाएं व व्यापारी सहित हर जाति धर्म संप्रदाय के लोग बदलाव चाहते है : सुरेश

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। जिस गर्मजोशी से नौजवान छात्र किसान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ जुड़ रहे हैं यह इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल रही है किसान, नौजवान, छात्र, महिलाएं व व्यापारी सहित हर जाति धर्म संप्रदाय के लोग प्रदेश में बदलाव चाहते है। उक्त विचार सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में आयोजित पार्टी की मासिक बैठक में व्यक्त किये। सदर विधायक में आगे कहा कि आज पूरा प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तारीफ कर रहा है उनके द्वारा किए गए कार्यो को याद कर रहा है अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों को मजबूत करने की अहम जिम्मेदारी हम सब के कंधों पर है इसलिए हर बूथ को मजबूत करना है एक-एक वोटर को मतदाता सूची में अंकित करने का काम करते हुए अपने वोट की रखवाली का काम भी करना है जिससे आने वाले

2027 के विधानसभा चुनाव में हम अखिलेश जी जिन नेतृत्व वाली सरकार का गठन कर सके। बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा ने कहा कि हम सबके कंधों पर 2027 की एक बड़ी जिम्मेदारी जिसके लिए हम सबको निरंतर संघर्ष करना होगा गांव गली तक अपनी बात पहुंचानी होगी जनता की समस्याओं को निरंतर उठाना होगा इस सरकार को सत्ता से बेदखल करने गांव गरीब किसान नौजवान महिला पुरुष सहित सभी वर्ग के लोगों को अखिलेश जी की नीतियों और कार्यो को निरंतर याद दिलाना होगा क्योंकि मौजूदा दौर में आम जनता महंगाई बेरोजगारी से परेशान है जिसकी सुनवाई कहीं नहीं। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा ने कहा कि जनता को दुख तकलीफों से निजात दिलाने के लिए हम सबको पूरी मेहनत लगन से कार्य करते हुए गांव के अंतिम घर तक अखिलेश यादव जी के विचारों को पहचाना होगा तभी हम सब का वह सपना साकार होगा जिसके लिए हम सब निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। मासिक बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने कहा आज पूरा उत्तर प्रदेश बेरोजगारी महंगाई भ्रष्टाचार अपराध से त्रस्त है बेरोजगारी आज प्रदेश में उस मुकाम पर है किसी भी हाथ को काम नहीं मिल पा रहा है महंगाई का हाल यह है हर व्यक्ति दो वक्त का भोजन भी नहीं कर पा रहा है गरीब कमजोर व्यक्ति कोई सुनने वाला नहीं हैं यही कारण है कि आज पूरा प्रदेश आशा भरी निगाहों से हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर देख रही है और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद कर रही है इसलिए हम सब की भी जिम्मेदारी है कि अपने नेता के कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश की जनता को इस सरकार से मुक्ति दिलाने एवं अखिलेश यादव जी को उत्तर प्रदेश का पुनः मुख्यमंत्री बनाने का रास्ता प्रशस्त करने के लिए पूरी ताकत झोक दे। बैठक में मुख्य रूप से विधायक गौरव कुमार रावत, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, पूर्व विधायक रतनलाल राव, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा, प्रदेश माही वर्मा, जाहिद मलिक सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भक्ति में बड़ी शक्ति होती है, भक्ति अमूल्य निधि है, : रामहेत

स्वतंत्रतभारत, जैदपुर बाराबंकी। भक्ति में बड़ी शक्ति होती है। भक्ति अमूल्य निधि है, जिसमें भक्त और भगवान एक दूसरे के करीब आ जाते हैं। इसके बिना ईश्वर को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उक्त विचार बुधवार को विकास खण्ड मसौली के ग्राम सिसवारा स्थित दिगम्बर नाथ मंदिर में चल रही श्रीमद भागवत कथा अमृत वर्षा में कथावाचक रामहेतु यादव ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भक्ति के भवसागर में गोते लगाकर भक्त को असीम सुख का अनुभूति होती है और ईश्वर की भक्ति से ही जीव को मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि जब तक भक्त के अंतर्मन एवं विचार में सच्ची श्रद्धा नहीं होगी, तब तक प्रभु की कृपा प्राप्त नहीं हो सकती। भक्ति ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण भाव है। मनुष्य की प्रभु के प्रति जैसी श्रद्धा होती है, उसी के अनुसार भक्त को प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। इस मौके पर श्रीमद भागवत कथा के आयोजक पूर्व प्रधान ओमकार यादव (कन्हैया जी), रामलाल यादव, लल्लू वर्मा, गोकुल वर्मा, ओमप्रकाश, भानुप्रताप, मनोज, प्रदीप कुमार यादव, ज्ञान सिंह, रोहित, अजय, अमरेश, इन्द्रसेन, राकेश, अवधेश लाइनमैन आदि लोग मौजूद रहे।

प्राण आहुति के साथ कथा का समापन

दिगम्बरनाथ मंदिर सिसवारा में चल रही भागवत कथा का समापन रविवार को हवन यज्ञ और भंडारे के साथ किया गया। कथास्थल पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली और फिर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य कमाया। कथावाचक रामहेतु यादव ने भंडारे के प्रसाद का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद तीन अक्षर से मिलकर बना है। पहला प्र का अर्थ प्रभु, दूसरा सा का अर्थ साक्षात व तीसरा द का अर्थ होता है दर्शन। जिसे हम सब प्रसाद कहते हैं। हर कथा या अनुष्ठान का तत्वसार होता है जो मन बुद्धि व चित को निर्मल कर देता है। मनुष्य शरीर भी भगवान का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी आयोजित

स्वतंत्र भारत जैदपुर बाराबंकी। हुजूर की आमद के मौके पर दुसरे दिन कस्बे में जगह-जगह दीनी आयोजन के साथ नातें तकरीर, मिलाद, जलसे कुरआन ख्वानी का प्रोग्राम चलता रहा, सजावत के साथ रोशनी का शानदार प्रदर्शन किया गया, बड़े बड़े गेट भी सजावट का हिस्सा बने रहे, जहां कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों के भारी संख्या में लोग देर रात तक मौजूद रहे। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मद्देनजर नगर पंचायत जैदपुर के पानी टंकी चमरहिया, बड़ी बाजार छोटा इमामबाड़ा, अहिरान, छोटी बाजार, बाजार कटरा, पचदरी बांध चौकी, बुढ़िया बाड़ा, मिल्लत नगर, सहित विभिन्न इलाकों में जमकर सजावत की गयी, साथ ही रोशनी से पूरा कस्बा रात भर जगमगाता रहा, ऊंट की घोड़े की सवारी की लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे, विभिन्न प्रकार की दुकानें लगायी गयी, जहां काफ़ी भीड़ जमी रही, मस्जिद सहित लोग अपने घरों को सजाकर हर्षोल्लास के साथ हुजूर की आमद का जश्न मनाते दिखे, क्षेत्र का हर मोहल्ला हुजूर की आमद की सदाओं गूंज उठा, बच्चों में काफी खुशी का माहौल बना रहा, जबकि क्षेत्र में कुछ राजनीतिक चेहरे भी देखने को मिले, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीओ सदर सौरभ श्रीवास्तव, थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह कस्बा इंचार्ज विनय कुमार सिंह दरोग़ा जयचन्द सिंह आलोक सिंह पंकज राठौर शैलैश यादव दीवान जयनारायण गुफरान खान गयासुददीन सहित पुलिस के जवान सुबह से पूरी रात भर क्षेत्र में गश्त करते रहे, जबकि तमाम समाजसेवी लोग भी कार्यकर्मों की देख रेख में लगे रहे।

जुलूस के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के लगे नारे

स्वतंत्र भारत जैदपुर बाराबंकी। रबी उल अव्वल के मौके पर कस्बा जैदपुर मे निकाले गये जश्ने ईद मिलादुन्नबी के झंडा जुलुस के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा बजने पर उपनिरीक्षक विनय कुमार की तहरीर पर चार लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। बताते चले कि कस्बा जैदपुर मे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौकेपर डीजे के साथ निकाले गये झंडा जुलुस के दौरान मोहल्ला चमरिहा अजीम बेकरी के निकट एक अंजुमन द्वारा ई रिक्शा पर बांधे गये डीजे पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे बजने पर अंजुमन सदर हाजी नूर अहमद पुत्र अली अहमद मेहंदी टोला मौलवी कटरा, मो0 अलीम पुत्र मो0 जमील निवासी इस्लाम नगर, जीशान पुत्र फखरुद्दीन निवासी मोहल्ला इस्लाम नगर, फकरुद्दीन पुत्र हाफिज गुलाम मुर्तजा निवासी मोहल्ला इस्लामनगर जैदपुर के विरुद्ध उपनिरीक्षक विनय कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज जेल भेज दिया गया है।

वसीम खान की टीम ने जीता पीजीटीआई नेक्सजेन 2025 का प्रो-एम इवेंट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। दिल्ली के प्रोफेशनल गोल्फर वसीम खान की टीम ने पीजीटीआई नेक्सजेन लखनऊ 2025 के प्रो-एम इवेंट में जीत दर्ज की। वसीम की टीम में आरएस नंदा, पियूष कुमार और मोहित यादव शामिल थे। टीम ने 57.3 अंकों का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया। चंडीमंदिर के प्रोफेशनल उमेद कुमार की टीम, जिसमें अजय भसीन, अनुप कुमार और राकेश सेठ शामिल थे, 57.5 अंकों के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न विशेष पुरस्कार भी दिए गए। होल नंबर 4 पर क्लोजेस्ट टू द पिन का पुरस्कार रितु नारायण ने जीता, जिन्होंने शॉट को पिन से दो फीट सात इंच की दूरी पर पहुंचाया। होल नंबर 15 पर क्लोजेस्ट टू द पिन का खिताब आधार जैन ने हासिल किया, जिनका शॉट पिन से 22 फीट दूर रहा। होल नंबर 2 पर स्ट्रेट ड्राइव का खिताब नितिन खन्ना को मिला, जिनकी ड्राइव फेयरवे के केंद्र से मात्र 16 सेंटीमीटर दूर जाकर रुकी। वहीं, होल नंबर 7 पर लॉन्गेस्ट ड्राइव का खिताब सिद्धार्थ आहूजा ने 290 यार्ड की लंबी ड्राइव लगाकर जीता।

सभी विजेताओं को प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल और उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव गृह व सूचना संजय प्रसाद ने पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

भारत बना एशिया कप का विजेता

दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीता खिताब, विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया

बिहार के राजगीर में आयोजित हॉकी एशिया कप 2025 के खिताबी मुकाबले में रविवार को भारत ने पांच बार की विजेता दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इससे पहले भारत ने 2003, 2007 और 2017 में भी खिताब जीता था। खास बात यह है कि 2007 और अब 2025 दोनों बार भारत ने कोरिया को हराकर खिताब जीता है। भारत 1982, 1985, 1989, 1994 और 2013 में उपविजेता (रनर-अप) रहा।

मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की। पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दागकर भारत को बढ़त दिला दी। हालांकि आठवें मिनट में जुगराज सिंह पेनाल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाने से चूक गए। पहला क्वार्टर भारत के नाम 1-0 से रहा। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 27वें मिनट में गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। हाफ-टाइम तक भारत 2-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में कोरिया ने वापसी की कोशिश की और लगातार पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। वहीं 44वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने अपना दूसरा और भारत का तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 49वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। हालांकि एक मिनट बाद ही कोरिया के डैन सन ने गोल दागकर अंतर 4-1 कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। चारों क्वार्टर में दबदबा बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने यह खिताबी जीत अपने नाम की और एक बार फिर साबित किया कि हॉकी में भारत एशिया की सबसे मजबूत टीम है।

नहीं थम रहा पोलार्ड का तूफान

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड ने कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के मुकाबले में धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच में पोलार्ड ने गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों पर नाबाद 54 रन जड़े। पोलार्ड ने अपनी आतिशी पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के लगाए। खास बात यह रही कि उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया।

ग्रैंडस्लैम में 100वीं जीत के साथ सबालेंका ने बरकरार रखा यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमांडा एनिसोवा को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सबालेंका ने महिला एकल के फाइनल में एनिसोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 7-6(3) से हराया। सबालेंका का यह चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है।

सबालेंका ने फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 विनर्स लगाए और 15 बेजां भूलें की। दूसरी ओर, एनिसोवा ने 29 बेजां भूलें की और सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में कड़े संघर्ष के बाद सबालेंका ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया। दूसरे सेट में भी सलाबेंका अमेरिकी युवा अनिसिमोवा से बीस साबित हुईं और उन्होंने लगातार सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका ने इस दौरान चार बार सर्विस गंवाई, हालांकि खिताबी जीत के साथ उन्होंने नंबर एक का ताज भी बरकरार रखा है, जबकि हार के बावजूद एनिसोवा चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

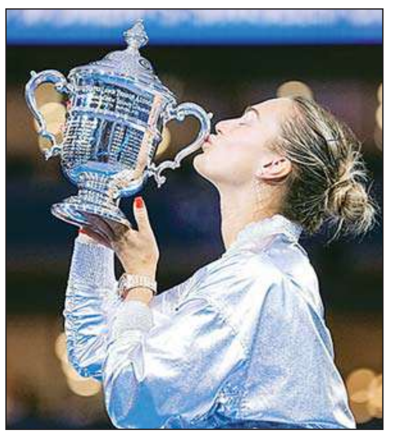

सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस मामले में उन्होंने नाओमी ओसाका और किम क्लीस्टर की बराबरी कर ली है। ओसाका ने अपने करियर में यूएस ओपन (2018 और 2020) तथा ऑस्ट्रेलियान ओपन (2019, 2021) जीते हैं। क्लीस्टर ने 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन तथा 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। सबालेंका ओपन एरा की दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में अपने ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मुकाबला जीता है।

दोनों सेमीफाइनल हुए ड्रॉ फाइनल में भिड़ेंगी ये दो टीमें

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए, लेकिन पहली पारी की बढ़त के दम पर दक्षिण क्षेत्र (साउथ जोन) और मध्य क्षेत्र (सेंट्रल जोन) ने फाइनल में जगह बना ली। खिताबी मुकाबला 11 से 15 सितंबर तक बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सलेंसी में खेला जाएगा। साउथ जोन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 175 रनों की बढ़त हासिल की। उनकी ओर से नारायण जगदीशन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 197 रन ठोके और दूसरी पारी में भी नाबाद 52 रन बनाए। इसी बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के समाप्त होने तक साउथ जोन ने दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 95 रन बना लिए थे। क्रीज पर जगदीशन 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन पर नाबाद थे। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन ने वेस्ट जोन के खिलाफ पहली पारी में 600 रन बनाकर 162 रनों की बढ़त हासिल की। इस दौरान सारांश जैन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में बल्ले से नाबाद 63 रन बनाए और गेंदबाजी में पांच विकेट झटके। उन्हें ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच की समाप्ति तक वेस्ट जोन ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 216 रन बना लिए थे और तनुष कोटियान 40 रन पर खेल रहे थे। इस तरह आपसी सहमति से दोनों मैच ड्रॉ घोषित हुए और पहली पारी की बढ़त के आधार पर साउथ और सेंट्रल जोन ने फाइनल में प्रवेश किया।

सोना फिर रिकॉर्ड स्तर के करीब, चांदी भी उछली

नई दिल्ली। आज सोने और चांदी की कीमतों में फिर बदलाव देखने को मिला है। सोना अब रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच चुका है, जिससे खरीदार और निवेशक दोनों सतर्क हो गए हैं। इनकी कीमतों पर अंतर्राष्ट्रीय बाजार का सीधा असर होता है। तो आइए जानते हैं आज 7 सितंबर 2025 को प्रमुख शहरों में सोने और चांदी के ताजा भाव क्या है?

सोने-चांदी की कीमतों में एक दिन की गिरावट के बाद फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्रवार को 24 कैरेट सोना 106,338 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया, जबकि चांदी के भाव 123,170 रुपये प्रति किलो रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार ये भाव शनिवार और रविवार को भी स्थिर रहेंगे। वहीं, अगर अन्य कैरेट की बात करें तो 23 कैरेट सोना 105,912 रुपये, 22 कैरेट 97,406 रुपये, 18 कैरेट 79,754 रुपये और 14 कैरेट 62,208 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा।

सोने और चांदी का ताजा भाव

24 कैरेट सोने का भाव 106,338 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।
23 कैरेट गोल्ड का भाव 105,912 रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।
22 कैरेट गोल्ड का भाव 97,406 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है।
18 कैरेट सोने का भाव 79,754 रुपये प्रति 10 ग्राम है।
14 कैरेट गोल्ड के रेट 62,208 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।
चांदी 999 की कीमत 123,170 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

पिछले दिनों सोने चांदी के भाव क्या रहे?

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में स्टॉकिस्टों की ताजा खरीदारी और वैश्विक संकेतों के चलते सोना 900 रुपये बढ़कर 106,970 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। गुरूवार को 99.9% शुद्धता वाला सोना 106,070 रुपये था। 99.5% शुद्धता वाला सोना भी 900 रुपये बढ़कर 106,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। कारोबारियों का कहना है कि फेडरल रिजर्व की 16-17 सितंबर की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से तेजी आई है। चांदी की कीमत 125,600 रुपये प्रति किलों पर स्थिर रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 3,551.44 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

सोने-चांदी के भाव पर एक्सपर्ट की राय

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ट विश्लेषक के मुताबिक, अमेरिका में ब्याज दरों में संभावित कटौती और सुरक्षित निवेश की मांग के कारण सप्ताह के आखिरी में सोने की कीमतों में तेजी आई। रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है, जिससे निवेशक सोने की ओर रुख कर रहे हैं। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी और भारत पर अमेरिकी शुल्क की आशंका से भी बाजार प्रभावित हुआ। इन सबके बीच, शुक्रवार को रुपया 15 पैसे गिरकर 88.27 प्रति डॉलर के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

भारत को छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए संभावित बाजार

नई दिल्ली। जर्मनी की वाहन कंपनी फॉक्सवैगन भारत को अपनी किफायती छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक संभावित बाजार के रूप में देख रही है और भागीदारों के साथ मिलकर उन्हें बाजार में सर्वोत्तम तरीके से पेश करने पर काम कर रही है। फॉक्सवैगन के मुख्य कार्यपालक (सीईओ) ओलिवर ब्लूम ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्लूम ने आईएए मोबिलिटी के दौरान 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि समूह ने इस आयोजन में पहली बार सम्पूर्ण इलेक्ट्रिक छोटी कार श्रृंखला पेश की। समूह का मानना ??है कि भारत में वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती से भारतीय वाहन बाजार और अधिक आकर्षक हो गया है। भारत को लेकर ब्लूम ने कहा, ''भारत एक शानदार बाज़ार है। हम यहां बहुत ज़्यादा संभावनाएं देखते हैं। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह तय कर रहे हैं कि हम यहां क्या कर सकते हैं और एक छोटी कार भी ला सकते हैं।''

कारों की कीमतें 45,000 रुपये से 10 लाख रुपये तक होंगी कम

नई दिल्ली। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने के बाद मारुति सुजुकी की ऑल्टो से लेकर शीर्ष श्रेणी वाली मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास तक, विभिन्न कारों की कीमतें 45,000 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक घटने की संभावना है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी, जिसके बाद छोटी कारों की कीमतों में 45,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की कमी आ सकती है। उद्योग जगत की सबसे किफायती शुरुआती स्तर की कार मारुति सुजुकी ऑल्टो की शोरूम कीमत इस समय 4.23 लाख रुपये है। इसी तरह, लक्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज ए-क्लास से लेकर टॉप-एंड एस-क्लास तक की कीमतों में दो लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक की कटौती कर सकती है।

जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह स्लैब को पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सीमित करने को मंजूरी दी थी, जो नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी होगा। ऑडी इंडिया ने एक बयान में कहा, ''22 सितंबर को जीएसटी दरें लागू होने के बाद, हमारी कारों की कीमतों में चार से छह प्रतिशत की कमी आने की संभावना है। अंतिम गणना अभी जारी है।'' इसी तरह, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया को अपने पोर्टफोलियो एक्स1 से एक्स7 तक की कीमतों में दो लाख रुपये से नौ लाख रुपये तक की कमी आने की उम्मीद है। टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और रेनो इंडिया जैसी विभिन्न वाहन कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है।

भारत, ईयू के बीच एफटीए सहित कई महत्वपूर्ण पहलों पर तेजी से काम जारी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ अपने महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देने के लिए अगले एक महीने में दो दौर की महत्वपूर्ण वार्ता करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि इस दौरान उत्पत्ति के नियमों, बाजार पहुंच और वाइन तथा डेयरी उत्पादों पर शुल्क के क्षेत्रों में मतभेदों को दूर करने की कोशिश की जाएगी। यूरोपीय आयोग के कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन और व्यापार प्रमुख मारोस सेफ्कोविक इस सप्ताह अपने भारतीय वार्ताकारों के साथ बातचीत करने के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं। दोनों पक्ष इस साल के अंत तक एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 135 अरब अमेरिकी डॉलर था।

बिना टोल क्रॉस किए कट गया पैसा?

नई दिल्ली। भारत सरकार ने टोल प्लाजा पर भुगतान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और टोल बूथों पर प्रतीक्षा समय को कम करने के उद्देश्य से FASTag प्रणाली शुरू की। FASTag, एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली, अब हर कार मालिक के यात्रा अनुभव का एक सामान्य हिस्सा बन गया है। निस्संदेह, FASTag ने भारत में कार मालिकों के लिए टोल टैक्स भुगतान को अधिक सुविधाजनक और कुशल बना दिया है। जिन वाहनों में FASTag नहीं हैं, उन्हें टोल शुल्क की दोगुनी राशि का भुगतान करना पड़ता है। जैसे-जैसे डिजिटलीकरण तेजी से बढ़ रहा है, टोल टैक्स भुगतान के लिए ख्नस्ज्ञड्डद्द प्राप्त करना एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया बन गई है।

जब भी आप किसी टोल प्लाजा पर रुकते हैं तो आपके FASTag खाते से टोल टैक्स अपने आप कट जाता है। हालाँकि, कभी-कभी FASTag के पैसे आपके खाते से दो बार या गलती से कट जाते हैं, जबकि उन्हें नहीं कटना चाहिए था। चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि वह पैसा आसानी से आपके खाते में वापस आ सकता है। अगर आपके FASTag खाते से गलती से पैसे कट जाते हैं, तो आप शिकायत करके अपना पैसा वापस पा सकते हैं। आमतौर पर, शिकायत करने के 30 दिनों के भीतर आपका पैसा वापस कर दिया जाता है। आप FASTag के आधिकारिक टोल-फ्री नंबर 1033 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर आपके FASTag खाते से गलत टोल या ज़्यादा टोल कट गया है, तो तुरंत इसकी शिकायत करें। आपको तुरंत रिफंड मिलेगा। सरकार ने ख्नस्ज्ञड्डद्द को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने FASTag वॉलेट से गलत कटौती के मामलों पर कड़ी कार्रवाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड ने ऐसे 250 मामलों में टोल ऑपरेटरों पर प्रति उल्लंघन 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इस सख्ती के बाद गलत कटौती के मामलों में 70% की गिरावट आई है। भारत में FASTagके ज़रिए हर महीने लगभग 30 करोड़ लेनदेन होते हैं, लेकिन इसके बावजूद आईएचएमसीएल को मासिक आधार पर लगभग 50 वास्तविक शिकायतें मिलती हैं। अगर आपके FASTag खाते से गलत राशि कट गई है,तो आप 1033 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। आप ईमेल- falsededuction@ihmcl.com के जरिये भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत मिलने के बाद IHMCL प्रत्येक मामले की जाँच करता है और गलत कटौती की पुष्टि होने पर ग्राहक को तुरंत रिफंड जारी करता है। इसके अलावा, गलती करने वाले टोल ऑपरेटर पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जाता है। अगर आपको टोल-फ्री नंबर से कोई जवाब नहीं मिलता है, तो पैसे वापस पाने का एक और तरीका है कि आप उस बैंक से शिकायत करें जिसने आपका FASTag जारी किया है। कुछ बैंक ग्राहकों की समस्या का समाधान करने में मदद के लिए FASTag से जुड़े हुए हैं। इन बैंकों के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनसीपीआई) की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

भारत, इजराइल इस सप्ताह कर सकते हैं द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और इजराइल एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच की इस सप्ताह होने वाली भारत यात्रा के दौरान यह समझौता हो सकता है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की नींव रखी जाएगी। स्मोट्रिच इस सप्ताह 8-10 सितंबर के बीच तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करेंगे।

इसके अलावा, इजराइली वित्त मंत्री मुंबई और गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का भी दौरा करेंगे। सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत के साथ इजराइल के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) सहित कुछ प्रमुख समझौतों के लिए साझा आधार तैयार करना है।

उन्होंने कहा, दोनों देश द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के मसौदे पर बातचीत पूरी कर चुके हैं। उम्मीद है कि वित्त मंत्री इस यात्रा के दौरान बीआईटी पर हस्ताक्षर करेंगे। बीआईटी से दोनों देशों के निवेशकों को उचित सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। यह मध्यस्थता के जरिये विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच देगा। इजराइल ने 2000 से अब तक 15 से अधिक देशों के साथ बीआईटी पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात, जापान, फिलीपींस, थाईलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

रुपये पर हमारी नजर है, निर्यातकों की सहायता लिए काम जारी : सीतारमण

नई दिल्ली। रुपये की विनिमय दर में गिरावट के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि हमारी इस पर नजर है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा घरेलू मुद्रा में गिरावट केवल अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में है। यह केवल रुपये का मामला नहीं है और दूसरे देशों की मुद्राएं भी प्रभावित हैं। सीतारमण ने यह भी कहा कि अमेरिकी शुल्क से निर्यातकों पर पड़े प्रभाव से निपटने में मदद के लिए संबंधित मंत्रालय और विभाग इस पर काम कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया गिरावट से उबरते हुए तीन पैसे की तेजी के साथ 88.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे एक दिन पहले अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 88.12 के भाव पर बंद हुआ था। रुपया दो सितंबर को अबतक के सबसे निचले स्तर 88.15 पर बंद हुआ था।

रुपये की विनिमय दर में गिरावट के बारे में सीतारमण ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, ''हम इस पर नजर रख रहे हैं। घरेलू मुद्रा में गिरावट केवल डॉलर के संदर्भ में है। यह केवल रुपये का मामला नहीं है और दूसरे देशों की मुद्राएं भी प्रभावित हैं।'' निर्यातकों पर अमेरिकी शुल्क के असर और उनके लिए सहायता उपायों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''सरकार में इस पर काम जारी है। संबंधित मंत्रालय और विभाग इस पर काम कर रहे हैं। जो निर्यातक 50 प्रतिशत शुल्क से प्रभावित हुए हैं, उनकी सहायता के लिए के लिए काम जारी है।'' उन्होंने कहा, ''50 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से प्रभाव में आया है। अभी उद्योग ने भी नहीं बताया है कि शुल्क का कितना प्रभाव होगाज प्रत्येक संबंधित मंत्रालय और विभाग उनसे पूछ रहे हैं कि क्या प्रभाव होगा। उसके आधार पर हम गौर करेंगे।''

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इससे कुल मिलाकर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इससे झींगा, रत्न एवं आभूषण, कपड़ा समेत अन्य क्षेत्रों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। चीन के साथ बढ़ते संबंधों के बारे में सीतारमण ने कहा, ''चीनी बाजार तक पहुंच के लिए भारत लगातार प्रयास कर रहा है, बातचीत हो रही है। हम पहले से इस पर काम कर रहे हैं। इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। यह पूरी तरह से व्यापार वार्ता है। इसका प्रेस नोट तीन से कोई लेना-देना नहीं है।'' प्रेस नोट तीन के तहत भारत ने अप्रैल, 2020 में अपनी एफडीआई नीति में संशोधन किया और चीन सहित भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दिया, ताकि भारतीय कंपनियों के जबरिया अधिग्रहण से बचा जा सके।

अटल चौक के राजा गणेश जी का भव्य विसर्जन शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भक्ति झांकियों, डीजे, ढोल-ताशा और भक्त कन्याओं के भक्ति नृत्य से गूंजा क्षेत्र, सप्तसागर तालाब में हुआ विसर्जन

स्वतंत्र भारत मिर्ज़ापुर, विंध्याचल। श्री गणेश महोत्सव पूजा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अटल चौक पर (अटल चौक के राजा) गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। दस दिनों तक पूजा-अर्चना, भंडारा, जागरण और विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहौल भक्तिमय बना रहा। 5 अगस्त को अटल चौक पर समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें करीब सात हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्तों की भारी भीड़ के बावजूद पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया, जिसकी सराहना हर किसी ने की। शनिवार, 6 अगस्त को समिति द्वारा विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान डीजे, ढोल-ताशा की गूंज और भक्तिमयी झांकियों के साथ-साथ भक्त कन्याओं ने आकर्षक शक्ति

नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शोभायात्रा में क्षेत्र के कोने-कोने से भारी संख्या में भक्तजन शामिल हुए और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा के पश्चात विंध्याचल क्षेत्र स्थित सप्तसागर तालाब में गणपति प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश महोत्सव पूजा समिति (अटल चौक के राजा) के मुख्य रूप से प्रवीण बरनवाल (डब्बू जी), रिंकू अग्रहरि, सुमित जायसवाल, आशुतोष मोदनवाल (गुड्डन), दलजीत गुप्ता, कृष्णानंद जायसवाल, अनूप जायसवाल, शुभम चौरसिया, शुभम जायसवाल, गोपाल जी मोदनवाल (शालू) समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे।

बालू घाट स्थित गंगा तट सजाई गई क्षीरसागर की झांकी

स्वतंत्र भारत चुनार, मिर्जापुर। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शनिवार को नगर के बालूघाट स्थित गंगा तट भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी जी कि भव्य झाकी सजाई गई।यहां क्षीरसागर कि झाकी 139 वर्षो से लगातार किया जा रहा है। नगर के वृद्ध महिला पुरुष बच्चों कि भीड़ दर्शन पूजन के लिए उमड़ पड़ी। आयोजक नरेंद्र नाथ पांडेय पवन व अखिलेश मिश्र बच्ची, वेंकटेश्वर पांडेय, चंद्रहास गुप्ता, विकास पांडेय, किशन मिश्रा, धीरेंद्र नाथ पांडेय, राजू चौबे, अविनाश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विक्की गुप्ता, परिवेश अग्रवाल, रामेश्वर दास अग्रवाल आदि रहे।

नाव पर सजाई गई क्षीरसागर की भव्य झांकी के दर्शन करने उमड़े नगर के लोग

जिलाधिकारी ने बीआरपी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र भारत, जौनपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2025 को नकलविहीन, और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र के द्वारा बी0 आर0 पी0 इंटर कालेज का औचक निरीक्षण किया गया। परीक्षा केंद्र पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के संदर्भ में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हुए। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय पाए गए। उन्होंने केंद्राध्यक्ष को निर्देशित किया कि सुनिश्चित कर ले कि अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जनपद में प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान कुल पंजीकृत -15768 अभ्यर्थी में 12165 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 3603 अनुपस्थित रहे। उपस्थिती प्रतिशत 77.149 रही।

बाइक के धक्का से पैदल जा रहे अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के देवरी बाजार में शनिवार की शाम भैंस लेकर पैदल जा रहे अधेड़ की बाइक के धक्के से सड़क पर गिरने से घायल हो गया परिजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल लेकर गये जहाँ इलाज के दौरान मौत हो गई ।सूचना पर हलिया पुलिस रविवार को पीएम कार्रवाई कराया। थाना क्षेत्र के देवरी गाँव निवासी श्याम लाल (55)अपनी भैस लेकर सिवान से वापस घर आ रहे थे जैसे ही हलिया देवरी मार्ग के बाजार में पहुंचे कि तेज गति से पीछे से आ रहे एक बाइक पर दो लोग सवार अधेड़ को जोरदार टक्कर मार दिया। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुचे परिजन आनन फानन में घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाए जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर लेकर गये जहाँ इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई।रविवार को सूचना पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जूट गई। अभी परिजनों द्वारा थाना में तहरीर नहीं दी गई है। वही बाइक से धक्का मारने वाला मौके से फरार हो गये है। मृतक को पांच संतानों में दो पुत्री व तीन पुत्र है। मौत की सूचना मिलते ही पत्नी श्याम कली रो-रो कर बेहोश हो जा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बाइक के धक्के से पैदल जा रहे अधेड़ की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई है।शव का पीएम कराया गया है परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद की प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र भारत चुनार, मिर्जापुर। विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) का धर्माचार्य सम्पर्क विभाग काशी प्रान्त के वार्षिक प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक का आयोजन रविवार को सुरभि शोध संस्थान रामबाग चुनार में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू धर्म की नित्य-नैमित्तिक उपासना और अनुष्ठानों से संबंधित आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

धर्मांतरण और विषमता समाप्त कर हिंदू समाज को एकजुट करने का संतों ने किया आवाह्न

कार्यक्रम के बौद्धिक वक्ता केंद्रीय सहमंत्री व केंद्रीय धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने कहा की जहाँ पर धर्मांतरण की संभावना हो वहां संतों का प्रवास हो।जो किसी लोभ लालच की वजह से धर्मांतरित हो गए है वे पुनः अपने हिन्दू धर्मों में आये इस कार्यो के लिए संतो का सहयोग व आर्शीवाद आवश्यक है।नकारात्मक विचारों को बढ़ाया जा रहा है जिससे समाज में विषमता फैल रही है, जहां संत आए वहां पूज्य संतों का सहयोग व आशीर्वाद मिले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने व्यापक संपर्क का कार्यक्रम बनाया है जिसमें संपूर्ण विचार परिवार की सहभागिता होगी हिंदू धर्म की गूंज संपूर्ण दुनिया में है, शास्त्रों शास्त्र में निपुण मातृशक्ति ही राष्ट को विश्व गुरु बनाने की दिशा में सहायक होंगे। समाज समरस रहे, एकात्मिक अखंड रहे इसके लिए संत समाज का मार्गदर्शन करे।उन्होंने आगे सम्बोधन करते हुए कहा की संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है संघ ने शताब्दी वर्ष में व्यापक रूप से संपर्क करने को कार्य किया है।संघ ने पांच परिवर्तन का सूत्र दिया है कुटुंब प्रबोधन,प्लास्टिक का बहिष्कार,स्व का स्वाभिमान के अंतर्गत अपनी भाषा, अपना वेश,अपना संस्कृति,अपने जीवन मूल्य,अपने मान बिंदु इसके लिए स्व को जागरण करना होगा।इस सबके लिए विदेश की नकल न करके स्व भाव का जागरण करना है। कुटुम्ब प्रबोधन के अंतर्गत परिवार में सभी लोग नियमित अपने त्यौहार मनाए सामूहिक भोजन करे,आपस का संवाद उत्तम करे और कुटुंब भावना जिसका ह्रास होता जा रहा हो वो पोषित हो। चौथा नागरिक कर्तव्य है जो सरकार की संपति उसका दुरुपयोग नहीं करना कही भी चलते समय नागरिक होने का पालन करना चाहिए हमें अनुशासन में रहना चाहिए जो हमें अच्छे नागरिक होने की प्रेरणा देते है।

समाज अच्छा कैसे बने इसके लिए विचार होना चाहिए जिससे समाज संगठित हो।विहिप केंद्रीय मंत्री अशोक तिवारी ने कहा की संतो के नेतृत्व में राम मंदिर का निर्माण एक महत्वपूर्ण कार्य है।सीता नवमी के दिन अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण का कार्यकम होगा।विहिप के द्वारा सप्ताहिक सत्संग के कार्य चलते है।विहिप युवाओं के बीच में बजरंग दल का कार्य चलता है।सेवा विभाग के द्वारा छात्रावास, कला केन्द्र,गौशाला जैसे अनेकों कार्य चल रहा है। विगत रामनवमी पर विभिन्न स्थानों पर 75 हजार जगहों पर आयोजन हुए।

कबीर मठ लहरतारा के महाराज गोविंद दास ने संबोधित करते हुए कहा की हिन्दू समाज संगठित होकर धार्मिक कार्यो में बढ़े।जब हमने इस शरीर को धारण कर लिया तो परेशानियों का आगमन होगा हमें इस समस्याओं से खुद निवारण करना होगा।हम सभी हिन्दू जनमानस को हिन्दू परिवार में कम से कम तीन बच्चों को उत्पन्न करना चाहिए जिससे हिन्दू जनसंख्या में कमी न हो।साध्वी गीता माँ ने कहा की आज हमारे हिन्दू धर्म की ध्वनि उठ रही है।हमारे घर की बेटियों को संस्कारवान के अलावा शास्त्र के साथ ही साथ शस्त्र की शिक्षा देनी चाहिए।सनातनी शक्ति ने अनेकों बार सत्य की स्थापना हुई है।सनातन धर्म हमें सदा अग्रणी बनाता है।

स्वामी शिवधारी महाराज ने कहा की वाणी व कर्म में समानता होनी चाहिए।शब्द ब्रह्म होती है जो एक बार निकलने के उपरांत अपना असर ही करती है। हमारी कमियों को विधर्मी सदा अपने उपयोग में लाकर द्वेश फैला रहे है।

धर्म कहता है की जो अपराधी हो उसका परित्याग होना चाहिए।धर्म व संविधान का समन्वय होना चाहिए। स्वामी सुदर्शन महाराज ने कहा की जब अंग्रेजों के शासन चल रहा था तब रामकृष्ण गोखले ने हिन्दू धर्म ध्वजा का उत्थान किया।

विहिप का आदर्श है की कोई भी हिन्दू अछूत नहीं है सभी हिन्दू सहोदर आपस में भाई भाई है।

स्वामी बालक दास महाराज ने कहा की सभी हिन्दू परिस्थितियों को देखते हुए धरातल पर आपसी रूप से संगठित हो।बिना एक दूसरे के कोई चल नहीं सकता है इसलिए हम सभी को आपस में एक साथ चलने की परम्परा बनानी चाहिए।

स्वामी कृष्णानंद महाराज कैलाश आश्रम झूसी ने कहा की सभी को आपसी प्रेम भाव से राष्ट्र उत्थान के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

साध्वी माँ त्रिकाल भवंता ने कहा की दुख देने से दुख मिलता है सुख देने से सुख मिलता है।हमें समाज को समरसता बनाए रखना चाहिए।जब जब भगवान के ऊपर कष्ट हुआ या धर्म की हानि हुई तो विभिन्न रूपों में प्रकट हुई और सभी का नाश किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी रामाश्रम शास्त्री महाराज व संचालन प्रान्त धर्माचार्य संपर्क प्रमुख आद्या शंकर ने किया।

एनएमओ द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

स्वतंत्र भारत, सिकरारा। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के तत्वावधान में सिकरारा ब्लॉक के रीठी गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय स्वास्थ्य सेवा यात्रा के अंतर्गत एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एकल विद्यालय अभियान, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व मेडिकल कॉलेज की संयुक्त टीम द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डेंटल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में पहुंचे वरिष्ठ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। कुल 160 मरीजों ने इस स्वास्थ्य शिविर में पंजीकरण कर चिकित्सा सुविधा प्राप्त की। डॉ. प्रमोद कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार और सामाजिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद व गरीब मरीजों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं ताकि गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सके। मेडिकल कॉलेज से आए डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि मौसम के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतना और चिकित्सकों से परामर्श लेना बेहद जरूरी है। ऐसा करने से व्यक्ति और उसका परिवार स्वस्थ रह सकता है। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अनुज सिंह, डॉ. रजना सिंह, डॉ. आकाश, डॉ. इमरान, डॉ. साक्षी, डॉ. जयेश सहित पैरामेडिकल छात्रों ने अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर ग्राम प्रधान तनु सरोज, अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, घनश्याम सिंह, मिथिलेश गौतम, नीरज कुमार, विनोद ममता, प्रियंका, सुनील कुमार, आचार्य बहने सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

160 मरीजों का हुआ उपचार

राज्य शिक्षक पुरस्कार से लोक भवन लखनऊ में सम्मानित किये गए प्रधानाध्यापक सतीश सिंह

स्वतंत्र भारत, जौनपुर। सुइथाकला कौटिल्य पूर्व माध्यमिक विद्यालय अशोकपुरकला के प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह को गुरुवार की देर शाम को लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री के साथ माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी और बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने प्रमाण पत्र, शील्ड एवं अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी शिक्षकों व उनके परिवार को कैशलेश इलाज के लिए घोषणा की। सतीश सिंह ने बताया कि यह सम्मान सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है। पुरस्कार पाते ही बहुत भावुक हो गया। मेरी ज़िन्दगी का सबसे बड़ा पुरस्कार है। विधायक बदलापुर रमेशचंद्र मिश्र , विधायक शाहगंज रमेश सिंह, बीएसए डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उक्त लोगों ने कहा कि इस उपलब्धि से पूरे जनपद का प्रदेश स्तर पर सम्मान बढ़ा। सतीश सिंह ने हाई स्कूल और इंटरमीडिएट श्री गाँधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर, बीएससी व एमएससी यूपी कॉलेज वाराणसी बीएड की शिक्षा ग्रहण की। इस उपलब्धि पर मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत तिवारी, बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्र और शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने खुशी जाहिर की है। कहा कि यह सम्मान प्रदेश के सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत साबित होगा। उन्होंने कहा कि सतीश सिंह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं ।

केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शोक संतप्त परिवार से मिलकर व्यक्त की संवेदना

स्वतंत्र भारत चुनार, मिर्जापुर। भारतीय जनता पार्टी सीखड़ क्षेत्र के पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय के भाई विनोद कुमार पांडेय की पुत्रवधू हनी पांडेय पत्नी धीरज पांडेय की असामयिक निधन होने कि सूचना पर केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उनके निवास पिपराही गांव जाकर शोक संतप्त परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त कर उन्हें ढांढस बधाई। उन्होंने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान के आगे किसी का वस नहीं चलता। इस अवसर पर विजय नारायण राय, दीपू सिंह, दिनेश मिश्रा, नीरज पांडेय, प्रत्यूष त्रिपाठी, मनोज कुमार त्रिपाठी, गौरव पांडेय ,संदीप अवस्थी, हर्षित सिंह, गोविंद सोनकर, धीरज सिंह सहित भाजपा व अपना दल के कार्यकर्ता रहे।

पूर्व मंडल अध्यक्ष सीखड़ प्रमोद कुमार पांडेय के भाई की पुत्रवधू की हो गई थी मौत

एकता व अनुशासन संगठन की नींव होती है : संजय अस्थाना

स्वतंत्र भारत, जौनपुर। एकता में असीमित शक्ति है, एकता व अनुशासन किसी भी संगठन की नींव होती है, कितनी भी बड़ी समस्या हो एकता की शक्ति के आगे छोटी है, ग्रापए के किसी भी सदस्य के साथ कोई संकट आता है अगर वह व्यक्तिगत भी है तो पूरा संगठन मिलकर उस सदस्य के साथ खड़ा रहेगा उपरोक्त बाते संजय अस्थाना जिलाध्यक्ष ग्रापए ने जिला कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कही। संरक्षक राकेश श्रीवास्तव ने कहांकि संगठन से जुड़ना एक मजबूत स्तंभ से जुड़ने के बराबर होता है। ग्रामीणांचल के पत्रकार अच्छा कार्य कर रहे है, उन्हें जनहित के मुद्दे और गंभीरता से उठाने की जरूरत है। उपाध्यक्ष प्रमोद जायसवाल, मंडल पदाधिकारी प्रदीप पांडेय, दयाशंकर निगम, बृजराज चौरसिया ने भी बैठक को संबोधित किया। संगठन मंत्री प्रशांत विक्रम सिंह ने कहाकि सदस्यता अभियान चलाकर और सदस्यों को संगठन से जोड़ा जाय। बैठक में सदस्यों के ग्रुप बीमा कराने एवं एक दिन का सेमिनार कराने पर विचारोपरांत तय हुआ कि सभी का बीमा कराया जाएगा और सेमिनार आयोजित किया जाएगा। उपस्थित सदस्यों को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह का पत्रक पढ़ कर सुनाया गया। तय हुआ कि आगामी 16 तारीख को भारी संख्या में इकठ्ठा होकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में सदर तहसील अध्यक्ष देवेंद्र खरे, श्याम रतन श्रीवास्तव, सत्य नारायण यादव, फैज खान, इकराम अंसारी, आबिश इमाम, जितेंद्र दुबे, असलम परवेज, विनोद यादव, रतन लाल आर्य, समर नाथ पाल, पंकज त्रिपाठी, भोला विश्वकर्मा, सियाराम, शशिभूषण ओझा, रोहित चौबे, गोरख सोनकर अजय तिवारी आदि पत्रकार उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन महासचिव लक्ष्मी नारायण मौर्या ने किया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ. प्र. जौनपुर इकाई की बैठक में दिखी पत्रकारों की एकता

फर्जी पट्टे को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

माहुल (आजमगढ़)। रविवार को बूढ़नपुर तहसील के अंतर्गत अहरौला विकासखंड के बरईपुर ग्राम सभा के सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण ने पंचायत भवन पर एकत्रित होकर हाथों में लाठी डंडा लेकर तहसील प्रशासन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं 9 सितंबर को शाहपुर बाजार में उचित कार्रवाई न होने पर चक्काजाम की चेतावनी भी दी है । ग्रामीणों का कहना है कि तहसील के अधिकारी गुमराह कर रहे हैं । विरोध-प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि गांव में दो बड़े पोखरा साठ विघा में फैला है जिसका फर्जी तरीके से तहसील प्रशासन की मिली भगत से गांव के बाहर के एक व्यक्ति को पट्टा करने का आरोप है । पूरा गांव इसके खिलाफ है।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से गांव के लोग पोखरे का उपयोग सिंचाई, पशु-पालन, मत्स्याहार और जल वनस्पतियों के उपयोग हेतु करते आ रहे है तो गांव के प्रजापति समाज पोखरे से मिट्टी निकाल कर वर्तन बनाकर जीविकोपार्जन करते हैं। पूर्व में तहसीलदार बूढ़नपुर शैलेश कुमार ने बताया था की अभी आवंटन की कोई प्रतिक्रिया नहीं है। इन तालाबों से पूरे गांव की लगभग 200 बीघा से अधिक खेती की सिंचाई होती है। साथ ही, गांव के पशुओं के जल सेवन, महिलाओं द्वारा जलकुंभी, तिन्नी, करेमुआ जैसे खाद्य पदार्थों का संग्रहण एवं ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने का कार्य इन्हीं जलाशयों से होता है। ग्रामवासियों का आरोप है कि बिना किसी सार्वजनिक सूचना, सहमति के इन जलाशयों का पट्टा तहसील प्रशासन के मिली भगत से गांव के बाहरी दबंग व्यक्ति को मत्स्य पालन हेतु दे दिया गया है, गांव के प्रधान कौशल कुमार का कहना है कि पहले भी इसका पट्टा हुआ था जो निरस्त कराया गया है। ग्राम सभा की संपत्ति पर गांव के बाहर के व्यक्ति को पट्टा देना गलत है। इससे न सिर्फ गांव के लोगों के अधिकारों का हनन हुआ है, बल्कि पारंपरिक संसाधनों से उन्हें वंचित भी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मंडलायुक्त, जिलाधिकारी से मांग की है कि यदि अविलम्ब इस अवैध पट्टे को निरस्त नहीं किया गया तो 9 सितम्बर को ग्रामीण शाहपुर बाजार में चक्काजाम करेंगे। इसके परिणामस्वरूप होने वाली किसी भी प्रकार की जन असंतोष या व्यवस्था बाधित होने की पूर्ण जिम्मेदारी तहसील प्रशासन की होगी।ग्रामवासियों की मांग है कि अवैध रूप से किए गए तालाब पट्टे को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। भविष्य में किसी भी सार्वजनिक संपत्ति के आवंटन में ग्रामसभा की खुली बैठक, सूचना और सहमति सुनिश्चित की जाए। दोषी अधिकारियों और लाभार्थियों की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए।

इस दौरान अखिल भारतीय किसान सभा के त्रिलोकीनाथ, क्षेत्र पंचायत मुनील प्रजापति, प्रधान कौशल कुमार, अश्विनी, रामसागर, जयकिशन, रामनयन, रामबदन, रंजीत, जीना राजभर, अमरजीत, हनुमान, रामबदन, रामदरस, काली चौरसिया, नीतू, सुनीता, सवित्री, संगीता, शांती देवी, किसमती, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

देवारा विकास सेवा समिति ने मनाया 7वां स्थापना दिवस

स्वतंत्र भारत (महराजगंज) आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के महराजगंज ब्लाक के देवरांचल के नेता नगरी में देवारा विकास सेवा समिति ने अपना 7वाँ स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के पदाधिकारियों समाज सेविओ व जनप्रतिनिधिओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व लोक संगीत गायक श्याम कुँवर यादव द्वारा मां सरस्वती की वंदना के साथ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिश्चन्द्र यादव ने किया, जबकि मुख्य अतिथि भूयर अखाडा के विजय शंकर व विशिष्ठ अब्दुल मन्नान कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राम केदार यादव व पदाधिकारिओं ने कार्यक्रम में आए जनप्रतिनिधिओं, समाजसेविओं व आजमगढ़ की अग्रणी सामाजिक संगठन प्रयास की पूरी टीम को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह में वक्ताओं ने समिति के अब तक के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि बीते सात वर्षों में देवारा विकास सेवा समिति ने शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, प्रशासनिक संस्थान की स्थापना,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कई सराहनीय पहल की हैं। बेटी शिक्षा अधिकार आंदोलन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने तथा जरूरतमंद परिवारों की मदद जैसे कार्यों को विशेष रूप से याद किया गया । इस अवसर पर समिति के संस्थापक सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों और आगे की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि समिति का मुख्य लक्ष्य देवरांचल के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य करना है। इस अवसर पर समिति ने देवारा के अत्यंत गरीब व अक्षम छः स्कूली बच्चिओं को साईकिल व बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न समाजसेवियों और सक्रिय ग्रामीणों को सम्मानित भी किया गया, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने समिति के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास में सहयोग करने का संकल्प भी दोहराया। इस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मंत्री रविशंकर तिवारी, बिलरियागंज व महराजगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश यादव व पारसनाथ यादव, समाज सेवी अमरजीत यादव, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता चंचल यादव, समाज सेवी राजीव मिश्र सहित कई गणमान्यो ने कार्यक्रम में सिरकत किया।

स्थापना दिवस समारोह के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया । समिति के पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहभागिता से ही क्षेत्र का वास्तविक विकास संभव है और आने वाले वर्षों में समिति और भी व्यापक स्तर पर समाज सेवा के कार्य करेगी ।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14

रूस ने कीव पर दागे 800 ड्रोन, दो की मौत

कीव। रूस ने रविवार रात यूक्रेन पर 805 ड्रोन और हथियारों से हमला किया। यह जंग की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा हमला है। यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने इसकी पुष्टि की कि रविवार का हमला रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। रूस ने अलग-अलग तरह की खतरनाक 13 मिसाइलें भी दागीं। वायु सेना के एक बयान के मुताबिक, यूक्रेन ने 747 ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया। यूक्रेन में 37 स्थानों पर हमले हुए। इससे पहले बताया गया कि रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान एक प्रमुख सरकारी इमारत की छत से धुआं उठता दिखाई दिया। लोगों ने कीव के कैबिनेट भवन की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या यह धुआं सीधे हमले का नतीजा था। रूस अब तक शहर के केंद्र में सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है। यह इमारत यूक्रेन के मंत्रिमंडल का मुख्यालय है, जहां उसके मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं।

जेलेंस्की ने पुतिन का प्रस्ताव नकारा

अलास्का बैठक के बाद पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को मॉस्को में बैठक करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे अब यूक्रेनी राष्ट्रपति ने खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने मॉस्को के बजाय कीव में बैठक की मांग की है। एक अमेरिकी मीडिया चैनल से बातचीत में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि मैं एक आतंकी की राजधानी नहीं जा सकता, क्योंकि यूक्रेन पर हर दिन हमले हो रहे हैं। पुतिन कीव आ सकते हैं। अलास्का बैठक के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमने-सामने बैठक कराने की कोशिश कर रहे हैं।

टैरिफ वार के बीच ट्रंप से मिले भारतीय लॉबिस्ट जेसन मिलर

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ विवाद के बीच जाने-माने राजनीतिक लॉबिस्ट और डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी जेसन मिलर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की है। मिलर को कुछ महीने पहले भारत सरकार ने ट्रंप प्रशासन तक अपनी कूटनीतिक पहुंच मजबूत करने के लिए नियुक्त किया था। जेसन मिलर ने एक्स पर ट्रंप संग अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, वॉशिंगटन में शानदार सप्ताह बिताया। सबसे खास रहा हमारे राष्ट्रपति को ऐक्शन में देखने का मौका। सार्वजनिक खुलासों के अनुसार मिलर भारतीय हितों की वकालत करने वाले रजिस्टर्ड विदेशी एजेंट हैं। भारत सरकार ने अप्रैल 2024 में उनकी लॉबिंग फर्म एसएचडब्ल्यू पार्टनर्स एलएलसी को नियुक्त किया था। इस अनुबंध के तहत भारत हर महीने फर्म को 1.5 लाख डॉलर करीब 1.25 करोड़ रुपये फीस देती है। एक साल का यह अनुबंध 1.8 मिलियन डॉलर करीब 15 करोड़ रुपये का है।

ट्रंप के रोजगार के वादे फुस्स, नियुक्तियां ठप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दूसरा कार्यकाल संभाले अभी सात माह ही हुए हैं और इस दौरान महाशक्ति का रोजगार बाजार स्वस्थ से सुस्त हो चुका है।

■ टैरिफ लागू होने से मुद्रास्फीति बढ़ना जारी

इसका बड़ा कारण उनके टैरिफ लागू होने के साथ भर्तियों का ठप होना और मुद्रा स्फीति का एक बार फिर बढ़ना है। ताजा रोजगार रिपोर्ट बताती है कि नियोक्ताओं ने अगस्त में सिर्फ 22,000 नौकरियां ही जोड़ीं, जबकि बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई। कारखानों व निर्माण कंपनियों ने श्रमिकों की छंटनी की है। संशोधनों से पता चला है कि जून में अर्थव्यवस्था में 13,000 नौकरियां कम हुईं। नए आंकड़ों ने ट्रंप द्वारा वादा की गई तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और अब तक उनके द्वारा हासिल की गई कमजोर वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को उजागर कर दिया है। ट्रंप ने ताजा बयान में देशभर में नए कारखाने खुलने तक रोजगार की प्रतीक्षा करने का आश्वासन देते हुए कहा, आप इस देश में ऐसी चीजें होते देखेंगे जिनकी किसी ने उम्मीद नहीं की होगी। लेकिन धैर्य रखने की ये अपील अमेरिकियों को ज्यादा राहत नहीं दे पाई।

अमेरिका में दक्षिण कोरिया के कई नागरिक गिरफ्तार

जॉर्जिया। अमेरिकी के जॉर्जिया में स्थित अंडर कंस्ट्रक्शन हुंडई-एलजी प्लांट में इमीग्रेशन अधिकारियों ने छापा मारकर 475 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इसमें से ज्यादातक दक्षिण कोरिया के नागरिक थे। अधिकारियों का कहना है कि ये लोग अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे। ये प्लांट इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए बैटरियों की सप्लाई करने के लिए स्थापित किया जा रहा था।

सोशल मीडिया पर इस छापामारी के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स के अधिकारी वहां मौजूद कर्मचारियों को बस के सामने हाथ रखने का आदेश दे रहे हैं। इसके बाद उनकी तलाशी ली जाती है और फिर हाथ, कमर और पैर में बेड़ियां पहना दी जाती हैं। एक मजदूर ने कहा कि अधिकारी ऐसे दाखिल हुए, जैसे ये कोई वॉर जोन हो। दरअसल ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संबंध खराब होते जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच 350 अरब डॉलर के निवेश संबंधी ट्रेड डील को लेकर असहमति है। ट्रंप की हरकतों से परेशान होकर दक्षिण कोरिया ने अमेरिका से आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ लगा दिया था।

ब्रिटेन में संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन

लंदन। ब्रिटेन की संसद के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने फिलिस्तीन एक्शन समूह पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे 400 से ज्यादा लोगों गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटेन की सरकार ने फिलिस्तीन एक्शन समूह को आतंकवादी संगठन घोषित किया है और इसी के विरोध में प्रदर्शनकारी संसद के बाद इकठ्ठा हुए थे। इन लोगों ने जमकर नारेबाजी भी की। विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह डिफेंड अवर ज्यूरीज ने कहा कि लंदन में प्रदर्शन में 1500 लोग शामिल हुए। उन्होंने 'मैं नरसंहार का विरोध करता हूं, मैं फिलिस्तीनी कार्रवाई का समर्थन करता हूं' जैसे नारे लिखे हुए पोस्टर लिए हुए थे। कुछ ही मिनटों में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया, जबकि राहगीर 'शर्म करो' और 'मेट पुलिस, एक पक्ष चुनो, न्याय या नरसंहार' के नारे लगा रहे थे।

अमेरिका की ट्रेन में यूक्रेनी महिला की हत्या

नॉर्थ कैरोलिना। अमेरिका की ट्रेन से एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है, जहां एक शख्स ने यूक्रेन की महिला को मौत के घाट उतार दिया। यूक्रेन की 23 वर्षीय युवती इरीना जारुत्स्का कुछ महीनों पहले ही अमेरिका आईं थीं। इरीना एक ट्रेन में सफर कर रही थीं, तभी एक शख्स ने अचानक उनपर हमला बोल दिया। इस घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो 22 अगस्त की रात लगभग 10 बजे का है। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में इरीना एक ट्रेन जाकर बैठीं। इरीना अपने फोन में व्यस्त थीं, तभी उनके पीछे बैठे 34 वर्षीय शख्स ने जेब से चाकू निकाली और इरीना पर तीन बार वार किया। आरोपी ने इरीना की गर्दन को भी निशाना बनाया, जिससे उसकी मौत हो गई।

‘एक्स’ ने ही कर दी ट्रंप के करीबी नवारो की किरकिरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत पर रूस से तेल आयात को लेकर हमला बोला। लेकिन इस

■ भारत विरोधी दावों को कहा 'भ्रामक'

बार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने उनके दावों को फैक्ट-चेक किया और इसे भ्रामक करार दे दिया। इसके बाद भड़के नवारो ने एक्स के मालिक एलन मस्क पर ही निशाना साधा है। पीटर नवारो ने अपने पोस्ट में दावा किया कि भारत रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है और यह पैसा रूस की युद्ध मशीन को चला रहा है। उन्होंने लिखा, तथ्य- भारत के ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत सिर्फ मुनाफे के लिए रूसी तेल खरीदता है। इस राजस्व से रूस को युद्ध में ताकत मिलती है।

महाराष्ट्र में गणेश विसर्जन पर छाया मातम

मुंबई। महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए। पुलिस ने

■ करंट और पानी में डूबने से 5 की मौत, 13 लापता

रविवार को यह जानकारी दी। पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए।

रविवार को मुंबई में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से 36 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना साकीनाका के खैरानी रोड पर सुबह करीब 10.45 बजे हुई, जब एक लटकता हुआ बिजली का तार गलती से गणपति की मूर्ति को छू गया। मूर्ति के पास खड़े छह श्रद्धालुओं को बिजली के झटके लगे। स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के निजी अस्पतालों में पहुँचाया, जबकि एक व्यक्ति को नगर निगम द्वारा संचालित सेवन हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। बाकी पाँच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए। पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए। दो लोग वाकी खुर्द में भामा नदी में और एक शेल पिंपलगांव में बह गया तथा एक अन्य व्यक्ति पुणे ग्रामीण के बिरवाड़ी में एक कुएं में गिर गया।

एक नज़र

पुतिन ने वैज्ञानिकों से किया रॉकेट इंजन बनाने का आग्रह

मॉस्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एयरोस्पेस उद्योग से अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों के लिए बूस्टर रॉकेट इंजन विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में रूस की दीर्घकालिक प्रतिष्ठा को और मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का भी अनुरोध किया। पुतिन ने कहा, बूस्टर रॉकेट के इंजनों के संदर्भ में उत्पादन क्षमता का लगातार नवीनीकरण करना महत्वपूर्ण है। पुतिन ने पिछला सप्ताह चीन और रूस के सुदूर पूर्वी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक में बिताया।

गाजा विस्थापन पर नेतन्याहू की मिस्र कतर ने की निंदा

काहिरा। इजरायली बीएम बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा में फिलिस्तीनियों के विस्थापन संबंधी बयान पर इस्लामी देशों में गुस्सा देखा जा रहा है। मिस्र और कतर ने नेतन्याहू के उस बयान की तीखी निंदा की है जिसमें कहा गया था कि गाजा पुनर्निर्माण की कई योजनाएं हैं और आबादी का आधा हिस्सा गाजा छोड़ना चाहता है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि मैं राफा क्रॉसिंग खोल सकता हूं, लेकिन मिस्र इसे तुरंत बंद कर देगा। मिस्र और कतर ने कहा, इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा।

बलूचिस्तान में तीसरी बार इंटरनेट सेवा बंद

क्वेटा। पाकिस्तान में अधिकारियों ने जन सुरक्षा और मौजूदा सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए बलूचिस्तान के कई जिलों में 3जी और 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर निलंबित कर दिया है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, यह अस्थायी बंद 5 सितंबर की शाम 5 बजे शुरू हुआ। अधिसूचना के मुताबिक यह निलंबन मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और प्रांत में धार्मिक जुलूसों की उपस्थिति के कारण है। यह उपाय क्वेटा, मस्तुंग, समेत कई जिलों में लागू किया जा रहा है।

ग्रीस में होगी व्यापक कर कटौती

एथेंस। यूरोपीय देश ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोताकिस ने 1.6 अरब यूरो (1.87 अरब डॉलर) के कर कटौती पैकेज की घोषणा की, जिससे लगभग 40 लाख नागरिकों को लाभ होगा। कर कटौती 2026 के बजट में लागू होगी। इसमें मध्यवर्ग, युवा, बड़े परिवार और पेंशनभोगियों को राहत मिलेगी। 25 वर्ष से कम आयु वालों की 20,000 यूरो तक की आय पर कर नहीं लगेगा। छोटे द्वीपों के निवासियों को 30 प्रतिशत कम वैट देना होगा। उद्देश्य आय बढ़ाना और जनसांख्यिकीय संकट से निपटना है।

बम धमाके में कैमरून के सात सैनिक मारे गए

योउंडे। मध्य अफ्रीकी देश कैमरून के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सड़क किनारे बम धमाके में सात सैनिक मारे गए। स्थानीय समय के मुताबिक हमला शुक्रवार सुबह मालेंडे कस्बे के पास हुआ। अंग्रेज़ीभाषी अलगाववादी संगठन फाको यूनिटी वॉरियर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली। गौरतलब है कि करीब आठ साल पहले यानी 2017 से ही देश के अलगाववादी फ्रेंच-भाषी बहुमत से अलग स्वतंत्र अंग्रेज़ीभाषी राज्य की मांग कर रहे हैं। अब तक 6,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। छह लाख से ज्यादा लोग विस्थापित भी हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय समूह के आगाह करने के बावजूद संघर्ष जारी है।

कोलकाता में बर्थडे पर युवती से गैंग रेप

कोलकाता। कोलकाता के एक पॉश इलाके में 20 वर्षीय एक युवती के साथ उसके जन्मदिन पर उसके दो परिचितों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। यह घटना शुक्रवार को शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके रीजेंट पार्क इलाके में हुई। पुलिस ने रविवार को बताया कि अपराध के बाद लापता हुए दोनों आरोपियों की पहचान चंदन मलिक और दीप के रूप में हुई है। दीप कथित तौर पर एक सरकारी कर्मचारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हरिदेवपुर निवासी पीड़िता ने आरोप लगाया है कि यह हमला उस समय हुआ जब चंदन उसे जन्मदिन मनाने के बहाने दीप के घर ले गया था।

झारखंड में माओवादी ढेर

रांची। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। नक्सली पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुठभेड़ सुबह गोइलकेरा थानाक्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर शुरू हुई। मारे गए नक्सली की पहचान अमित हंसदा उर्फ अप्टन के रूप में हुई है, जो भाकपा (माओवादी) का स्वयंभू जोनल कमांडर था और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों की टीम ने सुबह तलाशी अभियान चलाया और सुबह करीब छह बजे मुठभेड़ शुरू हुई। सुरक्षा बलों के भारी पड़ने पर नक्सली घने जंगलों में भाग गए। बाद में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान नक्सली अमित हंसदा का शव बरामद किया गया, साथ ही वहां एक आग्नेयास्त्र भी मिला।

अक्टूबर में जिनपिंग से मिल सकते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस साल अक्तूबर में दक्षिण कोरिया का दौरा कर सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाले एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दक्षिण कोरिया में ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात हो सकती है। हालांकि अभी तक इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी

जयपुर। राजस्थान के अनेक भागों में भारी से अत्यंत भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र (डब्ल्यूएमएल) तीव्र होकर अवदाब में बदल गया है और दक्षिण पश्चिम राजस्थान तथा आसपास के गुजरात क्षेत्र के ऊपर स्थित है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में दक्षिण राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से अत्यंत भारी बारिश हुई है। सर्वाधिक बारिश सांचौर, जालौर में 210 मिलीमीटर दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार आज रविवार को भी जालौर, सिरोही, बाड़मेर, बालोतरा, उदयपुर व आसपास के जिलों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश व एक दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश होने का अनुमान है।कोटा, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आज केवल हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। बाड़मेर, जालोर व जैसलमेर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां आठ सितंबर को भी जारी रहेंगी।

नाइजीरिया में आतंकियों ने की 60 लोगों की हत्या

मैदुगुरी। नाइजीरिया में पूर्वोत्तर के एक गांव में शुक्रवार रात (स्थानीय समयानुसार) को बोको हरम के आतंकियों ने जमकर तांडव मचाया। आतंकियों ने गांव में हमला कर कम से कम 60 लोगों की हत्या कर दी। यह हमला दारुल जमाल गांव पर हुआ, जहां हाल ही में विस्थापित लोग शिविर से लौटकर अपने घरों में बसना शुरू हुए थे। गांव के एक निवासी मोहम्मद बाबागाना ने बताया कि देर रात हुआ यह हमला बेहद खौफनाक था। बोर्नो राज्य के राज्यपाल बाबागाना जुलुम ने शनिवार शाम गांव का दौरा किया और पुष्टि की कि मरने वालों की संख्या 60 से अधिक है।

मैक्सिको में ईंधन चोरी : नौसेना अधिकारी समेत कई उद्योगपति गिरफ्तार

मैक्सिको। अमेरिका की सरहद पर बसे देश मैक्सिको में ईंधन चोरी का मामला लगातार चर्चा में है। इस मामले में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी वाइस एडमिरल मैनुअल रोबर्टो फारियास लागुना को कई उद्योगपतियों और अधिकारियों के साथ गिरफ्तार किया गया। मार्च में टाम्पिको बंदरगाह पर 1 करोड़ लीटर ईंधन जब्त होने के बाद जांच शुरू हुई थी। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के तहत यह अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। ईंधन चोरी से सरकारी तेल कंपनी पेमेक्स को पांच साल में 3.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

हिमाचल : भूस्खलन प्रभावित कुल्लू में चार शव मिले

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भूस्खलन प्रभावित अखाड़ा बाजार इलाके में मलबे से चार और शव निकाले गए, जिससे इस आपदा में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि जिले के भरमौर-मणिमहेश में बचाव अभियान 64 फंसे हुए तीर्थयात्रियों को हवाई मार्ग से निकालने के बाद समाप्त हो गया। कुल्लू के उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि अखाड़ा बाजार इलाके में मंगलवार और बृहस्पतिवार को भूस्खलन हुआ, जिससे कई इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। अधिकारियों के अनुसार, तीर्थयात्रा मार्ग पर कई दिनों तक फंसे रहने के कारण 17 लोगों की मौत हो गई।

सिंगापुर में मणिपुर के कलाकारों से सजा दीपावली उत्सव

सिंगापुर। मणिपुर के एक सांस्कृतिक दल ने सिंगापुर में लिटिल इंडिया परिसर में वार्षिक कार्यक्रम 'दीपावली लाइट अप' में प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सिंगापुर के राष्ट्रपति थरमन षणमुगरत्नम तथा विविध समूहों के 700 प्रतिभागियों ने शिरकत की और इसी के साथ देश में दो महीने तक चलने वाले दीपों के इस त्योहार की शुरुआत हुई।

भारतीय उच्चायोग ने रविवार को कहा, 'भारत से मणिपुरी सांस्कृतिक दल ने समारोह में भाग लिया और मणिपुर की कलाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।' इस मंडली को भारतीय उच्चायोग (सिंगापुर) ने आमंत्रित किया था और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने इसे पूरा सहयोग दिया। उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने भी दीपावली प्रकाश समारोह में भाग लिया। मणिपुर का यह सांस्कृतिक दल रविवार दोपहर को 'टैम्पाइन्स हब' के फेस्टिव प्लाजा में भी प्रस्तुति देगा। 'लिटिल इंडिया' को सिंगापुर के 60वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न के तौरपर 600,000 एलईडी लाइटों से सजाया गया है। यह इलाका दो किलोमीटर तक फैला हुआ है। सिंगापुरवासी 20 अक्टूबर को दीपावली मनाएंगे और उस दिन यहां आधिकारिक अवकाश रहेगा। समारोह के आयोजक 'लिटिल इंडिया शॉप ओनर्स एंड हेरिटेज एसोसिएशन' ने बताया कि परिसर का मुख्य मार्ग 'सेरांगून रोड' नौ नवंबर तक 64 दिनों तक शाम सात बजे से आधी रात तक जगमगाता रहेगा।

तीन वर्षीय भांजी की हत्या कर महिला ने खुद भी जान दी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मानसिक रूप से अस्वस्थ्य महिला ने अपनी तीन साल की भांजी की कथित तौर पर हत्या करने के बादआत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को हुई। शिवाजी नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अंबरनाथ कस्बे की रहने वाली 26 वर्षीय महिला अपने आठ वर्षीय भांजे की मौत के बाद अवसाद में थी। उसने अपनी बहन की बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी और अपराधबोध से ग्रस्त होकर बहन के घर में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। महिला कुछ समय पहले अपनी बहन के बेटे की बीमारी से हुई मौत से बहुत आहत थी।

बाजार दर्पण

उत्सव लॉन्स
गोरखपुर में
शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनो हेतु ।
अलहदादपुर, गोरखपुर
फोनः- 0551-2338099
+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइलः 9415016089